@NewsRotary /RotaryNewsIndia January 2019

रोटरी समाचार

Vol.18, Issue 3 | Annual Subscription ₹ 420

Rotary

ROTARY SERVICE PROJECTS

VIDEO CONTEST

2018-19

Calling all **Rotary clubs in Zones 4,5 & 6A** to participate in this contest and win exciting cash prizes.

Club Presidents/Secretaries can submit one video (not more than **three minutes)** of the club's service projects implemented in the year, under The **Rotary Foundation's Six Areas of Focus:**

- **Peace and conflict prevention/ resolution**
- **Disease prevention and treatment**
- **Water and sanitation**
- **Maternal and child health**
- **Basic education and literacy**
- **Economic and community development**

The contest will be judged by an esteemed panel convened by RID C Basker.

The **top 3 entries** (from each of the **RI Zones of 4, 5 & 6A** India) will win the following cash awards:

1st Prize: INR 100,000

2nd Prize: INR 50,000

3rd Prize: INR 25,000

Rotary

The last date of submission of videos is **May 31, 2019.**

Video entries may be sent to **rotaryprojectsvideo@gmail.com** or mailed to **Rotary News Trust, Dugar Towers, 3rd Floor, 34, Marshalls Road, Egmore, Chennai - 600 008, Tamil Nadu.**

Alternatively, clubs can upload the video on **YouTube** and share the URL link to the above mail id.

Please include the following too:
Club Name and District, Contact Person and Email Id/Phone number, Name of the Video/Project and the URL Link.

Only Hi-res videos will be accepted. Videos can be in the format: **MOV, MP4 (MPEG4), AVI, WMV, FLV, MKV, VOB.**

विषयसूची

12 एक काली-टाई रात्रिभोज पर उदारता का जश्न

RIPE मार्क मलोनी और गे के मुंबई दौरे के सम्मान में आयोजित की गई TRF दावत में, पिता और पुत्र - निक और मनोज इसरानी - को AKS सदस्य के रूप में शामिल किया गया।

16 भारत में रोटरेक्ट बहुत प्रभावशाली है: मार्क मलोनी

रोटारेकटरों द्वारा सूरत में आयोजित किये गए एक विशेष टॉक शो में RIPE मार्क मलोनी ने रोटारेकट को आगे ले जाने के बारे में अपने विचार साझा किये।

20 रोटरी क्लब मद्रास साउथ को अपने बाल चिकित्सा परियोजना के लिए मिला एक मसीहा

रोटरी क्लब मद्रास साउथ उसकी परियोजना - केरिंग फॉर लिटिल हार्ट्स - के माध्यम से नन्ही जिंदगियों को बचाता है।

32 नासिक में महिला रोटेरियन ने अपना जलवा दिखाया

महिला रोटेरियनों के लिए मंडल 3030 एक विशेष सम्मेलन की मेजबानी करता है।

46 कचरा नहीं, बीज बम फेंकिये

रोटरी क्लब मापुका बीज गेंद पहल के माध्यम से गोवा में हरित धरा का सूत्रपात करने का प्रयास करता है।

50 राजस्थान के घूमर नृत्य को लोकप्रिय बनाना

रोटरी क्लब जोधपुर संस्कार राजस्थान के पारंपरिक नृत्य को लोकप्रिय बनाते है।

52 रंगीन कोलंबिया

अपने शानदार कैरिबियाई समुद्री तटों, दिलचस्प भूदृश्यों, स्वादिष्ट कॉफ़ी और चॉकलेट के लिए मशहूर इस दक्षिण अमेरीकी देश को देखिये।

62 ओड़िसी एक गतिमान कविता

उड़ीसा के इस मनोहर नृत्य रूप के बारे में जानिए।

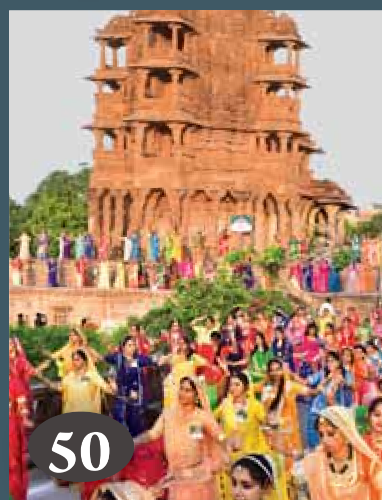

कवर पर : RIPE मार्क मलोनी और गे सूरत में ढिंका चिका अनाथालय में।

चित्र : जेयश्री

आलोचना, आत्मनिरीक्षण; दूसरे कहते हैं इसे रोको

एक गर्वित रोटेरियन होने के नाते, मैं दिसंबर अंक में संपादक का संदेश जिसका शीर्षक था *निंदा हटाने के फ़ायदे..* पढ़कर व्याकुल हो गया। हमें रोई अध्यक्ष और TRF न्यासी प्रमुख से हर माह प्रेरणात्मक संदेश मिलते है और वे कभी भी नकारात्मक विचार प्रस्तुत नहीं करते है। जब व्यापक रूप से वितरित की जाने वाली एक रोटरी क्षेत्रीय पत्रिका की संपादक निंदा हटाने के फ़ायदों के बारे में बात करती है, तो यह अपने स्वयं के शीशे के घर पर पत्थर फेंकने जैसा है। रोटरी में अच्छाई और बुराई की बात वहाँ की गई जहाँ सामान्य रोटेरियन मौजूद नहीं थे। कार्यक्रम का कवरेज पत्रिका में एक रिपोर्ट के तौर पर हुआ परंतु यह खेदजनक है कि आपने दुष्ट और नीच, खामियों और अवांछनीय तत्वों जैसे शब्दों का इस्तेमाल कर संपादकीय लिखी।

रोटरी न्यूज़ को सकारात्मक खबरें प्रसारित करना चाहिए; रो ई के पास खरपतवारों को हटाने का अपना स्वयं का सुधारात्मक तंत्र है।

संपतकुमार

रोटरी कोयंबटूर एलीट - मंडल 3201

संपादक के संदेश में, रोटेरियनों द्वारा अमल में लाये जाने वाली नीतियों के संदर्भ में यह सही कहा गया है कि एक अच्छा माली/बोने वाला खरपतवार हटाने के फ़ायदों को जानता है।

RIPN सुशील गुप्ता का साक्षात्कार रोचक है और उनकी समापन टिप्पणी, ''आप जो भी करें, दिल से करें और उसे उसके तार्किक अंजाम तक पहुंचाए।'' आप केवल एक परियोजना कर सकते है, लेकिन उसे अच्छी तरह से करें, वास्तव में अर्थपूर्ण है। संपादक द्वारा लेख में वर्णित की गई रवि शंकर की सादगी और उनका धीरज प्रशंसनीय है।

यह खुशी की बात है कि *रोटरी न्यूज़* तमिल में भी प्रकाशित हो रही है, जैसा कि कुछ डीजीयों द्वारा आग्रह किया गया था। पर क्या यह सभी क्षेत्रीय भाषाओं पर लागू होगा, विषेशरूप से मलयालम के लिए जिसमें हम इसे पढ़ना पसंद कर सकते है?

एम टी फिलिप

रोटरी क्लब त्रिवेन्द्रम सबअर्बन - मंडल 3211

बातचीत दिल खोल के के दूसरे अंक में, PRIP के आर रविन्द्रन ने सभापति के रूप में चेन्नई इंस्टीट्यूट में रोई के परिषद कक्ष जैसा माहौल बना दिया था। रोटरी की खामियों पर रोई अध्यक्ष बेरी रेसिन, TRF न्यासी माइक वेब और PRIP राजेंद्र साबू से पूछे गए उनके तीखे सवालों के स्पष्ट उत्तर मिले। रेसिन और साबू ने भ्रष्टाचार पर चिंता जताई और सर्वश्रेष्ठ डीजीयों को पुरस्कृत करने के ''मानदंडों'' की फिर से जांच करने का सुझाव दिया। रोटरी का सर्वश्रेष्ठ और सबसे खराब पर, रेसिन ने कहा जहाँ सर्वश्रेष्ठ में सेवा परियोजनाएं है, ''खराब'' हिस्सा जो उन्हें सबसे अधिक चोट पहुंचाता है वह है सेवा परियोजनाओं के नियत पैसों की जांच करने की जरूरत, जिन्हें व्यक्तियों द्वारा बेईमानी से निकाला जा रहा है। ऐसे लोगों के लिए हमें पर्याप्त दंड सुनिश्चित करना होगा।

डॉक्टर सुदामा बासा

रोटरी क्लब भुवनेश्वर - मंडल 3262

एक रोई अध्यक्ष रोटरी की नकारात्मकताओं के बारे में बात कर सकता है परंतु यदि वे बार-बार दोहराई जाएँ, तो रोटरी का आकर्षण खत्म हो जाएगा।

अरीवूडई नाम्बी

रोटरी क्लब कोयंबटूर मैंचेस्टर - मंडल 3201

रशीदा भगत द्वारा लिखा गया लेख *बातचीत दिल खोल के* को देखकर मैं प्रसन्न हुआ क्योंकि उसने रोटरी में अच्छाई एवं बुराई पर ध्यान केन्द्रित किया। मैं अध्यक्ष बेरी के विचारों से सहमत हूँ कि रोटरेक्टरों को रोटरी क्लबों द्वारा अवांछनीय महसूस करवाया जाता है।

जलने से बचे लोगों के लिए रोटरी क्लब कोयंबटूर मेट्रोपोलिस द्वारा की जा रही होप आफ्टर फायर परियोजना रोटरी का एक सच्चा जादू है।

नवीन आर गर्ग

रोटरी क्लब सूनाम - मंडल 3090

मैं सात वर्षों से रोटेरियन हूँ और साक्षात्कार मैंने कोई बहुत बड़ा काम नहीं किया है: रवि शंकर को पढ़कर पहली बार मैंने वास्तव में प्रेरित एवं द्रवित महसूस किया। चर्चा में मैंने एक वास्तविक ''कर्म योगी'' की झलक देखी जिसका ध्यान समाज को लौटाने पर है। 'औपचारिक रूप से शिक्षित' लोगों को जोकर बताने वाली उनकी टिप्पणी एक विवाद-मुक्त तथ्य है और एक सच्चाई है। भारत और दुनिया को केवल 'संस्कृत लोगों' की आवश्यकता है ना कि औपचारिक रूप से शिक्षित मूर्खों की। 'कॉस्मेटिक रोटेरियन' इस्तेमाल करने के लिए एक बहुत ही नम्र शब्द है क्योंकि बहुत से लोग रोटरी मंच का उपयोग आत्म-प्रक्षेपण एवं सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए करते है। कुलीन रोटेरियन रवि और उनके परिवार को शुभकामनाएँ। आशा है कि रोटरी ऐसे और भी अनेक कुलीन व्यक्ति पेश करेगी।

डॉक्टर मुरलीधर

रोटरी क्लब कोलार गोल्ड फील्ड्स - मंडल 3190

आपके पत्र

उत्कृष्ट पत्रिका, रोचक

मैं लगभग 25 वर्षों से *रोटरी न्यूज़* पढ़ रहा हूँ। यह बैठक या कार्यालय की मेज के लिए एक उत्कृष्ट पत्रिका है। रोई अध्यक्ष रेसिन, रोटेरियनों से परिवर्तन के राजहंस बनने के लिए कहते वक्त, हमारी सदस्यता को 1.2 मिलियन के आंकड़े पर अटकने को लेकर चिंता व्यक्त करते है। मेरा सुझाव है कि हम रोटरी छोड़ चुके सदस्यों को वापस लाने की कोशिश करें। टीआरएफ़ में ₹100 करोड़ दान करने के लिए मैं डी रविशंकर और पाओला की सराहना करता हूँ और उनके हौसले को सलाम करता हूँ। बहुत से लोगों के पास पैसा होता है पर देने का साहस नहीं होता।

पीडीजी अश्विनी कर

रोटरी क्लब भुवनेश्वर मेडोज़ - मंडल 3260

रोटरी न्यूज़ पाठकों के लिए व्यापक रूप से रोटरी गतिविधियों और समुदाय संबन्धित परियोजनाओं एवं अन्य सामाजिक गतिविधियों की रिपोर्टिंग कर रोचक लेख ला रही है। अक्टूबर अंक में लेख जैसे *बाढ़ पीढ़ितों के लिए एक तैरने वाला घर, कथक: संस्कृतियों का एक संगम, द एनोटेटेड गाइड टू एंडिंग पोलियो, लैंगिक समानता को बढ़ावा... हेलेन क्लार्क* और नवंबर अंक में खूबसूरत तस्वीरों के साथ बातचीत दिल खोल के चेन्नई इंस्टिट्यूट में, नए जमाने की परवरिश की कला पाठकों को अपना ध्यान केन्द्रित करने एवं पचाने के लिए कुछ रोचक चीज़ें प्रदान करती है।

सुमित्रा चक्रबर्ती

रोटरी क्लब टोलीगूंगे - मंडल 3291

एक झटका

आपके द्वारा संपादक की कमान संभालने के बाद से, रोटरी न्यूज़ के प्रारूप, डिज़ाइन और सामाग्री में किए गए बदलाव वास्तव में ताज़गी देने वाले और आवश्यक है और नवीनतम अंक के मिलते ही मैं उसे जल्द से जल्द पढ़ने की प्रतीक्षा करता हूँ। लेकिन मैं दिसंबर अंक में मेरी प्रति को तमिल में देखकर हैरान था। मुझे बताया गया कि गवर्नरों ने यह फैसला लिया था। यह वास्तव में चौंका देने वाला है। यदि गवर्नर फैसला करते है और आप उसके अनुरूप कार्य करती है, तो मेरी गुजारिश है कि आप पत्रिका के शुल्कों को गवर्नर से ही वसूल करें, ना कि क्लब और उसके सदस्यों से।

नीलगिरी जैसे एक क्षेत्र में, सदस्य विविध सांस्कृतिक पृष्ठभूमियों से होते है और डीजी सदस्यों की सहमति लिए बिना उनके लिए फैसला नहीं ले सकते है। कृपया क्लब अध्यक्षों से संपर्क करके सुधारात्मक कार्यवाही कीजिये। ऐसे बहुत से सदस्य हो सकते है जो नहीं जानते कि वापस अंग्रेजी अंक कैसे हासिल किया जाए। कृपया मुझे पिछला अंक और भविष्य में सभी अंक केवल अंग्रेजी में ही भेजिये।

आर सेंथिल कुमार

रोटरी क्लब ऊटी टाउन - मंडल 3202

तमिल में रोटरी न्यूज़ का स्वागत

तमिल में *रोटरी न्यूज़* प्राप्त करना मेरे लिए एक सुखद आश्चर्य था। यह लंबे समय से हजारों तमिल बोलने वाले रोटेरियनों का स्वप्न था। आपने वो कर दिखाया जो दशकों से बोला गया, और इतिहास रचा है। तमिल संस्करण रोटरी को व्यापक दर्शकों तक ले जाएगा। बधाइयाँ।

शनमुगसुंदरम टी

रोटरी क्लब तिरुचेनगोड़े - मंडल 2982

पर्यावरण अनुकूल कागज़ के लिफ़ाफ़े

यह देखना अच्छा लगा कि पत्रिका एक पर्यावरण अनुकूल कागज़ के लिफाफे में भेजी जा रही है। पॉलिथीन से कागज़ पर आने के लिए मेरी तरफ से बधाइयाँ। ऐसे कदम सकारात्मक रूप से पर्यावरण को प्रभावित करेंगे।

विक्रम संघानी

रोटरी क्लब राजकोट मिडटाउन- मंडल 3060

लेख *केरल में रोटरी की धान परियोजना बाढ़ की विनाशलीला से बच गई* रोचक था; आजकल, *रोटरी न्यूज़* में अच्छे लेख छप रहे है। *केरल के पुनर्निर्माण* पर जयश्री की रिपोर्ट बहुत अच्छी थी। RID सी भास्कर का संदेश *रोटेरियन रवि शंकर के परोपकार को सलाम* प्रेरक था और चेन्नई इंस्टीट्यूट में धोती और साड़ी में रोई अध्यक्ष बेरी रेसिन और एस्थर की फोटो देखकर मैं रोमांचित था।

डेनियल चित्तिलापिल्ली

रोटरी क्लब कलूर - मंडल 3201

मैट केपरस की प्रशंसा

PRIP मैट केपारस भारत में रोटरी की उमड़ती भावना से अभिभूत थे और उन्होंने रवि शंकर और पाओला को TRF में उनके महान योगदान के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने भारत में रोटरी के नेतृत्व और पत्रकारिता में आपके कौशलों को पसंद किया जो भारत में रोटरी द्वारा किए जाने वाले महान कार्यों की एक सच्ची तस्वीर दिखाने में मदद करते है। वाकई में, एक बड़े रोटरी मंच पर आपके कार्यों को सम्मानित किए जाने की आवश्यकता है। बड़े रोटरी कार्यक्रमों का पत्रिका में कवरेज होने से भारत में रोटेरियन अधिक जुनून के साथ रोटरी को अंगीकार कर रहे है।

अरुण कुमार दास

रोटरी क्लब बारिपदा - मंडल 3262

84 की उम्र में, मैं यह खबर पढ़कर उत्तेजित हुआ कि रोटेरियन रवि शंकर ने संस्थान में ₹100 करोड़ दान किए है, लेकिन उनके हिसाब से उन्होंने कोई बड़ा या सम्मानित किए जाने वाला कार्य नहीं किया है। उन्होंने बस देने का फैसला किया। दुनिया भर के रोटेरियन अपना आभार प्रकट करते है और उनका धन्यवाद करते है।

अध्यक्ष बैरी उम्मीद रखते है कि सभी रोटेरियन सेवा परियोजनाओं का कार्यान्वयन नैतिक रूप से करें, जो रोटरी सदस्यों के लिए एक अहम गुण है। रोटरी क्लब पांडिचेरी बीच टाउन, मंडल 2981, द्वारा अभिभावकों में बाल शोषण पर जागरूकता फैलाने के लिए एक बहुत ही रोचक परियोजना शुरू की गई है। परियोजना में स्मार्टफोन की लत से निपटने और कैसे एक खुशहाल बच्चे को बड़ा किया जाना चाहिए के बारे में भी विचार शामिल है। क्लब को सलाम।

एस मुनियांदी

रोटरी क्लब डिंडिगल फोर्ट - मंडल 3000

अपने विचार संपादक को भेजें: rotarynews@rosaonline.org; rushbhagat@gmail.com **पर ई-मेल करें।**

Governors Council

RI Dist 2981	DG	S Piraiyon
RI Dist 2982	DG	Nirmal Prakash A
RI Dist 3000	DG	RVN Kannan
RI Dist 3011	DG	Vinay Bhatia
RI Dist 3012	DG	Subhash Jain
RI Dist 3020	DG	Guddati Viswanadh
RI Dist 3030	DG	Rajiv Sharma
RI Dist 3040	DG	Gustad Anklesaria
RI Dist 3053	DG	Priyesh Bhandari
RI Dist 3054	DG	Neeraj Sogani
RI Dist 3060	DG	Pinky Patel
RI Dist 3070	DG	Barjesh Singhal
RI Dist 3080	DG	Praveen Chander Goyal
RI Dist 3090	DG	Dr Vishwa Bandhu Dixit
RI Dist 3100	DG	Deepak Jain
RI Dist 3110	DG	Arun Kumar Jain
RI Dist 3120	DG	Stuti Agrawal
RI Dist 3131	DG	Dr Shailesh Palekar
RI Dist 3132	DG	Vishnu S Mondhe
RI Dist 3141	DG	Shashi Sharma
RI Dist 3142	DG	Dr Ashes Ganguly
RI Dist 3150	DG	Ramesh Vangala
RI Dist 3160	DG	Konidala Muni Girish
RI Dist 3170	DG	Ravikiran Janradan Kulkarni
RI Dist 3181	DG	Rohinath P
RI Dist 3182	DG	Abhinandan A Shetty
RI Dist 3190	DG	Suresh Hari S
RI Dist 3201	DG	A Venkatachalapathy
RI Dist 3202	DG	Dr E K Ummer
RI Dist 3211	DG	E K Luke
RI Dist 3212	DG	K Raja Gopalan
RI Dist 3231	DG	C R Chandra Bob
RI Dist 3232	DG	Babu Peram
RI Dist 3240	DG	Dr Sayantan Gupta
RI Dist 3250	DG	Kumar Prasad Sinha
RI Dist 3261	DG	Nikhilesh M Trivedi
RI Dist 3262	DG	Bhabani Prasad Chowdhury
RI Dist 3291	DG	Mukul Sinha

Board of Permanent Trustees & Executive Committee

PRIP	Rajendra K Saboo	RI Dist 3080
PRIP	Kalyan Banerjee	RI Dist 3060
RIPN	Sushil Gupta	RI Dist 3011
PRID	Sudarshan Agarwal	RI Dist 3011
PRID	Panduranga Setty	RI Dist 3190
PRID	Ashok Mahajan	RI Dist 3141
PRID	Yash Pal Das	RI Dist 3080
PRID	Shekhar Mehta	RI Dist 3291
PRID	P T Prabhakar	RI Dist 3232
PRID	Dr Manoj D Desai	RI Dist 3060
RID	C Basker	RI Dist 3000
TRF Trustee	Gulam A Vahanvaty	RI Dist 3141
RIDE	Dr Bharat Pandya	RI Dist 3141
RIDE	Kamal Sanghvi	RI Dist 3250

Executive Committee Members (2018–19)

DG Rajiv Sharma — RI Dist 3030
Chair – Governors Council

DG Pinky Patel — RI Dist 3060
Secretary – Governors Council

DG Subhash Jain — RI Dist 3012
Secretary – Executive Committee

DG A Venkatachalapathy — RI Dist 3201
Treasurer – Executive Committee

DG Shashi Sharma — RI Dist 3141
Member – Advisory Committee

ROTARY NEWS / ROTARY SAMACHAR

Editor
Rasheeda Bhagat

Senior Assistant Editor
Jaishree Padmanabhan

Send all correspondence and subscriptions to

ROTARY NEWS TRUST
3rd Floor, Dugar Towers, 34 Marshalls Road, Egmore
Chennai 600 008, India. Phone : 044 42145666
e-mail: rotarynews@rosaonline.org
Website : www.rotarynewsonline.org

Printed by P T Prabhakar at Rasi Graphics Pvt Ltd, 40, Peters Road, Royapettah, Chennai - 600 014, India, and published by P T Prabhakar on behalf of Rotary News Trust from Dugar Towers, 3rd Flr, 34, Marshalls Road, Egmore, Chennai 600 008. Editor: Rasheeda Bhagat.

The views expressed by contributors are not necessarily those of the Editor or Trustees of Rotary News Trust (RNT) or Rotary International (RI). No liability can be accepted for any loss arising from editorial or advertisement content. Contributions – original content – is welcome but the Editor reserves the right to edit for clarity or length. Content can be reproduced, but with permission from RNT.

हमारे व्यथित किसानों को मदद की ज़रूरत है

निरंतर परिवर्तन ही हमारे जीवन चक्र को गतिशील बनाये रखता है। पिछले महीने पांच में से चार राज्यों में सम्पन्न हुए चुनाव में, मौजूदा सरकारों के विरोध में वोट दिया गया, क्योंकि उन राज्यों के मतदाताओं ने परिवर्तन का विकल्प चुना था। राजनीतिक विचारधाराओं को एक तरफ रख दें तो, राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे तीन महत्वपूर्ण राज्यों में ज़्यादातर मतदाताओं की नाराज़गी की ख़ास वजहों में से एक रही – कृषि समस्या जो बर्दाश्त के बाहर हो गई थी। यदि जल्दी ही वहां किसानों की मदद के लिए कठोर कदम नहीं उठाए गए तो यह जल्द ही यह स्थिति विकराल कृषि संकट का रूप ले सकती है।हम में से अधिकांश ने नासिक के प्याज उगाने वाले किसान की मर्मभेदी कहानी पढ़ी होगी, जिसे 750 किलोग्राम प्याज की फसल के लिए 1,064 रुपये मिले थे, घोर निराशा के साथ नाराज़गी जताते हुए यह राशि उसने प्रधान मंत्री राहत कोष में भेज दी। पर्यावरण की कायापलट करना दुनिया भर के रोटेरियनों की प्राथमिकता रही है, अंधाधुंध निर्माण और अन्य कारणों के लिए कटते पेड़ों को लेकर रोटेरियन चिंतित हैं, ये मनुष्य का स्वार्थ और लालच ही है, जो सब कुछ हासिल करना चाहता है, सिर्फ अपने लिए। पर्यावरण की जागरूकता के इस प्रयास में, विभिन्न क्लब जब पौधों का वितरण करते हैं, तो अमूमन वे ऐसी किस्में देते हैं जो उगाने वाले के लिए आर्थिक रूप से भी फायदेमंद हो।

भारत में रोटेरियनों द्वारा वितरित पसंदीदा पौध की किस्में हैं – किचन गार्डन में सब्ज़ियां और ड्रमस्टिक पौधे (सहजन) – भारतीय महिलाओं में आयरन की कमी की पूर्ति के लिए। और आप में से जिनके यहां किचन गार्डन है, उन्हें अच्छी तरह से मालूम है कि किचन में बीन्स या टमाटर जैसी मामूली फसल उगाने के लिए आपको कितना परिश्रम करना पड़ता है, और इस प्रक्रिया में आपको खाद और उर्वरकों पर कितना ज़्यादा खर्च करना पड़ता हैं।

और आप में से जिन के घर में किचन गार्डन है तो निश्चित ही आप किसान के उस दर्द और तकलीफ को अपने भीतर महसूस कर सकेंगे, उसने 750 किलोग्राम प्याज पैदा करने के लिए अपने क्षेत्र में कितना अधिक निवेश किया होगा। मंडी में जब उसकी उपज के लिए केवल 1 रुपये प्रति किलो का दाम मिला होगा तो आप उसकी बरबादी का अंदाज़ा लगा सकते हैं।

यह प्रकरण हमें सोचने पर विवश करता है कि : क्या हमारी मेज पर परोसे गए उस भोजन का पर्याप्त भुगतान कर रहे हैं जिसे हमारी मेज तक पहुंचाने के लिए हमारे किसान इतनी मशक्कत करते हैं? आज सुबह मैंने *इंडियन एक्सप्रेस* में एक बढ़िया विश्लेषित लेख पढ़ा, जिसका शीर्षक है – *How food prices lost their bite.*

हमारे देश के वरिष्ठ कृषि संवाददाता हरीश दामोदरन ने लिखा है कि भारत में उपभोक्ता खाद्य मुद्रास्फीति, सामान्य मुद्रास्फीति से नीचे चल रही है। इसमें सितंबर 2016 से नवंबर 2018 (27 महीनों का) समय कैसा रहा, इसका पूर्ण ब्यौरा है और इन 27 महीनों में से पांच के दौरान – मई, जून और जुलाई 2017, और फिर अक्टूबर और नवंबर 2018 में – ''आधिकारिक उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक में वार्षिक वृद्धि नकारात्मक रही है, जिसका मतलब है कि भारतीय लोग पिछले साल की तुलना में सब्जियों, दालों, चीनी या अंडे के लिए आज कम भुगतान कर रहे हैं।'' उपभोक्ताओं के रूप में आज हम खुश हैं कि वो दिन हवा हुए जब प्याज़ ₹80-100 किलो के पार चला गया था, टमाटर ₹80 पर चढ़ गया था, तूर दाल ₹200 किलो पर उड़ रही थी।

लेकिन बेहतर होगा की हम एक क्षण रूकें और चिंतन करें कि खाद्य मूल्य सूचकांक में नकारात्मक वृद्धि का हमारे किसानों पर क्या असर पड़ सकता है । अब यह राज़ की बात नहीं रही कि किसान के बच्चे खेती में नहीं जाना चाहते, बल्कि सरकारी क्लर्क या अधिकारी बनने की लालसा में किसी भी तरह की शिक्षा पाने का प्रयास करते हैं। जरा सोचिए, अगर हमारे किसानों ने खेती से मुंह मोड़ लिया तो इसके क्या परिणाम होंगे। हम, भारत के लोग, अपने मेहनती किसानों के ऋणी हैं, हम आत्मनिरीक्षण करें और ऐसे उपाय ढूंढें ताकि किसानों को अपनी उपज से बढ़िया आमदनी मिल सके। उसके लिए यदि हमें अपने भोजन के लिए थोड़े अधिक पैसे देने भी पड़ें, तो कोई बात नहीं।

रशीदा भगत

अध्यक्ष
की ज़बानी

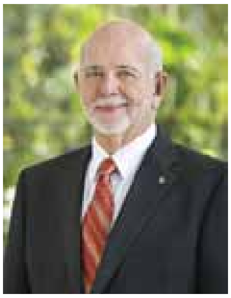

व्यवसाय की विविधता - रोटरी की ताकत

BE THE INSPIRATION

प्रिय साथी रोटेरियनों,

व्यावसायिक सेवा को परिभाषित करना कठिन है, परंतु उसका वर्णन करना आसान है: यह वह बिन्दु होता है जहाँ हमारी रोटरी ज़िंदगियाँ और हमारी पेशेवर ज़िंदगियाँ एक दूसरे से मिलती है। जब हम हमारे काम के माध्यम से रोटरी के आदर्शों का सक्रिय रूप से इस्तेमाल करते है, तो वह व्यावसायिक सेवा होती है।

स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन के क्षेत्र में कई सालों तक विदेश में काम करने के बाद जब मैं बहामास लौटा, तो मुझे एहसास हुआ कि मेरे देश को आधुनिक स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं की बहुत अधिक जरूरत है। उस समय हमारे पास मौजूद संसाधन पुराने एवं अपर्याप्त थे, और जो लोग इलाज के लिए विदेश नहीं जा पाते थे उन्हें अक्सर वो इलाज प्राप्त नहीं हो पाता था जिसकी उन्हें आवश्यकता होती थी। यूनाइटेड स्टेट्स में अर्जित अपने अनुभव के बिना, मैं उस स्थिति को बदलने के लिए कुछ नहीं कर पाता। पर चूंकि मेरे पास वह अनुभव था, इसलिए मैं एक प्रभाव डालने की अनोखी स्थिति में था। मैं जानता था कि मैं मेरे पेशेवर मार्ग को अच्छाई की तरफ मोड़ सकता हूँ और बहामियाई स्वास्थ्य देखभाल को बेहतर बनाकर एक कैरियर बना सकता हूँ।

जैसे-जैसे रोटरी मेरी यात्रा का हिस्सा बनी, मैंने जाना कि पॉल हेरिस के शब्द जो हमारी रोटरी का आधार बने - कि साझे प्रयासों की कोई सीमा नहीं होती - मेरे पेशे के लिए भी सही है। मैं अकेले बहामास में आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं ला सकता था। परंतु साझेदारी के माध्यम से, उन डॉक्टरों के साथ जो अंततः डॉक्टर्स हॉस्पिटल में मेरे साझेदार बने एवं अस्पताल में वर्षों से काम करने वाले समर्पित कर्मचारी वर्ग, दोनों के साथ हम सब कुछ बदल सकते थे। मेरा लक्ष्य एक साझा लक्ष्य बन गया - और फिर वह वास्तविकता बना।

रोटरी हर पेशे की गरिमा एवं हर धंधे के महत्व पर ज़ोर देती है। याद कीजिये कि उन चार संस्थापक सदस्यों में कोई डॉक्टर या शांतिनिर्माता नहीं था - बस एक अधिवक्ता, एक खनन इंजीनियर, एक कोयला व्यापारी, और एक मुद्रक। शुरुआत से, उन पेशों की विविधता ने रोटरी को एक विशेष ताकत दी है। और यह विविधता हमारी वर्गीकरण प्रणाली में दिखती है, जिसका लक्ष्य है कि प्रत्येक क्लब हर उस व्यवसाय एवं पेशे का प्रतिनिधित्व करे जो हर समुदाय की सेवा करते है।

पॉल हैरिस ने इसे इस तरह से कहा था: ''प्रत्येक रोटेरियन रोटरी के आदर्शवाद एवं उसके व्यवसाय या पेशे के बीच की जोड़ने वाली कड़ी है।'' जब उन्होंने यह कहा था तब वह सच था और अब भी इसे उतना ही सच्चा होना चाहिए। हम हमारी रोटरी बैठकों में केवल सप्ताह में एक या दो घंटे व्यतीत करते है, परंतु हम में से अधिकतर लोग हमारे जागने के समय को काम करने में खर्च करते है। रोटरी के माध्यम से, वे घंटे भी सेवा का एक अवसर है: उनके लिए *प्रेरणा बनने* का एक मौका जिनके साथ हम काम करते है, जो हमारे लिए काम करते है, और जिन समुदायों की हम सेवा करते है।

बेरी रेसिन

अध्यक्ष, रोटरी इंटरनेशनल

रो ई निदेशक

का संदेश

चार-तरफ परीक्षण

चार मार्ग परीक्षण

एक रोटेरियन के रूप में हम समान संबद्धता का प्रतिनिधित्व करते है, पर स्पष्ट रूप से व्यक्तिगत तौर पर हम अलग भी हो सकते है; हालांकि हम सबका एक साझा दृष्टिकोण है: समुदाय को लौटाने का। रोटेरियन होने के नाते हम एक सामान्य आचार संहिता से भी बंधे हुये है। मैं इन शब्दों को लिखने के लिए कुछ प्रसंगों से प्रेरित हुआ जिनमें व्यापारियों एवं खिलाड़ियों ने उनकी नैतिक धारणा को प्रदर्शित किया और अपने शब्दों पर खरे उतरे।

भारत के पूर्वी हिस्से में स्थित एक जाने-माने औद्योगिक समूह के कारखाने में एक ब्लड बैंक है। यदि कोई कर्मचारी एक बोतल खून दान करता है, तो उसे उस दिन की छुट्टी दी जाती है, और वह उसके रक्त दान करने के सात दिन के भीतर एक दिन की अतिरिक्त छुट्टी भी ले सकता है। कर्मचारियों ने उनकी छुट्टियों को बढ़ाने के लिए इस प्रतिपूरक छुट्टी का इस्तेमाल करना शुरू किया, जिससे कई श्रम-घंटों का नुकसान हुआ।

एक बार चेयरमेन से एक सवाल पूछा गया: ''लोग इस नीति का अनुचित लाभ उठाते है। हमें कई श्रम-घंटों का नुकसान होता है। 24 घंटे में खून की फिर से पूर्ति हो जाती है, आप यह जानते है। तो रक्त दान करने के सात दिन के भीतर उस अतिरिक्त छुट्टी को क्यों दिया जाए?'' अपने चेहरे पर एक मुस्कान के साथ चेयरमेन ने कहा, ''प्रोत्साहन एक ऐसी चीज़ है जिसको मुझे आपको सिखाने की आवश्यकता नहीं है। केवल कुछ लोग दान करते है क्योंकि वे करना चाहते है। ऐसा करके हो सकता है हमें कुछ श्रम-घंटों का नुकसान हो रहा हो पर आपने कभी सोचा है कि रक्त को पाने वाले की ज़िंदगी में कितने श्रम-घंटे जुड़ जाते है? बेहतरी के लिए मैं 16 श्रम-घंटों का बलिदान करने के लिए तैयार हूँ।'' वह चेयरमेन एक सच्ची प्रेरणा है।

उम्मीद है कि इस किस्से से आपको कुछ विचार मिले होंगे कि कैसे आप अपने स्वयं के संगठन में नैतिक एवं लोकोपकारी सिद्धांतों को विकसित एवं समाविष्ट कर सकते है। जो लाभ के साथ-साथ लोगों पर भी ध्यान केन्द्रित करते है वह विवेकी निवेश हो सकता है।

कोई भी तब तक एक सच्चा खिलाड़ी नहीं बनता जब तक कि उसके कर्म नैतिक नहीं होते। 1966-67 में मुंबई में खेली गई भारत-वेस्ट इंडीज टेस्ट शृंखला के दौरान, भारतीय विकेट-कीपर-बल्लेबाज बूधी कुंदेरन ने 9वें नंबर पर आने के बाद 79 रन बनाकर भयंकर वेस हाल और चार्ली ग्रिफिथ के साथ-साथ गैरी सोबर्स और लेंस गिब्स की धुलाई कर दी। पारी की शुरुआत में जब कुंदेरन का स्कोर एकल अंक में था तो सोबर्स द्वारा उनका कैच लिये जाने पर उन्हें आउट घोषित कर दिया गया था। सर गारफील्ड सोबर्स, एक सच्ची भावना वाले एवं सज्जन क्रिकेटर और महान आल-राउंडरों में से एक, ने उनकी अपील यह कहकर वापस ली कि उन्होंने गेंद को ज़मीन पर पड़ने के बाद पकड़ा था। कल्पना कीजिये, उस वक्त खेली गई गेंदों का कोई टीवी कवरेज या धीमी गति में रीप्ले नहीं होता था। जब बाद में सोबर्स से पूछा गया कि अंपायर द्वारा आउट दिये जाने के बावजूद भी उन्होंने बल्लेबाज को वापस क्यों बुलाया, तो उन्होंने जवाब दिया कि वह सच एवं खेल भावना में विश्वास रखते है। यह सच्चा चार मार्ग परीक्षण है। सर गैरी एक सच्ची प्रेरणा है।

''मदद कर रहे हाथ प्रार्थना कर रहे होठों से बेहतर है'' वास्तविक जीवन में सबसे शक्तिशाली नैतिक सबक है। वह हमारी सच्ची प्रेरणा है।

आप सभी को नए वर्ष की बहुत-बहुत शुभकमनाएँ।

प्रेरणा बनिए - और एक साथ मिलकर हम दुनिया को प्रेरित कर सकते है, और करेंगे।

C. Bh

सी भास्कर

निदेशक, रोटरी इंटरनेशनल

District Wise TRF Contributions as on November 2018

(in US Dollars)

District Number	APF	PolioPlus	Other Restricted	Endowment Fund	Total Contributions	EREY Donors (in numbers)	EREY %
India							
2981	25,860	2,886	0	8,000	36,746	137	3.0
2982	28,191	922	0	243	29,356	182	6.3
3000	9,688	1,000	5,265	4,265	20,218	16	0.3
3011	34,657	278	28,811	15,072	78,818	58	1.7
3012	63,249	50	237,026	8,800	309,125	67	2.0
3020	10,468	47,466	0	5,000	62,934	42	1.1
3030	8,774	0	0	0	8,774	4	0.1
3040	2,009	0	9,930	0	11,939	3	0.1
3053	36,457	0	0	0	36,457	2	0.1
3054	(22,796)	0	30,714	0	7,918	19	0.3
3060	(3,001)	53	83,132	18,000	98,183	394	9.6
3070	63,448	300	0	0	63,748	188	6.5
3080	28,618	4,696	15,527	0	48,841	31	1.0
3090	18,071	0	0	0	18,071	51	2.5
3100	14,348	475	0	0	14,823	37	2.2
3110	23,493	1,087	16,887	0	41,467	39	1.0
3120	36,719	0	148,015	0	184,734	47	1.5
3131	137,021	1,227	144,695	33,203	316,145	412	8.1
3132	5,745	310	11,471	20,000	37,526	9	0.2
3141	423,611	8,169	672,634	26,000	1,130,414	489	9.7
3142	188,925	50	(438)	0	188,537	389	12.3
3150	51,119	0	60,437	275,467	387,023	418	12.0
3160	5,445	580	0	0	6,025	17	0.7
3170	45,795	2,470	4,679	0	52,944	82	1.5
3181	44,934	691	0	103	45,728	147	4.9
3182	38,916	0	6,516	0	45,432	127	4.0
3190	44,265	3,561	10,005	1,449,359	1,507,190	276	5.8
3201	29,052	3,468	141,161	0	173,682	88	1.7
3202	7,364	3,565	0	0	10,928	9	0.2
3211	16,812	0	0	1,515	18,327	92	2.1
3212	71,590	6,473	5,250	23,000	106,312	61	1.5
3231	9,834	1,319	0	0	11,152	154	5.2
3232	71,090	178	58,071	1,000	130,339	90	2.1
3240	44,835	208	525	0	45,567	75	2.6
3250	995	1,205	6,444	0	8,645	9	0.2
3261	9,527	1,000	100	2,000	12,627	8	0.3
3262	7,228	1,000	900	3,000	12,128	14	0.4
3291	48,104	0	52,383	800	101,287	98	2.7
India Total	**1,680,459**	**94,686**	**1,750,142**	**1,894,827**	**5,420,114**	**4,381**	**3.1**
3220 **Sri Lanka**	64,800	2,200	2,150	7,000	76,150	120	6.7
3271 **Pakistan**	28,093	26,413	2,275	0	56,780	14	1.0
3272 **Pakistan**	5,423	2,069	0	0	7,492	19	0.7
3281 **Bangladesh**	83,719	2,900	33,859	14,000	134,478	122	2.2
3282 **Bangladesh**	28,357	610	0	3,000	31,967	61	1.5
3292 **Nepal**	39,216	5,628	75,519	0	120,362	45	1.0
South Asia Total	**1,930,067**	**134,506**	**1,863,945**	**1,918,827**	**5,847,344**	**4,762**	**3.0**
World Total	**40,363,047**	**10,860,952**	**7,358,031**	**9,673,469**	**68,255,498**		

Source: RI South Asia Office

A PART OF HISTORY

The german kitchen.
Since 1898.

CERTIFIED ★★★ TROPICALISED ★★★ KITCHENS

Head Office and Showroom:
A- 248, Mahipalpur Extension, NH-8,
Delhi-Gurgaon Road, New Delhi-110037
[T] +91-11-46102000 [E] info@hacker-kitchens.com

Häcker
kitchen.germanMade.

www.haecker-india.com
www.haecker-kuechen.com

AHMEDABAD	BANGALURU	CHENNAI	COIMBATORE	DELHI
9879538977	9740999350	9442081111	9500210555	9313134488

HYDERABAD	INDORE	JAIPUR	KOCHI	LUDHIANA	MUMBAI	MANGALURU	THRISSUR
9700058285	9425803599	9414058718	9895058285	9815048222	9322987229	7899119955	7025991000

एक काली-टाई रात्रिभोज पर उदारता का जश्न

जयश्री

शांति रोटरी के खून में है। शांति के लिए हमारे कार्य सम्मेलनों या राजनयिक मंडलों में नहीं होते है। ये उन व्यक्तिगत सम्बन्धों के माध्यम से होते है जो लंबे समय में राष्ट्रीय सीमा के परे विकसित हुये है। रोटरी क्लबों की मौजूदगी और ताकत किसी भी देश के सभ्य समाज की सेहत का परीक्षण है और हम कठिन समय में डटे रहते है।''

मुंबई में आर्च क्लंफ सोसाइटी के सदस्यों और वरिष्ठ रोटरी नेतृत्वकर्ताओं की एक विशिष्ट सभा को संबोधित करते हुये RIPE मार्क मलोनी ने यह कहा। उन्होंने पिता और पुत्र, निक इसरानी और मनोज इसरानी, को AKS सदस्यों के रूप में शामिल करने के संस्कार को पूरा किया। निक इसरानी वर्ष 1993 से रोटरी क्लब बॉम्बे नॉर्थ के सदस्य है, और मनोज इसरानी 2008 में रोटरी क्लब बॉम्बे से जुड़े।

अन्य रोटेरियनों एवं AKS सदस्यों के साथ PRIP राजेंद्र साबू, PRIP कल्याण बेनर्जी, बिनोता, RID सी भास्कर और माला, RIDE भरत पांड्या और माधवी, RIDE कमल संघवी, PRID अशोक महाजन और नयनतारा, ईएमजीए सेम पातीबंदला और अशोक पंजवानी मौजूद थे।

शांति स्थापित करने के लिए आपको राजनयिक होने की आवश्यकता नहीं है। जब आप जल एवं स्वच्छता प्रणालियों का निर्माण करते है या किसी छात्रा की फीस भरने में उसकी मदद करते है, तो आप शांति स्थापित करते है।

''जिन भारतीय रोटेरियनों को मैं जानता हूँ उनमें से अधिकतर अत्यंत उदार है। आपके पास रोटेरियन डी. रवि शंकर (रोटरी क्लब बैंगलोर ऑर्चर्डस के अध्यक्ष) जिन्होंने इस वर्ष टीआरएफ़ को 14.7 मिलियन डॉलर - उनकी 75 प्रतिशत संपत्ति - का योगदान दिया और आपके पास आदित्य बिड़ला समूह की राजश्री बिड़ला है जिन्होंने पोलियो उन्मूलन के लिए लगभग ₹80 करोड़ का योगदान दिया। और अब ये पिता-पुत्र रोटेरियन जिन्होंने क्रमशः 250,000 डॉलर और 500,000 डॉलर दिये है। मैं आपके समर्थन और उदारता की सराहना करता हूँ,'' मलोनी ने कहा।

यह मलोनी और उनकी पत्नी गे का पांचवा मुंबई दौरा है। 1998 से पहले, गे और मैं पहले कभी भारत नहीं आए थे; लेकिन अब, मेरे कार्यक्रम को देखते हुये, मुझे लगता है कि मैं यहाँ कई बार आऊँगा और मैं इसकी प्रतीक्षा कर रहा हूँ। रो ई निदेशक सी भास्कर के प्रारम्भिक शब्दों को

स्वीकार करते हुये कि सदस्यता वृद्धि के मामले में भारत तेजी से बढ़ने वाले देशों में से एक है, उन्होंने कहा, पिछले दशक में सदस्य संख्या में 56 प्रतिशत की वृद्धि वास्तव में एक उल्लेखनीय बढ़त है।

शांति निर्माता

रोटरी की शांति प्रोत्साहन पहलों पर, उन्होंने कहा, ''शांति स्थापित करने के लिए आपको राजनयिक होने की आवश्यकता नहीं है। जब आप जल एवं स्वच्छता प्रणालियों का निर्माण करते है या किसी छात्रा की फीस भरने में उसकी मदद करते है, तो आप शांति स्थापित करते है। जब आप अपने समुदायों के आर्थिक विकास या शिक्षा का समर्थन करने के लिए किसी परियोजना की शुरुआत करते है तो आप शांतिपूर्ण समाजों के लिए सर्वोत्कृष्ट परिस्थितियों का निर्माण करते है।''

सीरिया या इराक जैसे संघर्ष प्रभावित देशों से भाग रहे प्रवासियों के अंतर्वाह को सरकार अकेले नहीं संभाल सकती जिन्हें किसी अनजान देश और संस्कृति में नए सिरे से जीवन की शुरुआत करने में बहुत सी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे मुद्दों के लिए नागरिक समाज से नेतृत्व की मांग होती है। ''हमारे शांति कार्यक्रम जैसे रोटरी पीस फ़ेलोस और यूथ एक्स्चेंज दुनिया भर में विद्यार्थियों को सद्भाव के दूत के रूप में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करते है। हमारी अंतर्राष्ट्रीय सेवा परियोजनाएं दो विभिन्न देशों, अक्सर बहुत ही अलग संस्कृतियों वाले, के रोटेरियनों पर निर्भर करती है जो गृह देश में जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए एक साथ काम करते है,'' वह कहते है।

मलोनी ने बताया कि कैसे एक डेनिश रोटरी शांति सदस्य ने सीरियाई शरणार्थियों को उद्यमिता और व्यापार कौशलों के साथ ही डिजिटल एकीकरण का प्रशिक्षण एक कोडिंग स्कूल के माध्यम से दिया जिसे उसने बर्लिन में स्टैनफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी के सहयोग से स्थापित किया था। ''उसने एक अवसर देखा जिससे शरणार्थियों एवं मेजबान देश दोनों को फायदा होगा। स्थानीय स्टार्टअप्स के पास उनकी बढ़ती जरूरतों की पूर्ति के लिए नई प्रतिभा थी, और प्रवासियों को उनके शरण आवेदनों की प्रक्रिया को पूरा होने के दौरान एक लाभप्रद रोजगार भी मिल गया।''

WASH कार्यक्रम के वैश्विक प्रमुख होने के कारण उसकी सफलता पर RIPN सुशील गुप्ता की प्रशंसा करते हुये, मलोनी ने कहा कि 2013 से, TRF ने वैश्विक अनुदानों एवं रोटरी क्लबों द्वारा किए गए अनुदान संचयन के माध्यम से 100 से अधिक देशों में 1,000 से अधिक WASH परियोजनाओं में निवेश किया है। ''हमारा लक्ष्य संवहनीय WASH समाधानों को उपलब्ध

नए AKS सदस्यों निक (दाएं) और मनोज इसरानी (बैठे हुए) के साथ सत्य अग्रवाल, लीला, टीआरएफ़ ट्रस्टी गुलाम वाहनवटी, संजीव कुलकर्णी और AKS सदस्य फिरोज एच कचवाला।

करवाने का है जो स्कूल उपस्थिति और आधारभूत शिक्षा एवं साक्षरता स्तरों को नाटकीय ढंग से बेहतर बना सकते है। आपके उदार योगदानों की वजह से, संस्थान ने दुनिया भर में शांति को प्रोत्साहित करने, बीमारियों से लड़ने, स्वच्छ जल एवं स्वच्छता प्रदान करने, माताओं एवं बच्चों को बचाने, शिक्षा का समर्थन करने और स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को बढ़ाने के लिए 4.7 बिलियन डॉलर इकट्ठा कर निवेश किये है।''

एकत्रित हुये दानकर्ताओं को बधाई देते हुये, रो ई निदेशक सी भास्कर ने कहा, ''हम यहाँ आपकी उदारता और टीआरएफ़ को दिये गए असाधारण सहयोग का जश्न मनाने के लिए उपस्थित है। आपकी उदारता, रोटरी में भारत को एक अग्रणी भूमिका निभाने वाला बनाती है - चाहे वह अनुदान संचयन में हो या फिर समुदायों में ज़िंदगियों को परिवर्तित करने में। भारत के 4,000 प्रमुख दानकर्ता और 92 AKS सदस्य है, एवं पाँच अन्य प्रतिबद्धताएं प्रक्रियाधीन है।''

RIDE पांड्या ने, निक इसरानी के अपने परिचय में, कहा कि वरिष्ठ इसरानी केवल परोपकार के लिए नहीं अपितु किसी कारण के लिए दान करने में विश्वास रखते है। ''वह दानकर्ताओं को तीन श्रेणियों में वर्गीकृत करते है - पहले किसी धातु के पट्टी जैसे जिन्हें ठोकने की आवश्यकता होती है जिसके बाद वे बहुत थोड़ी राशि देते है; दूसरे स्पंज जैसे जिन्हें अच्छी तरह निचोड़ना पड़ता है जिसके बाद वे कुछ देते है पर जल्द ही देना बंद कर देते है; और तीसरे शहद के छत्ते जैसे होते

रेलगाड़ियों का सम्मोहन

RIPE मार्क मलोनी ने याद किया कि TRF न्यासी गुलाम वाहनवटी 2004 में एक RRFC थे जब ''हमने यहाँ कई संगोष्ठियाँ संचालित की थी और तब से हम अच्छे मित्र है।'' वाहनवटी के साथ, उन्होंने मुंबई सेंट्रल रेल्वे स्टेशन पर रेलगाड़ियों को आता-जाता देख एक घंटा व्यतीत किया। जब मैं बाद में जोड़े से सूरत में मिला, जहाँ वे मुंबई से राजधानी एक्सप्रेस में आए थे, उन्होंने कहा: ''मुझे रेलगाड़ियां पसंद है और मैं इस बात से मोहित हूँ कि कैसे हर एक रेलगाड़ी इतने सारे लोगों को लाती है, प्लैटफ़ार्म पर उन्हें उतारती है और फिर और अधिक लोगों को लेकर उन्हें उनकी मंज़िलों तक पहुंचाती जाती है, और इतना सब केवल तीन मिनटों में।'' गे आगे कहती है, ''मार्क को यात्रा करना और लंबी दूरी की ड्राइविंग करना पसंद है जबकि मुझे आपके जीवंत रंगों से प्यार है।''

RIPE मार्क मलोनी ने TRF की ओर $100,000 के योगदान के लिए शालिनी और दिलीप पिरामल को धन्यवाद दिया।

विशेष व्यवस्था द्वारा

RIPE मार्क मलोनी और गे छत्रपति शिवाजी महाराज संग्रहालय में। चित्र में DGE हरजीत सिंह तलवार, रोमी और EMGA अशोक पंजवानी भी शामिल हैं।

है जो उदारतापूर्वक देते रहते है। निक आखिरी श्रेणी में आते है। RIDE ने मनोज इसरानी का परिचय करवाया और कहा, ''अनुदान संचयन समिति के अध्यक्ष होने के नाते, उनके द्वारा आयोजित किए गए पहले कार्यक्रम से 400,000 डॉलर इकट्ठा हुये। उन्हें संस्थान में समाज को लौटाने की उसकी ख्याति के कारण यकीन है और उन्हें विश्वास है कि उनके पैसे का अच्छा इस्तेमाल किया जाएगा।''

TRF न्यासी गुलाम वाहनवटी ने कहा, ''मुझे यह कहते हुये खुशी हो रही है कि पिछले साल अक्टूबर तक किए गए 2 मिलियन डॉलर के योगदान के मुक़ाबले इस वर्ष उसी समय तक संस्थान में किया गया कुल योगदान 5 मिलियन डॉलर का है। भारतीय मुद्रा में यह पिछले वर्ष के 13 करोड़ के मुक़ाबले इस वर्ष ₹34 करोड़ है। यदि हम रवि शंकर द्वारा दिए गए 10 करोड़ को हटा भी दे तो भी हमारे पास 11 करोड़ अधिक है!

रोटरी क्लब बैंगलोर ऑर्चर्डस के अध्यक्ष डी. रविशंकर द्वारा संस्थान को दिये गए ₹100 करोड़ (14.7 मिलियन डॉलर) के योगदान की प्रशंसा करते हुये, ''उन्होंने कहा, उन्होंने शुरुआत की और अब संस्थान में देने के लिए एक के बाद एक दानकर्ता आ रहे है। चलिये प्रबंधन के उच्चतर स्तर को बरकरार रखें ताकि हमारे संस्थान का नाम सदा ऊंचा रह सके।''

पूर्व में, EMGA अशोक पंजवानी ने घोषणा की कि मण्डल 3141 ने वास्तविक दान के मामलों में 1 मिलियन डॉलर का आंकड़ा पार कर लिया है और 23 AKS सदस्यों के साथ, दुनिया में तीसरे स्थान पर है। जबकि पारंपरिक रूप से अधिष्ठापन इवेंस्टन में किया जाता था, पिछले वर्ष से समारोह गृह देशों में आयोजित किया जा रहा है ताकि परिवार भी सम्मिलित हो सके।

केरल के लिए घर

मंडल 3142 के गवर्नर आशीष गांगुली ने केरल और कर्नाटक के बाढ़ पीढ़ितों के लिए घरों के निर्माण हेतु 250,000 डॉलर का चेक मण्डल के योगदान के रूप में प्रस्तुत किया है। पांड्या ने आगे कहा कि हाल ही में आयोजित हुये RIPN गुप्ता के अभिनंदन समारोह के अतिरिक्त धन का इस्तेमाल एक बाढ़ पीढ़ित के लिए गुप्ता के नाम पर घर बनवाने हेतु प्रायोजित करने के लिए किया गया।

उस शाम दिलीप पिरामल द्वारा TRF में 100,000 डॉलर का योगदान भी किया गया। ''उन्होंने इस वर्ष के अंत तक एक AKS सदस्य बनने का वादा किया है, वाहनवटी ने कहा।''

इससे पूर्व, RIPE मलोनी और गे ने छत्रपति शिवाजी महाराज वास्तु संग्रहालय, मुंबई स्थित एक संग्रहालय, की प्रकाशन परियोजना का उद्घाटन किया जिसके लिए मनोज इसरानी, एक उत्साही कला संग्राहक, ने ₹1 करोड़ दान किए है। यह सौर-ऊर्जा से चलने वाली परियोजना है जिसे रोटरी क्लब बॉम्बे ने अपने हाथों में लिया है ताकि इसे एक हरित संग्रहालय बनाया जा सके।

चित्र: जयश्री

भारत में रोटरेक्ट बहुत प्रभावशाली है:
मार्क मलोनी

जयश्री

सूरत, गुजरात की अपनी हाल ही की यात्रा पर RIPE मार्क मलोनी और गे ने मंडल 3060 की विभिन्न सेवा परियोजनाएं देखी।

विशेष रूप से आयोजित *टॉक शो - रोटारेक्शन* - के कुछ अंश जहाँ मलोनी ने रोटरेक्टरों के साथ एक टॉक शो में बातचीत की जिसका संचालन पूर्व DRR नीरव त्रिवेदी ने किया था।

नीरव त्रिवेदी: मंडल 3060 के पूर्व में किए गए दौरों में और अब में आप क्या अंतर पाते है?

मार्क मलोनी: सूरत, जहाँ मैं पिछली बार 2004 में आया था, में बदलाव अद्भुत है। आज हम नीहोल गाँव गए, जहाँ तब मैंने एक जल परियोजना का उद्घाटन किया था और वो शहर से काफी दूर था, परंतु अब वह ठीक शहर की सीमा पर है, जहाँ मुझे बहुत सा विकास दिखता है। जब हिमांशु (PDG हिमांशु ठक्कर) पहली बार 1970 के दशक के मध्य में सूरत आए, तो सूरत की जनसंख्या 300,000 थी; अब यह 60 लाख हो चुकी है। इमारतें, संरचनाएँ, होटल तक का रास्ता और माहौल सब बदल गया है और यहाँ पर रोटरी सेवा आश्चर्यजनक है।

आज गे और मुझे छह विभिन्न परियोजनाओं को देखने का अवसर मिला, जिसमें नीहोल की जल परियोजना शामिल है और वे सभी शानदार है।

मेरे हिसाब से ध्यान केवल सेवा पर ही नहीं बल्कि स्वयं को बेहतर बनाने पर भी होना चाहिए।

त्रिवेदी: रोटरेक्ट को पेशेवर नेतृत्व विकास पर अधिक ध्यान केन्द्रित करना चाहिए या सामुदायिक सेवा पर?

मलोनी: दोनों; मुझे नहीं लगता आप किसी एक को अनदेखा कर दूसरे पर ध्यान केन्द्रित कर सकते है। रोटरी में भी यही चीज़ होती है। हम TRF में दिये गए योगदान के लिए सम्मानित करते है, लेकिन समुदाय एवं अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं के लिए दिए गए सेवा घंटों के लिए नहीं। शायद यह कुछ ऐसा है जिसे हमें करना चाहिए। सेवा के घंटों की गणना करने की तुलना में राशि को रुपये में गिनना बहुत आसान है। इसलिए हम आसान रास्ता चुनते है। लेकिन रोटरेक्ट के संदर्भ में मेरा मानना है कि यदि आप पेशेवर नेतृत्व प्रशिक्षण को नज़रअंदाज करते है तो आप रोटरेक्ट के उस पहलू को पीछे छोड़ते है जो युवा वयस्कों के लिए आकर्षित हो सकता है। मेरे हिसाब से ध्यान केवल सेवा पर ही नहीं बल्कि स्वयं को बेहतर बनाने पर भी होना चाहिए।

त्रिवेदी: अन्य देशों से भारत में रोटरेक्ट किस तरह अलग है?

मलोनी: मैंने अभी यात्रा शुरू की है और मुझे नहीं लगता अभी मेरे पास इस तुलना के लिए पर्याप्त अनुभव है। US में, रोटरेक्ट एक मजबूत गतिविधि नहीं है। आपको वहाँ उतने रोटरेक्ट क्लब नहीं दिख सकते जितने कि भारत में दिखते है। मेरे अपने मंडल में, हमारे पास एक अत्यंत मजबूत रोटरेक्ट क्लब - रोटरेक्ट क्लब ऑफ बर्मिंघम अलबामा - है जो दुनिया का सबसे बड़ा रोटरेक्ट क्लब होने का दावा करता है। मुझे नहीं पता कि यह सही है या नहीं। उनके पास 350 सदस्य है और यह एक समुदाय-आधारित क्लब है और क्लब में शामिल होने की प्रतीक्षा सूची स्वयं रोटरी क्लब बर्मिंघम की प्रतीक्षा सूची से मुक़ाबला करती है!

भारत में रोटरेक्ट से मैं बहुत अधिक प्रभावित हूँ, और आपके पास बड़ी संख्या में रोटरेक्ट क्लब है। हमें नहीं पता कि कितने रोटरेक्ट क्लब है। रोटरेक्ट के बारे में आंकड़े जमा करने में रोई अच्छी नहीं है। लेकिन हम जानते है कि इस देश में रोटरी क्लबों द्वारा प्रायोजित हजारों-हज़ार रोटरेक्टर होंगे। भारत में रोटरेक्टरों की प्रभावी परियोजनाओं के लिए मैं उनकी सराहना करता हूँ।

त्रिवेदी: तो रो ई कैसे रोटरेक्ट आंकड़ों एवं गतिविधियों का निरीक्षण करती है?

मलोनी: हम रोटरेक्ट गतिविधियों का निरीक्षण नहीं करते है। यही समस्या है। अध्यक्ष बैरी रेसिन इसे बदलना चाहते है। दुनिया भर में लगभग 200,000 रोटेरियन है। हमें अपने आंकड़े संग्रहण को बेहतर बनाना होगा और रोटरेक्टरों के साथ साझेदारी करनी होगी।

रोटरेक्ट के बारे में आंकड़े जमा करने में रो ई अच्छी काम नहीं कर रही है।

रोटरी के इतिहास में पहली बार हम 60 रोटरेक्टरों को सेन डिएगो में होने वाले 2019 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आने के लिए आमंत्रित कर रहे है।

यह दो-तरफा निमंत्रण है और इसके दो कारण है। पहला, एक स्वार्थी कारण, यह है कि रोटरेक्टर गवर्नर-निर्वाचितों के साथ अपने विचार साझा करें और उन्हें बताए कि युवा व्यावसायिक एवं पेशेवर

रोटरेक्टर्स, RIPE मार्क मलोनी और गे का स्वागत सूरत में करते हुए।
चत्र में DRR क्रिशाल शाह (बाएं) और DRRE चिंतन शाह भी मौजूद हैं।

चलिये युवा नेतृत्वकर्ता लाएं

दर्शकों के एक सवाल का जवाब देते हुये RIPE मलोनी ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि रोटरेक्टरों ने स्थानीय रोटरी क्लबों से किसी विरोध का सामना किया है। यह एक अपवाद हो सकता है पर हमेशा ऐसा नहीं होता। केवल हाल ही के वर्षों में, रोटरी को यह एहसास होना शुरू हो गया है कि हमें युवा व्यावसायिक एवं पेशेवर नेतृत्वकर्ताओं को संस्थान में आकर्षित करने में समस्या हो रही है। हमें बदलते वक्त के साथ बदलना होगा। हम रोटरी में वे चीज़ें करते है जो काफी लंबे समय पहले उचित होती है और इसलिए पारंपरिक बन गए है।

उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल के दौरान वह ''रोटरी नेतृत्व को उन लोगों के लिए सुगम्य बनाएँगे जो अभी भी सक्रिय रूप से उनके व्यवसाय या पेशे में व्यस्त है। मुझे नहीं लगता कि भारत में यह मुद्दा है। लेकिन दुनिया के कई हिस्सों में रोटेरियनों पर मंडल गवर्नर के पद के लिए तब तक विचार नहीं किया जाता जब तक कि वे सेवानिवृत्त ना हो जाए। और यदि नेतृत्व में अधिकतर सेवानिवृत्त लोग होंगे, तो इससे एक मनोदशा बनती है कि रोटरी उम्रदराज लोगों का एक संगठन है। मैं यह नहीं कह रहा कि हमारे पास डीजीयों के रूप में सेवानिवृत्त व्यक्ति नहीं होने चाहिए। बल्कि मैं यह कह रहा हूँ कि हर साल हमारे पास डीजी के रूप में सेवानिवृत्त लोग नहीं होने चाहिए।''

उन्होंने आगे कहा कि उनके मंडल नॉर्थ अलबामा में, 29 वर्ष पहले उनके पास एक डीजी थे जो 34 वर्ष के थे। ''वह मैं था। और सात साल बाद, हमें 42 वर्ष के एक डीजी मिले। वह मेरे कानूनी जोड़ीदार केन शूपर्ट थे। लेकिन जब आप पीछे देखते है, शायद 10 वर्षों में, मेरे मंडल का प्रत्येक डीजी एक सेवानिवृत्त व्यक्ति है। उन्होंने डीजी बनने के लिए उनके सेवानिवृत्त होने का इंतज़ार किया। और हमें एहसास हो चुका है कि युवा लोग जो अपने व्यवसाय या पेशे में सक्रिय रूप से व्यस्त है नेतृत्वकर्ता बन सकते है। हम रोटरी नेतृत्वकर्ताओं से अधिक से अधिक करने के लिए कहते रहते है - अधिक प्रशिक्षण बैठकें, अधिक कार्य, अधिक कर्तव्य। हम जो करते है उसे हमें सरल एवं कारगर बनाना होगा।''

RIPN सुशील गुप्ता कहते है ''हमें रोटरी को सरल बनाना होगा।'' इसे वर्णित करने का यह उनका तरीका है। यहाँ तक कि भारत में, रोटरी क्लब में डीजी का दौरा एक उत्सव होता है। मैं आपको गारंटी देता हूँ, यूएस में यह एक उत्सव नहीं है। यूएस में बहुत से रोटेरियन इसलिए नहीं चाहते कि उनके क्लब में डीजी आए क्योंकि उन्हें डर होता है कि वह कोई उबाऊ भाषण देंगे। एक डीजी के लिए सभी क्लबों का दौरा करना जरूरी नहीं है। यदि हम युवा सदस्यों को आकर्षित करना चाहते है, क्या हम समोचित रूप से उनसे यह उम्मीद कर सकते है कि वह मंडल के 50 क्लबों का दौरा करने के लिए साल में 50 दिन उनका काम ना करे? आपकी डीजी (पिंकी पटेल) बेशक सेवानिवृत्त नहीं है। वह युवा है। ऐसे अपवाद मौजूद है।

उन्होंने आगे कहा, ''हमें ऐसी चीज़ें करनी होगी जिससे युवा पीढ़ी के लिए रोटरी आकर्षक प्रतीत हो।''

नेतृत्वकर्ता समुदाय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानवीय सेवाओं में क्या ढूंढ रहे है।

दूसरा कारण है उन रोटरेक्टरों को एक अवसर प्रदान करना ताकि वे अंतर्राष्ट्रीय संबंध विकसित कर सके और उनके मंडलों में नए विचार ला सके। IA में केवल 60 मंडलों का रोटरेक्ट प्रतिनिधित्व होगा परंतु यह एक शुरुआत है और यह रोटरी एवं रोटरेक्ट के मध्य अधिक साझेदारी को विकसित करने में मदद करेगा।

यह विचार अचानक से दिमाग में आया था। पिछले IA में, अपने थीम सम्बोधन में अध्यक्ष बैरी ने रोटरेक्ट पर एवं उसकी संख्या को दोगुना करने पर ध्यान केन्द्रित किया था। और मेरे सहायक PRID लेरी लेंगफोर्ड ने कहा: 'क्यों ना हम रोटरेक्टरों को अगले वर्ष के सम्मेलन में आमंत्रित करे?' और हफ्ते भर हमने इसपर चर्चा की। सम्मेलन के आखिरी

एक डीजी के लिए सभी क्लबों का दौरा करना जरूरी नहीं है।

RIPE मलोनी और गे के साथ रोटरेक्टर्स।

दिन, सम्मेलन को आयोजित करने वाले स्टाफ ने अध्यक्ष-मनोनीत से अगले वर्ष के सम्मेलन के लिए उनके विचार एवं योजना जानने हेतु मुलाक़ात की। मैंने विचार साझा किया लेकिन मैं थोड़ा बेचैन था क्योंकि इसका अर्थ होता 50-100 अतिरिक्त हवाई टिकट और होटल के कमरे। मैंने सोचा कि कुछ स्टाफ इसे सुनकर अपनी कुर्सियों से गिर पड़ेंगे! लेकिन ऐसा नहीं हुआ। वे बहुत पेशेवर लोग थे, उन्होंने विचार लिख लिए और हमें यह तय करना था कि रोटरेक्ट प्रतिनिधियों को कैसे चुनना है।

60 अंक जादुई अंक है। इसे इसलिए तय किया गया ताकि हमारे सामूहिक चर्चा के दौर में हमारे पास हर समूह में दो रोटरेक्टर हो। इसलिए हम आगे बढ़ रहे है और हम देखेंगे कि भविष्य में क्या होता है और चलिये देखते है कि अध्यक्ष-मनोनीत सुशील (गुप्ता) IA में रोटरेक्टरों के होने के बारे में क्या सोचते है।

त्रिवेदी: रो ई से रोटरेक्टर किन नई पहलों की उम्मीद कर सकते है?

मलोनी: आप रोटरेक्ट की ओर अध्यक्ष बेरी के दृष्टिकोण की निरंतरता को देखेंगे, और एक

मैं समझता हूँ यह भारत में एक समस्या है इस प्रवृत्ति के कारण कि रोटरेक्ट रोटरी का एक कार्यक्रम है।

सुव्यवस्थित विश्लेषण को भी कि कैसे हम रोटरेक्ट के बारे में अपनी जानकारी को बेहतर बना सकते है। इसकी शुरुआत आंकड़े संग्रहण के मुद्दे और रो ई द्वारा रोटरेक्टरों से शुल्क के रूप में एक छोटी राशि लेने से होती है। यदि वे शुल्क चुकाते है, तो उसकी सूचना मिलती है और यह आंकड़े संग्रहण में मदद करती है।

त्रिवेदी: क्लबों में DRR द्वारा किए जाने वाले आधिकारिक दौरों का रोटरेक्ट की हस्तपुस्तिका में कोई ज़िक्र नहीं है। बल्कि वह यह कहती है कि रोटरेक्ट क्लबों को प्रायोजक रोटरी क्लब के अध्यक्ष एवं DRCC को रिपोर्ट करना चाहिए, DRR को रिपोर्ट करने का बिना कोई ज़िक्र किए। तो आपके हिसाब से DRR कैसे रोटरेक्ट क्लबों की गतिविधियों को निरीक्षण कर सकते है और उन्हें अर्थपूर्ण परियोजनाएं करने एवं रोटरी और रोटरेक्ट के लक्ष्यों के प्रति काम करने के लिए प्रेरित कर सकते है?

मलोनी: मैं स्पष्ट रूप से कहूँगा। मैंने कभी रोटरेक्ट की हस्तपुस्तिका को नहीं पढ़ा है, इसलिए मुझे नहीं पता कि उसमें क्या लिखा है। दुनिया के जिस हिस्से से मैं हूँ उसके कारण मेरे इतिहास में रोटरेक्ट के साथ बहुत अधिक जुड़ाव शामिल नहीं है। मैं समझता हूँ यह भारत में एक समस्या है इस प्रवृत्ति के कारण कि रोटरेक्ट रोटरी का एक कार्यक्रम है, इसलिए, उन्हें क्लब अध्यक्ष एवं DRCC को पुनः रिपोर्ट करना पड़ता है। बहुत अधिक मंडलों में DRR नहीं है। मेरे हिसाब से एक DRR होने के लिए आपके पास रोटरेक्ट क्लबों की एक न्यूनतम संख्या होना चाहिए, हस्तपुस्तिका के अनुसार।

बहुत से राज्यों में, DRR नहीं है। और यदि कोई DRR है, तो रोटरेक्ट क्लबों के मध्य बहुत अधिक काम या संपर्क नहीं है और इसका समाधान किया जाना चाहिए।

चित्र: जयश्री

रोटरी क्लब मद्रास साउथ को अपने बाल चिकित्सा परियोजना के लिए मिला एक मसीहा

रशीदा भगत

यह एक अस्पताल का माहौल है; मॉनीटर बीप कर रहे हैं और बिस्तर छोटे छोटे बच्चों से भरे हुए हैं, उनकी छोटी सी छाती पर लिपटी हुई ढेर सारी पट्टियों और बेहद ज़रूरी ऑक्सीजन की वजह से ऊपर नीचे हो रही छाती से साफ़ ज़ाहिर होता है कि ये बच्चे दिल की सर्जरी के बाद ठीक हो रहे हैं । 6 महीने की छोटी रुश्दा एक छोटी सी पोटली की तरह बिस्तर पर लेटी है जो उसके लिए बहुत बड़ा है। इसका ऑपरेशन, बाल शल्य चिकित्सक डॉ प्रशांत शाह ने किया है और वो बहुत खुश नज़र आ रहे हैं।

"जब वो पहली बार हमारे पास आई तो ऑक्सीजन की कमी की वजह से उसे सांस लेने में काफी तकलीफ हो रही थी। डबल आउटलेट आर्टरी की बीमारी और दिल के निचले दो कक्षों में एक बड़ा छेद था, उसका ऑक्सीजन स्तर केवल 50-60 प्रतिशत था, इसलिए हमें उसे तुरंत आपातकालीन सर्जरी के लिए ले जाना पड़ा। आप देख सकते हैं, अब उसका शरीर नीला

डॉ प्रशांत शाह, छोटे इनबा की जांच करते हुए। रोटरी क्लब मद्रास साउथ के अध्यक्ष आर सरवणा चित्र में शामिल हैं।

नहीं है; वह ठीक है,'' ऑपरेशन ठीक होने के बाद डॉक्टर के चेहरे पर संतोष की मुस्कराहट है।

अगले बिस्तर पर इनबा लेटी हुई है, उम्र कुल एक साल और वजन है 6 किलो। चेन्नई में डॉ शाह द्वारा संचालित सूरिया अस्पताल की बाल चिकित्सा सर्जरी इकाई में यह मामला एक चमत्कार ही है। बाल चिकित्सा सम्बन्धी कई जटिलताओं के चलते इनबा के स्वास्थ्य में नाटकीय रूप से हुए सुधार और अब जो हर सांस वो ले रही है उसके लिए डॉ शाह और रोटरी क्लब मद्रास साउथ, मंडल 3232 के सदस्यों को धन्यवाद है, जिन्होंने मकेयरिंग फॉर लिटिल हार्ट्सफ परियोजना की शुरुआत की है।

तमिलनाडु के एक छोटे से गांव में आयोजित एक शिविर में डॉ शाह की टीम ने , इनबा को उसके नीले पड़ गए शरीर से पहचाना, जो स्पष्ट रूप से गंभीर जटिलताओं का सामना कर रही थी। ''कई अस्पतालों ने सर्जरी करने से इंकार कर दिया था क्योंकि यह एक बहुत जटिल सर्जरी थी। और अगर किसी धर्मार्थ अस्पताल ने किया भी होता तो उसे काफी लंबे समय तक अस्पताल में रहने की ज़रुरत पड़ती । और हम जानते थे कि किसी न किसी तरह अगर हम शल्य चिकित्सा कर देते तो भी उसे आईसीयू में 10 से 15 दिनों तक रहना पड़ता, जिसकी वजह से लागत और बढ़ जाती। धन्यवाद है,रोटरी सहायता और तमिलनाडु सरकार का जिन्होंने अपनी मेडिकल इंश्योरेंस योजना के तहत हमें ₹1 लाख दिए।''

इस परियोजना से जुनून की हद तक जुड़े हुए रोटरी क्लब मद्रास साउथ के अध्यक्ष आर सर्वानन बताते हैं कि अभी तक क्लब ने 200 से अधिक बच्चों की सर्जरी में मदद की है और तमिलनाडु की मुख्यमंत्री बीमा योजना के अंतर्गत, बीपीएल परिवार (गरीबी रेखा से नीचे) जिनके पास बीमा कार्ड है, हृदय शल्य चिकित्सा के लिए, जटिलता के आधार पर वे ₹1.22 लाख तक की सहायता के पात्र हैं।

> फोर्ड मोटर्स वे हमारे सहयोगी हैं और सर्जरी में सहायता के लिए उन्होंने ₹2 लाख दिए हैं, जो GG में हमारा योगदान है।
>
> **आर सरवणन**
> अध्यक्ष, रोटरी क्लब मद्रास साउथ

इसकी शुरुआत

वह बताते हैं कि जब वह अपने क्लब के अध्यक्ष (निर्वाचित) चुने गए थे, 73 सदस्यों वाले इस क्लब ने स्वयं के धन से, इस परियोजना को अगस्त 2017 में शुरू किया। हम वैश्विक अनुदान (Global Grant) के लिए जाना चाहते थे, चूंकि हमें इसके बारे में ज़्यादा मालूम नहीं था इसलिए हमने स्वयं के स्रोतों से इस परियोजना को शुरू करने का फैसला किया। पहले चरण में, नवंबर 2017 तक, क्लब ने अपने सदस्यों की सहायता से ₹20 लाख इकट्ठे किये और उन रुपयों से डॉ शाह और उनकी की टीम द्वारा 77 हृदयों की अत्यंत जटिल शल्य चिकित्सा की गई।

जुलाई 2017 में क्लब ने वैश्विक अनुदान के लिए आवेदन किया और अमेरिका में रो ई मंडल 5890 के रोटरी क्लब पासाडेना क्लब में एक साथी क्लब की पहचान की। सर्वानन कहते हैं, इसकी प्रक्रिया बिल्कुल सरल थी; हमने दुनिया भर में विभिन्न रोटरी क्लबों को ई-मेल भेजे। रोटरी क्लब पासाडेना ने सीधे जवाब नहीं दिया था, लेकिन एक क्लब जिस को हमने मेल भेजा, उस ने मेल को विचार हेतु रोटरी क्लब पासाडेना के पास भेजा था। ''हालांकि, हमारा क्लब बहुत लंबे अंतराल के बाद GG (ग्लोबल ग्रांट) कर रहा है, मगर आरसी पासाडेना के लिए यह

अमला अपने बेटे साइरस के साथ।

पहला GG है। अगले वर्ष अपनी शताब्दी मनाने जा रहा यह क्लब बहुत ही समृद्ध है और हम भी अगले वर्ष अपनी हीरक जयंती मनाएंगे। फरवरी 2018 में लगभग ₹56 लाख अनुदान मिला है।''

सर्वानन के जुनून, इन छोटे दिलों को सुधारने के पीछे एक वज़ह है। मार्च 2014 में, इस चार्टर्ड एकाउंटेंट को दिल का दौरा पड़ा था और जांच में पाया गया कि दिल में कई अवरोध थे जिसके लिए उन्हें स्टेंट लगाए गए थे। ''ठीक होने के बाद, जब मैंने वापिस काम पर जाना शुरू किया, तो मेरी मनोदशा अजीबोगरीब थी। ऐसे मौकों पर हमेशा निराशा का सामना करना पड़ता है और आप अपनी मृत्यु के परिणामों पर विचार करने लगते हैं। मुझे दूसरा मौका इसलिए मिला क्योंकि मैं महंगा इलाज करवा सकता था; लेकिन, मैं लगातार खुद से पूछता रहता था कि उन का क्या जो महंगा इलाज नहीं करवा सकते'' वो सोच विचार में डूब जाते हैं।

बच्चों के लिए बाल हृदय शल्य चिकित्सा का अस्पताल शुरू करना और उसे चलाना एक बहुत महंगा काम है, लेकिन जब आप भलाई करना चाहते हैं, तो पैसा कमाना ही एकमात्र उद्देश्य नहीं हो सकता।

डॉ प्रशांत शाह
बाल शल्य चिकित्सक

जीवन रक्षा बनाम लाभ

मैं वापस इनबा और लंबे समय तक उस के आईसीयू में रहने पर लौटता हूं और सच तो यह है कि उसे एक सप्ताह और वहां रहना होगा, एक और सर्जरी की आवश्यकता होगी, मैंने डॉ शाह से पूछा कि क्या वह इसका खर्चा भी निकाल पाएंगे। नहीं, ''हम नहीं निकाल पाएंगे, लेकिन हमारा लक्ष्य, पहले लाभ हानि के बारे में सोचना नहीं है, और यही कारण है कि हम एक अंतरराष्ट्रीय बाजार जैसे इराक में अपनी साख बना रहे हैं (देखें बॉक्स)। आम तौर पर जब लोग बढ़िया आधारभूत सुविधाओं के साथ बड़े अस्पताल बनाते हैं, तो मुनाफ़े के बारे में पहले सोचते हैं। लेकिन यहां हमारा उद्देश्य मुनाफ़ा कमाना नहीं है।''

अब हम अगले वार्ड में चलते हैं जहां बच्चों को सर्जरी के बाद रखा जाता है। यहां माँ की बाहों में बच्चे रो रहे हैं लेकिन इसके बावजूद यहां चारों तरफ खुशी का माहौल है .. पूरे वार्ड को रंगीन गुब्बारों, डोनाल्ड बतख और इसी तरह के सामान से सजा रखा है।

सूरिया अस्पताल में, डॉ शाह बताते हैं कि इलाज के तीन स्तर हैं ; जहां सर्जरी की लागत

एक मां जो खुशी से पागल हो गई

तीन साल के साइरस की कहानी दिलचस्प है। उसकी मां अमाला ने बताया की ''जब बच्चा पैदा हुआ, तीन दिन तक अस्पताल के कर्मचारियों ने मुझे कुछ नहीं बताया था। क्यों कि चौथे दिन उसे बुखार आ गया और सांस अटक रही थी, उन्होंने रक्त परीक्षण किया।'' कुछ दिनों तक बच्चे को इनक्यूबेटर में रखने के बाद बताया गया कि उसे पीलिया था, माता-पिता को बच्चे को चेन्नई में बाल स्वास्थ्य संस्थान ले जाने के लिए कहा गया। ''वहां उन्होंने मेरे बच्चे को चार दिनों तक रखा और कहा कि उसके दिल में एक छेद है, वे इतने छोटे बच्चे का ऑपरेशन नहीं कर सकते।''

इसलिए जब वह बड़ा हो जाए तो अमाला का कहना है कि जैसे जैसे बच्चे की हालत गिरती गई वो अपने आंसू नहीं रोक पा रही थी, हम उसे एक अन्य निजी अस्पताल ले गए जहां डॉक्टर का व्यवहार बहुत कठोर था। उन्होंने कहा कि क्यों समय बर्बाद कर रहे हो, उसे घर ले जाओ, मैं लिखित गारंटी दे सकता हूं कि वह 45 दिन भी नहीं जीएगा; क्यों लाये हो उसे?''

फिर एक गैर सरकारी संगठन ने उसे डॉ शाह के पास भेजा, ''जिन्होंने मुझे सांत्वना दी कि डरो मत। इसे कुछ भी नहीं होगा। मुझे कुछ ऑपरेशन करने पड़ सकते है, लेकिन वह ठीक हो जाएगा।''

बच्चे की हालत के बारे में बताते हुए, डॉ शाह कहते हैं, ''बच्चे में फेफड़े की धमनी ही नहीं थी, इसलिए हमें इसकी संरचना करनी थी। दिल में रक्त की आपूर्ति करने वाली कई छोटी छोटी नसें थीं जिसकी वजह से वो जीवित था।'' उन्होंने सोचा कि वह बच्चे को कुछ समय देने के बाद और 6 से 8 महीने के बाद सर्जरी करेंगे। सर्जरी आठ महीने या उसके बाद निर्धारित की गई, ''लेकिन छठे महीने तक वह और भी नीला पड़ गया, इसलिए हमने जुलाई 2017 में शंट सर्जरी की, और इस बार पूरी फुफ्फुसीय धमनी (ट्रिपोपरी रीशी) की संरचना कर दी।''

शुरू में अमाला को बताया गया था कि साइरस को पांच ऑपरेशन की आवश्यकता पड़ सकती है, ''लेकिन दूसरे के बाद, जब डॉ शाह ने मुझे बताया कि और अधिक ऑपरेशन की आवश्यकता नहीं है तो मैं खुशी से पागल हो गई और मेरे पति ने (जो चेन्नई में एक ऑटो शोरूम में काम करता है) मुझे होश में आने के लिए कहा! मेरे लिए भगवान के बाद, प्रशांत सर हैं!''

डॉ शाह कहते हैं, ''पहले मैंने सोचा था कि उसे पांच ऑपरेशन की आवश्यकता होगी क्योंकि उसकी शारीरिक रचना ही ऐसी थी, लेकिन हमने एक मौका लिया, और उसके बाद भगवान ने मदद की।''

₹1.25 लाख है, तमिलनाडु सरकार सर्जरी के लिए ₹82,000 का भुगतान करती है और बाकी रुपये रोटरी क्लब मद्रास साउथ देता है। अधिक जटिल मामलों में लागत ₹1.5 लाख बैठती है; बीमा योजना के तहत सरकार 1 लाख रुपये देती है, रोटेरियन ₹25,000 और बाकी ₹25,000 एक अन्य ट्रस्ट देता है। अत्यधिक जटिल ऑपरेशन के लिए उच्चतम पैकेज ₹1.72 लाख का है; यहां सरकार ₹1.22 लाख देती है और क्लब ₹50,000 का योगदान करता है।

सर्वानन बताते हैं कि क्लब ने अपने बोर्ड में फोर्ड मोटर्स को सम्मिलित किया है जो अपने सीएसआर फंड से सर्जरी की लागत का एक हिस्सा देता है। उन्होंने कहा, ''वे हमारे सहयोगी हैं और सर्जरी में सहायता के लिए उन्होंने ₹2 लाख दिए हैं, जो GG में हमारा योगदान है।''

बीमारी

नियमित रूप से, डॉ शाह की टीम जरूरतमंद बच्चों की पहचान के लिए तमिलनाडु के ग्रामीण इलाकों में शिविर आयोजित करती है। सर्जन बताते हैं कि दिल की बीमारी और जटिलताओं के साथ पैदा होने वाले अधिकांश बच्चों को निदान और उपचार चेन्नई में तो शीघ्र मिल जाता है लेकिन ग्रामीण इलाकों में ऐसा नहीं है, इसलिए उनकी टीम शिविरों के माध्यम से गांवों में पहुँचती है और हृदय संबंधी जटिलताओं वाले बच्चों की पहचान करती है। ''जिनके पास सरकारी बीमा कार्ड होता है, उन्हें सर्जरी में वरीयता दी जाती है।''

इसके अलावा, इस दक्षिणी राज्य में, जहां स्वास्थ्य सेवा तुलनात्मक रूप से बेहतर हैं, वहां एक केंद्रीय रजिस्ट्री है जहां जन्मजात दोष के साथ पैदा होने वाले बच्चों के आंकड़े (डेटा) संग्रहीत किया जाता है। इन आंकड़ों की जांच करने के बाद, डॉ शाह एक ऐसी जगह चुनते हैं जहां कई बच्चों को ऐसी हृदय की समस्याएं होती हैं और वहां चिकित्सा शिविर लगाते हैं। इसके बाद उनकी 15 सदस्यीय टीम से कुछ सदस्य जाते हैं और स्थानीय गैर सरकारी संगठनों के साथ मिल कर उन बच्चों की पहचान करते हैं जिन्हें

मुझे दूसरा मौका इसलिए मिला क्योंकि मैं महंगा इलाज करवा सकता था; लेकिन, मैं लगातार खुद से पूछता रहता था कि उन का क्या जो महंगा इलाज नहीं करवा सकते।

आर सरवणन
अध्यक्ष, रोटरी क्लब मद्रास साउथ

डॉ प्रशांत शाह।

इलाज़ की तत्काल ज़रुरत है। अब रोटरी भी उनका सहयोगी है, क्लब ग्रामीण इलाकों में इस शिविर के बारे में जागरूकता फैलाता है।

जब उनकी टीम शल्य चिकित्सा के लिए एक रोगी को चिन्हित कर लेती हैं तो उस रोगी बच्चे की तस्वीर, उसकी पारिवारिक पृष्ठभूमि और सरकारी बीमा कवर के विवरण सहित सभी चिकित्सा सम्बन्धी विवरणों के साथ हमारे पास मेल भेजते हैं। क्लब अध्यक्ष कहते हैं, ''इस परियोजना के लिए हमने क्लब में एक टीम बनाई है; टीम की मंजूरी मिलने के बाद, डॉक्टर को आगे बढ़ने के लिए कहा जाता है।''

दुनिया भर में, 1000 जन्मे जीवित बच्चों में जन्मजात हृदय रोग के 8 से 9 मामले होते हैं , जो कुल मिला कर बड़ी संख्या होती है। डॉ शाह का कहना है कि जन्मजात हृदय रोग और उसकी वजह से होने वाली मृत्यु दर के कारण भारत की आईएमआर (शिशु मृत्यु दर) ''44 प्रति हज़ार से नीचे नहीं आ रही है। हमारे यहां सरकारी अस्पतालों बहुत हैं, जिनमें बच्चों के लिए विशेष अस्पताल भी शामिल हैं, लेकिन हम विभिन्न कारणों से कई बच्चों को कार्डियक सर्जरी प्रदान नहीं कर पा रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''बच्चों के लिए बाल हृदय शल्य चिकित्सा का अस्पताल शुरू करना और उसे चलाना एक बहुत महंगा काम है, लेकिन जब आप भलाई करना चाहते हैं, तो पैसा कमाना ही एकमात्र उद्देश्य नहीं हो सकता।''

बच्चों के दिल के जन्मजात दोषों पर डॉ शाह का कहना था कि ये मुख्य रूप से नीले बच्चे से संबंधित हैं जिसका मतलब है कि हृदय सम्बंधित कोई ना कोई समस्या है जो ऑक्सीजन की आपूर्ति को बाधित करती है और बच्चा नीला पड़ जाता है। इसके अलावा दिल के कक्षों और वाल्व में दोष होते हैं, जैसे ''संकुचन, रिसना, और कुछ मामलों में एक बच्चे में कई तरह के दोष होते हैं। यदि किसी बच्चे में जन्म के समय बहुत कम ऑक्सीजन होती है जिसकी वजह से वो बहुत नीला है, तो हमें एक महीने के भीतर ऑपरेशन करना पड़ता है अन्यथा इसका जीवन खतरे में पड़ जाएगा और नवजात शिशुओं की सर्जरी बहुत जटिल है। इसके बावजूद वह जटिल सर्जिकल मामले लेते हैं, हमारे अस्पताल में मृत्यु दर एक प्रतिशत से भी कम है।'' उन्होंने आगे कहा ''और हमने रोटरी की

मदद से जितने भी ऑपरेशन किये हैं, एक बच्चे की भी मृत्यु नहीं हुई है।''

जाहिर है यह बहुत मेहनत का काम है, और तमिलनाडु सरकार की सहायता, रोटरी और अन्य ट्रस्ट जो उनके काम का समर्थन करते हैं, इन सब की भागीदारी और सहायता बहुत आवश्यक है।

इतने कम पैसे में इतना अधिक श्रम; इस की प्रेरणा किस से मिली, मैंने कुरेदा।

डॉ प्रशांत, कुछ समय पहले जिन बच्चों का चिकित्सा किया गया उनकी जांच करते हुए।

हृदय रोग वाले इराकी बच्चों की मदद

चेन्नई के सूरिया अस्पताल में कार्डियाक सर्जन डॉ प्रशांत शाह की अध्यक्षता में बाल चिकित्सा सर्जरी इकाई तरफ जाते हुए, आप प्रशासनिक तल पर कमरों में ठूंसे हुए गत्ते के डिब्बों के ढेर पर ध्यान दिए बिना नहीं रह सकते। ''मैं इसके लिए क्षमा चाहता हूं, लेकिन मैं तीन दिन बाद इराक के करबला में 25 से 30 बच्चों के दिल की सर्जरी करने वाली एक टीम का नेतृत्व कर रहा हूं,'' डॉ शाह मुस्कुराते हैं।

उन्होंने बताया कि वह ऑपरेशन करने मॉरीशस भी जाते हैं और इराक में उनकी यह चौथी यात्रा है, वहां भी बच्चों को, जैसी भारत में होती हैं उसी तरह की हृदय रोग की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। प्रत्येक यात्रा पर उनकी टीम 25 से 30 बच्चों का ऑपरेशन करती है; ''वहां इसी तरह की बीमारी वाले बच्चे काफी संख्या में है। हमने करबला में 10 दिन के दौरान 30 सर्जरी की योजना बनाई है। इन सभी बक्सों में नवीनतम उपकरण हैं जो हम करबला ले जा रहे है।''

सर्वानन टिप्पणी करते हैं,वे इराक को प्रौद्योगिकी का निर्यात कर रहे हैं, ।

पर मैं कहता हूं, असल में वे इराक को मानवता का निर्यात कर रहे हैं!

डॉ शाह मुस्कुराते हुए कहते हैं, ''जब भी हम इराक में ये मेडिकल मिशन करते हैं, तो हम अपने सभी सन्देश, संचार और लेबलों में स्पष्टतः कहते हैं कि इराक के लिए यह एक भारतीय मिशन है, न कि डॉ शाह का मिशन।''

''इसका विचार उनको तब आया जब वह इराक में एक दोस्त से मिलने गए थे जो एक मेडिकल टूरिज्म कंपनी चलाता है, जिसने बताया कि चिकित्सा उपचार और शल्य चिकित्सा के लिए इराक से भारत में बहुत से मरीज़ जाते थे। लेकिन वहां भी बहुत से ऐसे लोग थे जो भारत यात्रा का खर्च वहन नहीं कर सकते थे। मैंने उससे कहा, मैं आकर वहां की व्यवस्थाऐं और सुविधाएं देखूँगा। इमाम जैन उल आबिदीन ट्रस्ट द्वारा संचालित अस्पताल में बढ़िया सेट-अप और आधुनिक सुविधाएँ देख कर मैं आश्चर्यचकित रह गया। इस तरह का सेट-अप मैंने चेन्नई में भी नहीं देखा था।''

अपनी पिछली तीन यात्राओं के दौरान उन्होंने 62 बच्चों की सर्जरी की है। इसमें इस्तेमाल की जाने वाली सभी चीजों और उपकरणों का भुगतान इराक ट्रस्ट द्वारा किया जाता है, यद्यपि भारत के बच्चों में भी ऐसी ही समस्याएँ देखने को मिलती हैं जैसी इराक में, लेकिन दु:ख की बात ये है कि वहां बच्चे में जन्मजात दोष भी दिखाई देते हैं क्योंकि गर्भावस्था के दौरान मां बारूद खा लेती है।

यद्यपि भारत के बच्चों में भी ऐसी ही समस्याएँ देखने को मिलती हैं जैसी इराक में, लेकिन दु:ख की बात ये है कि वहां बच्चे में जन्मजात दोष भी दिखाई देते हैं क्योंकि गर्भावस्था के दौरान मां बारूद खा लेती है।

इराक में जहां लगातार हिंसा हो रही है, क्या आप वहाँ सुरक्षित महसूस करते हैं, डॉ शाह कहते हैं: ''बहुत सुरक्षित; रात में भी महिलाएं बिना डर के स्वतंत्र घूम सकती हैं। यही करबाला की ख़ूबसूरती है।''

आप एक गुजराती और पूर्ण शाकाहारी हैं और जिसे ग्लूटन मुक्त भोजन की ज़रूरत है, आप उसका प्रबंध कैसे करते हैं? वह मुस्कुराते हैं और कहते हैं, ''मेरा पूरा ध्यान केवल बच्चों के ऑपरेशन पर रहता है। हम अस्पताल के पास ही रहते हैं और हमारा कार्यक्रम व्यस्त होता है; सुबह 8 बजे शुरू करके रात 9 बजे समाप्त करते हैं।यहां से अपने साथ *पोडी* (मसाला) ले जाता हूँ और वहां उनसे केवल चावल और दही लेता हूं और पोडी के साथ मिलाकर खाता हूं। जब आप बहुत अधिक काम कर रहे हों तो स्वाद रहित आहार लेना बेहतर होता है! और ज्यादातर समय मैं आईसीयू में ही रहता हूं!''

थोड़े बहुत बचे खाली समय में वो वह पवित्र स्थान इमाम हुसैन के परिसर में जाते हैं; उन्होंने कहा, ''इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ता कि आप किस धर्म से हैं। वहां बहुत शान्ति मिलती है।''

जवाब में डॉ शाह मुस्कुराते हुए कहते हैं, ''जब से मैंने हृदय शल्य चिकित्सा ली तभी से यह मेरा जुनून बन गया और उस मोड़ पर मुझे यह तय करना था कि मैं बच्चों का विशेषज्ञ बनूँ या बड़ों का। हृदय शल्य चिकित्सा की ख़ूबसूरती यह है कि हर मामला दिलचस्प और चुनौती से भरा होता है और एक सर्जन के रूप में मुझे चुनौती पूर्ण मामले ज़्यादा पसंद हैं। मुझे यकीन था कि अगर मेरी नीयत साफ़ है तो भगवान मेरे साथ रहेंगे और मुझे मदद मिलेगी और हुआ भी यही!''

मैंने उनसे पूछा, यहां बच्चों का उपचार तो कम कीमत पर हो जाता है,लेकिन माता-पिता, वे तो अत्यंत गरीब होते हैं, दूर दराज़ के गांव से आते हैं, यहां तक कि कम से कम लागत वाले आवास ढूंढना अपने आप में एक चुनौती होती होगी, वे अपनी व्यवस्था कैसे करते हैं। एक मुस्कुराहट के साथ सर्वानन जवाब देते हैं : ''अंदर आते हुए जब हम आईसीयू और वार्ड की तरफ़ जारहे थे, तो गलियारे में बैठे हुए लोगों को देखा होगा। वहां वार्ड में मां बच्चे के साथ रहती है और पिता व अन्य रिश्तेदारों को गलियारों में या अस्पताल के किसी भी कोने में रहने की इजाजत दी जाती है, बशर्ते वे किसी को परेशान न करें। कितने निजी अस्पताल इसकी अनुमति देंगे?''

एक बाल रोगी को क्लब अध्यक्ष सरवणन दिवाली का तौफा देते हुए।

डॉ शाह कहते हैं, ''ओह हाँ, अपने रहने के लिए उन्हें कोई पैसा खर्च नहीं करना पड़ता, केवल भोजन की व्यवस्था करनी पड़ती है।'' और उन्हें अस्पताल के भीतर कहीं भी सोने में कोई आपत्ति नहीं हैं। उनकी पहली प्राथमिकता उनके बच्चे का इलाज़ है; और वे खुशी खुशी 10-15 दिनों की असुविधा सह लेते हैं।

कुल मिलाकर, 2009 में डॉ शाह ने बच्चों की सर्जरी करना शुरू किया था, विदेशों सहित विभिन्न अस्पतालों में उन्होंने 4,500 सर्जरी की है, और ''हम सभी बच्चों पर निगरानी रखते हैं। ऑपरेशन होने के बाद हम ये नहीं सोचते कि हमारा काम खत्म हो गया है; इनमें से कुछ बच्चों ने कॉलेज शिक्षा पूरी कर ली है और उन में से कुछ को हम नौकरी पर रखने की योजना बना रहे हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि जन्मजात हृदय रोग में कैसी कैसी तकलीफों से गुजरना पड़ता है और फिर उनके आस पास के क्षेत्रों में वे ऐसे मामलों की पहचान करने में हमारी सहायता कर सकेंगे।''

चित्र: रशीदा भगत

एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

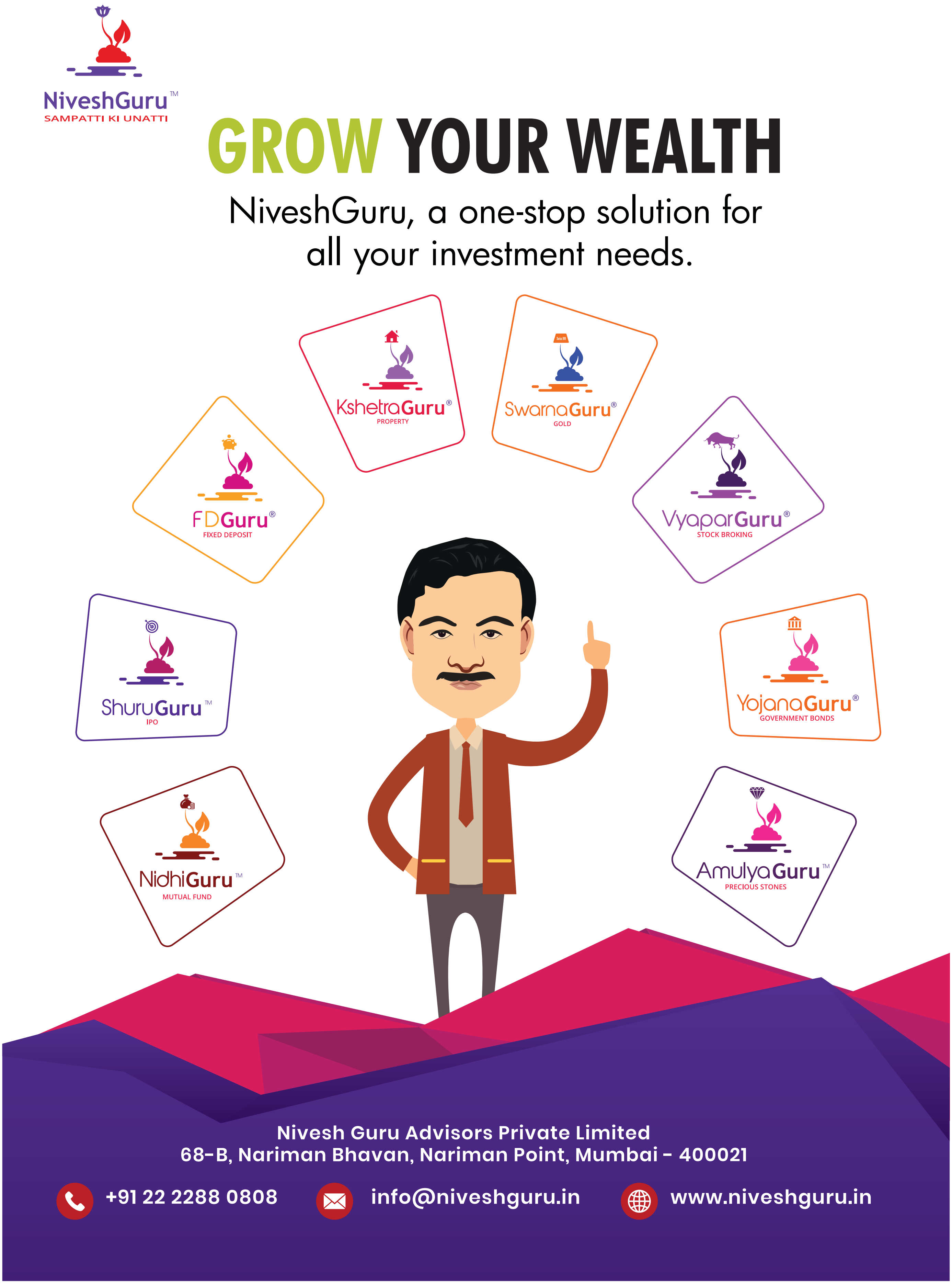
NiveshGuru™
SAMPATTI KI UNATTI
GROW YOUR WEALTH
NiveshGuru, a one-stop solution for all your investment needs.
KshetraGuru®
PROPERTY
SwarnaGuru®
GOLD
FDGuru®
FIXED DEPOSIT
VyaparGuru®
STOCK BROKING
ShuruGuru™
IPO
YojanaGuru®
GOVERNMENT BONDS
NidhiGuru™
MUTUAL FUND
AmulyaGuru™
PRECIOUS STONES
Nivesh Guru Advisors Private Limited
68-B, Nariman Bhavan, Nariman Point, Mumbai - 400021
+91 22 2288 0808
info@niveshguru.in
www.niveshguru.in

मुंबई - में मानवता के लिए एक दौड़

मानवता के लिए दौड़.

मंडल 3141 और 3142 से 10,000 से अधिक रोटेरियन और उनके परिवार के सदस्य महालक्ष्मी रेस कोर्स, मुंबई में मानवता के लिए दौड़.(आरएफएच) कार्यक्रम को देखने के लिए आएं। मुंबई के सात रोटरी क्लबों, रोटरी क्लब बॉम्बे और नरीमन प्वाइंट के नेतृत्व में, रॉयल वेस्टर्न इंडिया टर्फ क्लब में घुड़दौड़. प्रायोजित किया गया। वर्ष 2014 से, आरएफएच रोटरी क्लब बॉम्बे का एक लोकप्रिय वार्षिक फंडराइजर कार्यक्रम है। इस वर्ष प्रत्येक क्लब ने कार्यक्रम में भाग लेने के लिए टीआरएफ को 50,000 डॉलर का योगदान दिया।

आरआईपीई मार्क मलोनी और गे, पीआरआईपी राजेंद्र साबू, आरआईपीएन सुशील गुप्ता, आरआईडीईएस भरत पंड्या और कमल संघवी, टीआरएफ ट्रस्टी गुलाम वहनवती, पीआरआईडी अशोक महाजन और डीजीएस शशि शर्मा और एशेज गांगुली इस महत्पूर्ण कार्यक्रम में उपस्थित थे।

घुड़दौड़ के अतिरिक्त, यह स्थान बच्चों के लिए एक कबाडी बाजार, फैशन शो, लाइव संगीत परफॉर्मेंस, भोजनालय और टैलेंट की खोज वाले प्रतियोगिता के आयोजन से गुलजार था।

सात प्रीमियम दौड़ के लिए कपो का प्रयोजन बॉम्बे के रोटरी क्लब, नरीमन प्वाइंट, बॉम्बे पियर, बॉम्बे नॉर्थ, मुंबई क्वीनस नेकेलस, हिरणंदानी एस्टेट, सीकोस्ट और ठाणे लेक सिटी शहर द्वारा किया गया था।

रोटरी क्लब बॉम्बे के अध्यक्ष विजय जाटिया ने कहा, ''हम यह देखने को उत्सुक हैं कि वर्षो में हमारी प्रमुख कार्यक्रम ने कैसे उन्नति की है। रोटरी सेवा में 90 वर्षो की अपनी विशेषज्ञता को प्रदर्शित करते हुए हर बार इसे उच्चतम स्तर पर ले जाने की आशा करते हैं।''

इंटरसिटी फोरम

दौड़ के बाद, आरआईपीई मलोनी, मुख्य अतिथि के साथ एक इंटरसिटी फोरम (आईसीएफ) आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में अन्य गणमान्य व्यक्तियों में ट्रस्टी वहनवती, आरआईडीई पांड्य, पीआरआईपी साबू और पीआरआईडी महाजन, डीजी शशि शर्मा और एशेज गांगुली के अलावा, भूतपूर्व और आगामी गवर्नर, क्लब के अध्यक्ष और 3141 और 3142 मंडलों के रोटेरियन शामिल थे।

दौड़ में रोटेरियन, रोटारेक्टरों और इनर व्हील सदस्यों द्वारा दिखाए गए उत्साह और जोश की प्रशंसा करते हुए, और दोनों मंडलों के बीच समन्वय से प्रभावित, मलोनी ने कहा, ''हमारे पास अलबामा में दो रोटरी मंडल हैं - एक उत्तर में, जहाँ से मैं आया हूँ, और दूसरा दक्षिण में। लेकिन हम प्रत्येक अलग तरीके से कार्य करते हैं, अलग पद्धति अपनाते हैं। हमारे परंपराएं भी अलग-अलग हैं।''

सदस्यता वृद्धि के मसले पर संकेत करते हुए उन्होंने बताया की वैश्विक सदस्यता के 30 प्रतिशत से अधिक के साथ एशिया में सबसे अधिक संख्या में रोटेरियन है। भारत की तुलना में संसार के किसी भी देश में अधिक युवा लोग नहीं हैं। इस देश की आधी आबादी 25 वर्ष से कम आयु के लोगों की है, और ''आगे के वर्षो में आपका कार्य सदस्यों को आकर्षित करने और उन्हें शामिल करने के लिए रणनीतिक दृष्टिकोण अपनाना होगा।'' उन्होंने रोटेरियन से युवा पीढ़ी को इस तरह से प्रोत्साहित करने का अनुरोध किया कि ''एक दिन ये युवा नेता खडे हो सकते हैं जहाँ आज मैं भविष्य में रोटरी नेता के रूप में हूँ।''

CoL 2016 के साथ, सदस्यता वृद्धि के नियमों में ढील देने से, अब रोटारेक्टरों के लिए रोटेरियन बनना और नए क्लबों को चार्टर करना और स्थापित करना आसान हो गया है। ''पहले की तुलना में कहीं अधिक, अब आप लचीलेपन को शामिल करने और नए नेताओं से विचारों के सुनने के नए तरीकों को लागू कर सकते हैं। हमें अपने मौजूदा सदस्यों को सक्रिय रूप से जोड़ने के लिए भी कार्य करना चाहिए।''

मलोनी ने टीआरएफ ट्रस्टी द्वारा वर्ष के लिए निर्धारित प्राथमिकताओं को सूचीबद्ध किया। जब तक संसार के बच्चों के लिए रोटरी का वादा पूरा नहीं हो जाता है, तब तक पोलियो का उन्मूलन रोटरी की सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है। ''वर्ष 2017 के अटलांटा सम्मलेन में घोषित हमारी पोलियो उन्मूलन पहल के लिए बिल और मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन द्वारा उनकी जबर्दस्त प्रतिबद्धता के लिए धन्यवाद, जिससे पोलियो के लिए वार्षिक निधि एकत्र करने का लक्ष्य तीन रोटरी वर्षो के लिए 50 मिलियन डॉलर प्रति वर्ष हो गया है, और इसे गेट्स फाउंडेशन द्वारा 2:1 में मैचिंग ग्रांट दिया जाएगा।''

प्रत्येक मंडल को अपने मंडल के नामित निधि (डीडीएफ) का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना द्वितीयक प्राथमिकता थी। उन्होंने आगे कहा, ''रोटेरियन बचत खाते में जमा करने के लिए फाउंडेशन में योगदान नहीं देते हैं। उन्होंने संसार में लोगों की भलाई के कार्यों को करने के लिए ऐसा किया। अब आपके मंडल में शेष राशि की समीक्षा करने और आने वाले वर्ष में आप इन फंडों का उपयोग कैसे कर सकते हैं, इसकी योजना बनाने का समय है।''

फाउंडेशन के संसाधनों को मजबूत करना तीसरी प्राथमिकता थी। उन्होंने आगे कहा, ''हमें वार्षिक निधि में अपना योगदान बढाने और वर्ष 2025 तक एंडॉवमेंट फंड को 2.025 बिलियन डॉलर तक बढाने

रोटेरियन बचत खाते में जमा करने के लिए फाउंडेशन में योगदान नहीं देते हैं। उन्होंने संसार में लोगों की भलाई के कार्यों को करने के लिए ऐसा किया।

RIPE मार्क मलोनी

इंटर सिटी फोरम में DP शशि शर्मा, RIPE मार्क मलोनी और गे को स्मृति चिह्न देते हुए। चित्र में PRIP राजेन्द्र साबू, TRF ट्रस्टी गुलाम वाहनवटी, PDG मोहन चंद्रवरकर, मंडल 3142 के डीजी एशेस गांगूली और PRID अशोक वहाजन शामिल हैं।

की आवश्यकता है। इन सभी तीन प्राथमिकताओं को पूरा कर हम एक सशक्त फाउंडेशन और मजबूत रोटरी का निर्माण कर सकते हैं।''

रोटरी के भविष्य के बारे में बोलते हुए पीआरआईपी राजेंद्र साबू ने कहा, ''मैं देख सकता हूँ कि रोटरी एक अद्वितीय संगठन बना रहेगा जिसकी आधारशिला उच्च नैतिक मूल्यों पर टिकी होगी। टीआरएफ संसार में लोगों की भलाई का कार्य करने वाली प्रमुख एजेंसी होगी, लेकिन हमें विशेष रूप से अपने देश में उच्चतम स्तर का कार्य निष्पादन सुनिश्चित करना होगा,'' उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा।

संसार में लोगों के जीवन की गुणवत्ता बेहतर होगी, और कैंसर और AIDS जैसी बीमारियों पर विजय प्राप्त की जाएगी, लेकिन रोटरी को प्राकृतिक आपदाओं का प्रबंधन करने के लिए एक अत्यधिक कुशल टीम के साथ मिलकर कार्य करना होगा, जिससे राहत और पुनर्वास दोनों कार्यों को एकसाथ निष्पादित किया जा सके। उन्होंने एक ऐसे रोटरी का सपना देखा हैं जिसमें बडी संख्या में युवा लोग शामिल होंगे। जीवन की प्रत्याशा में वृद्धि होने के उम्मीद के साथ, अधिक से अधिक सेवानिवृत्त लोग संगठन से जुड़ सकते हैं, लेकिन ''हमें सेवानिवृत्त लोगों के एक संगठन के रूप में समझे जाने की धारणा के बारे में स्पष्ट करना चाहिए। सामान्य रूप से कल्याणकारी कार्यों के साथ हमारा एक स्वस्थ, सामंजस्यपूर्ण, सार्थक सहयोग जारी रहेगा,'' साबू ने कहा।

RIPE मार्क मलोनी और गे वॉकहार्ट हॉस्पिटल्स में (बाएं से) TRF ट्रस्ट गुलाम वाहनवटी, हॉस्पिटल के चैयरमेन हैबिल खोराकीवाल, PRID अशोक महाजन और DG शशि शर्मा के साथ।

डीजी शर्मा ने आईसीएफ के प्रतिनिधियों का स्वागत किया और पीआरआईडी महाजन ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

लिटिल हर्ट्स की सफलता

आरआईपीई मलोनी और गे, पीआरआईडी महाजन और ट्रस्टी वहनवती के साथ, वॉकहार्ट अस्पताल का दौरा किया जहाँ रोटरी लिटिल हार्ट्स प्रोग्राम के अंतर्गत बच्चों के लिए हार्ट सर्जरी को प्रायोजित किया जाता है। मंडल 3141 की एकेएस टीम द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम के माध्यम से मंडल में हार्ट सर्जरी की सफलता का उत्सव मनाया गया। डीजी शर्मा और भूतपूर्व और आने वाले गर्वनर समेत मंडल के अन्य नेता भी इस अवसर पर उपस्थित थे। लाभार्थी बच्चों के कुछ माता-पिता ने रोटरी के सहयोग से पहले के दुखों के बारे में बताया, और कहा कि रोटरी कि मदद ने उन्हें चुनौती से निपटने में किस तरह से मदद की है। अस्पताल के अध्यक्ष और रोटेरियन हबील खोराकीवाला ने परियोजना के लिए वॉकहार्ट टीम द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा, ''आखिरकार, हमारे द्वारा उपचार किए गए इन बच्चों को खुश देखने का आनंद किसी अन्य खुशी की तुलना में तुक्ष्य है।''

डॉ मनीष मोटवानी, एकेएस के मुख्य समन्वयक - ने कहा कि वर्ष की शुरुआत में मंडल ने 7 मिलियन डॉलर एकत्र करने और 25 नए एकेएस दाताओं को शामिल करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया था। अब तक सात नए एकेएस सदस्यों को शामिल किया गया है। मंडल के 23 एके सदस्यों में से 12 सदस्यों ने कार्यक्रम में भाग लिया। ■

RIPE मार्क मलोनी और गे मुंबई में रेस फॉर ह्युमैनिटी में। चित्र में कार्यकर्म के समन्वयक संदीप अग्रवाल (बाएं), DGE हरजीत सिंह तलवार और रोमी भी शामिल हैं।

टीआरएफ न्यासी अध्यक्ष का संदेश

हमारे फाउंडेशन के लिए बड़ी भागीदारी

मैं इस बात पर शर्त लगा सकता हूँ कि अधिकांश रोटेरियन उस व्यक्ति को याद करते हैं जो उन्हें अपने रोटरी क्लब में प्रायोजित करता है। यह एक ऐसा व्यक्ति है जिसे हम कभी नहीं भूल सकते हैं और जीवन को बदल देने वाले ऐसे अवसर को साझा करने के लिए हम जिसके प्रति सदैव आभारी रहेंगे। यह कहने के बाद, मुझे वास्तव में यकीन नहीं होता है कि हम में से अधिकांश लोग वास्तव में यह तय कर सकते हैं कि हमारी फाउंडेशन हमारे लिए इतना महत्वपूर्ण क्यों बन गई। यह किसी भी बैठक में आपको आमंत्रित करने के समान बहुत आसान नहीं है। लेकिन मुझे प्रतीत होता है कि कुछ मौलिक कार्यक्रम, परियोजना, या कार्य हो रहा है - चाहे आपके क्लब या मंडल में, या फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर - जो आपके लिए उस प्रकाश को आलोकित करता है।

वर्ष 1905 से, रोटरी क्लब ने निर्गम द्वार उपलब्ध कराया है जो रोटेरियन को अपने समुदायों में विभिन्न प्रकार के कार्यों को करने की अनुमति देता है। हमारे अपने स्थानीय क्लब में रहते हैं, काम करते हैं, और जीवन भर के लिए मित्र बनाते हैं, और यही वह स्थान हैं जहाँ हम सबसे प्रत्यक्ष और दिखाई देने वाला प्रभाव डालते हैं और जिसे घर के नाम से संबोधित करते हैं। मैं दृढ़ता से मानता हूँ कि जब अधिकांश रोटेरियन ''रोटरी इंटरनेशनल'' सुनते हैं, तो वे अपने रोटरी क्लब के बारे में सोचते हैं।

दूसरी तरफ, जब रोटेरियन ''द रोटरी फाउंडेशन'' का नाम सुनते हैं, तो वे अनेकों मानवतावादी और शैक्षणिक परियोजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में सोचते हैं जिन्होंने फाउंडेशन को आज विश्व में प्रमुख फाउंडेशन के रूप में स्थापित किया है। यह वास्तव में ऐसा जादू है जो रोटरी को उनके जीवन में लाता है, उनके समुदाय को ही उनकी दुनिया बनाता है, और उन्हें कार्य करने वाले वैश्विक नागरिक में रूपांतरित करता है।

जैसे-जैसे हम नया कैलेंडर वर्ष की ओर बढ़ते हैं और उन असंख्य बातों के बारे में सोचते हैं जिन्हें हम करना चाहते हैं, हम में से अनेक लोग नव वर्ष के लिए अनेकों संकल्प करते हैं। मुझे आशा है कि आप सभी रोटरी फाउंडेशन अपनी बड़ी भागीदारी और सहभागिता सुनिश्चित करेंगे। आइए हम में प्रत्येक फाउंडेशन को अपना पसंदीदा दान संस्था बनाएं। अगर हम ऐसा करते हैं, तो हम इस रोटरी वर्ष को हमारे अविश्वसनीय इतिहास में सर्वश्रेष्ठ बना सकते हैं। कृपया मुझसे जुडें और रोटरी की विरासत को अक्षुण्ण रखने और आगे बढ़ाने का वादा करें!

रॉन डी बर्टन
फाउंडेशन न्यासी अध्यक्ष

सम्मेलन

हैम्बर्ग संग्रहालय

जैन्नी ल्लाकामनी

इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपकी किसमें रुचि हैं, हैम्बर्ग में आप सभी के लिए एक संग्रहालय है। दुर्लभ स्पोर्ट्स कारें? ऑटोम्यूजियम प्रोटोटाइप में दर्जनों दुर्लभ वस्तुओं को प्रदर्शित किया गया हैं। फुटबॉल के लिए? एफसी सेंट पॉली संग्रहालय के पास एक ऐसी टीम की उपलब्धि है जिसका इतिहास 1910 से शुरू होता है। सीमा शुल्क? स्पेइचेर्स्तडट वेयरहाउस डिस्ट्रिक्ट, जो वर्ष 2003 तक एक मुक्त बंदरगाह था, डब्स जोलम्यूजियम का घर है, जहाँ आप सीमा शुल्कों - और उन तस्करों के जिन्होंने हमेशा उनसे बचने की कोशिश की है - के आश्चर्यजनक इतिहास के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं ।

जब आप 1 से 5 जून तक रोटरी इंटरनेशनल कन्वेंशन के लिए हैम्बर्ग में होंगे, तो आप एक सिम्युलेटर पर सवार हो सकते हैं और अंतरराष्ट्रीय समुद्री संग्रहालय में एल्बे नदी में एक विशाल कार्गो जहाज को परिचालित कर सकते हैं या 19वीं शताब्दी के हैम्बर्ग में दैनिक जीवन के कार्यों की एक झलक पाने के लिए क्रैमर-विट्वेन-वोननंग का दौरा कर सकते हैं। और बल्लिनस्टाड्ट एमग्रेशन म्यूजियम में, आप हजारों लोगों के अनुभव में स्वयं को सरोबार कर सकते हैं जो नई दुनिया में एक नया जीवन शुरू करने के लिए हैपग शिपिंग कंपनी द्वारा बनाए गए स्टेशन से गुजर चुके हैं।

लेकिन हैम्बर्गर का कहना है कि यदि आपके पास शहर में केवल एक संग्रहालय को देखने का समय है, तो आपको अवश्य ही मिनिएचर वंडरलैंड में अवश्य जाना चाहिए। इसमें 1,040 इंजन, 9,000 से अधिक ऑटोमोबाइल और एयरपोर्ट के साथ एक हवाई अड्डा है जहाँ हवाई जहाज उड़ती और उतरती तथा पार्क की जाती है। यातायात दुर्घटनाएं, एक चॉकलेट की फैक्ट्री, अल्पाइन स्कीयर - सभी कुछ को सूक्ष्म विस्तार के साथ से दर्शाया गया है।

2019 के लिए पंजीयन कराएं
riconvention.org **पर हैम्बर्ग में रोटरी सम्मलेन के लिए।**

©The Rotarian

नासिक में महिला रोटेरियन ने अपना जलवा दिखाया

वी मुत्तुकुमारण

नासिक, मंडल 3030 के सहयोग से 19 रोटेरियन महिला सदस्यों द्वारा और महिलाओं के लिए आयोजित एक मामूली लेकिन आशाजनक शुरुआत वाले दो दिवसीय *कर्मानी* सम्मेलन में विभिन्न मंडलों के 150 से अधिक प्रतिनिधियों ने इस अद्वितीय मंच का आनंद उठाया। डीजी राजीव शर्मा ने कहा, ''हमें विश्वास है कि अगले 3-4 वर्षों में, यह महत्वपूर्ण कार्यक्रम अखिल भारतीय महिला रोटेरियन सम्मेलन के रूप में उभर कर सामने आयेगा, और इस कार्यक्रम में कम से कम 600-700 प्रतिनिधी भाग लेंगे।''

इस कार्यक्रम में अतिथि वक्ताओं, विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों और पैनल के अधिकारीयों ने महिला रोटेरियन की आकांक्षाओं, उनके सपनों को साकार करने के लिए मानचित्र बनाने और रोटरी यात्रा के दौरान अनेकों बाधाओं और चुनौतियों से निपटने के तरीकों पर प्रकाश डाला। अपनी शुरुआती टिप्पणी में, डीजी शर्मा ने कहा कि उन्हें तीन वर्ष पहले नव निर्वाचित डीजीएनडी के रूप में उनके मन में इस कार्यक्रम को आयोजित करने का ख्याल आया था। उन्होंने आगे कहा, ''मैं हृदय से नारीवादी हूँ; महिलाएं भावनात्मक रूप से मजबूत होती हैं और वे बेहतर आदर्श हैं क्योंकि वे जो कुछ भी करते हैं उसे सर्वश्रेष्ठ तरीके से पूरा करती हैं।''

भारत में केवल 11 प्रतिशत महिलाएं रोटेरियन है जबकि वैश्विक औसत 22 प्रतिशत हैं। ''हमें अगले 3-4 वर्षों में कम से कम 25 प्रतिशत तक पहुँचने का लक्ष्य रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि 10 वर्षों में 40 प्रतिशित महिला सदस्यों को शामिल करना आदर्श लक्ष्य होगा।''

बैठक में संबोधित करते हुए पीडीजी रवि वाडलमानी, मंडल 3150, ने वर्ष 1974 में आयोजित आरवाईएलए के दौरान अपने अनुभवों को याद करते हुए कहा, जिसने उन्हें ''आत्मविश्वासी रोटारेक्टर'' बनाया था। इससे भी बढ़िया, इसने उन्हें पहली बार ''वर्ष 1977 में अपनी पत्नी राजलक्ष्मी से पहली बार मिलने में मदद की।''

उन्होंने कहा कि रोटरी लोगों को सेवा करने और सामान्य लोगों को महानायक बनने का अवसर और प्लेटफॉर्म देता है। जिन महिलाओं ने उन्हें प्रभावित किया था, उसमें उनकी पत्नी के अलावा, जो एक पीडीजी भी है, मदर टेरेसा शामिल है; साथ ही इसके आकांक्षा की संस्थापिका और बाल अधिकार कार्यकर्ता शाहीन मिस्त्री; मैगसे पुरस्कार विजेता शांता सिन्हा; ब्रिटेन के युवा फंडराइज़र इसाबेला फील्ड और प्रज्वला, हैदराबाद की सुनीता कृष्णन, शामिल हैं, जिन्होंने ''बार-बार हमला किए जाने और धमकी दिए जाने'' के बावजूद 12,000 से अधिक यौन वर्करों का पुनर्वास किया। 15 वर्ष की उम्र में उनके साथ सामूहिक बलात्कार किया गया और 8 वर्ष की उम्र में उन्होंने नृत्य के माध्यम से विशेष बच्चों के लिए कक्षाएँ आयोजित की थी।

नेशनल एडिटर अशोसियेशन ऑफ इन्नर व्हील क्लबस इन इंडिया, सुर्जित कौर के साथ (बाएं से बैठे हुए) DG राजीव शर्मा और उनके साथी रश्मी शर्मा। PDGs रेखा शेट्टी, रवी वड्लमनी, सर्बजीत सिंह और रोटेरियन सोमा जैस्वाल कर्माणी कान्फरंस नासिक में।

भारत में केवल 11 प्रतिशत महिलाएं रोटेरियन है जबकि वैश्विक औसत 22 प्रतिशत हैं। ''हमें अगले 3–4 वर्षों में कम से कम 25 प्रतिशत तक पहुँचने का लक्ष्य रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि 10 वर्षों में 40 प्रतिशित महिला सदस्यों को शामिल करना आदर्श लक्ष्य होगा।

DG राजीव शर्मा

निर्धन और शोषित- वंचित बच्चों को निजी स्कूलों में समान सुविधाएँ दिलाने के अनुरोध ने शाहीन को उसी परिसर में आफ्टर-स्कूल आवर्स संचालित कनरे के लिए प्रेरित करता है जहाँ वर्तमान में पुणे और मुंबई में 6,500 गरीब छात्रों को शिक्षा दी जाती है। उनका मानना है कि ''यदि आपका जुनून आपको प्रेरित करता हैं तो सपनों को साकार किया जा सकता है और किसी को भी बड़ा सपना देखने से नहीं डरना चाहिए।'' उनके टीच फॉर इंडिया (टीएफआई) ने पिछड़े क्षेत्रों में स्थित सरकारी स्कूलों में पढ़ाने के लिए 1,500 से अधिक पेशेवरों और नवीन स्नातकों को प्रशिक्षण प्रदान किया है।

वर्ष 1996 में, जब उन्होंने ₹5 करोड़ की लागत वाले 100 स्कूलों का निर्माण करने के लिए मदर टेरेसा के साथ विचार-विमर्श किया, तब ''मैंने सीखा कि सादगी, आपके होंठों पर मुस्कुराहट और हृदय से निकलने वाले प्रार्थना के हर शब्द आपको जीवन में लंबा सफर तय करने में मदद करेगी, और भौतिक संपति से इसमें कोई फर्क नहीं पड़ता है।''

एमवी फाउंडेशन के शांति ने 1.2 मिलियन स्कूल छोड़ चुके बच्चों को वापस स्कूल भेजा हैं और अब अपने कार्य को नौ अफ्रीकी देशों में फैलाया है।

इसाबेला यूके में सबसे कम उम्र के फंड्राइज़र है, जिन्होंने अपनी बहन की याद में एक कैंसर अस्पताल बनाने के लिए 100,000 पाउंड (पाउंड का प्रतीक) एकत्र करने का कीर्तिमान स्थापित किया है। वाड्लामनी ने कहा, ''सेवा और करुणा के साथ, महिलाएं पुरुषों की तुलना में समुदाय तक बेहतर तरीके से पहुँच सकती हैं।''

सफल नई पद्धति

प्रतिनिधियों से पाँच-पाँच बार ताली बजाने के लिए अनुरोध करते हुए, पीडीजी रेखा शेट्टी, मंडल 3232 ने कहा, ''आपके पास अपने सच्चे स्वरूप को खोजने की शक्ति है। इसलिए, सबसे स्वयं से प्यार करें।'' उसके बाद, ज्ञान प्राप्त करें और आगे के वर्षों के लिए योजना तैयार करें। ''सीखने में निवेश करें; रोटरी मेरे लिए सबसे बड़ा सीखने का अनुभव है और इससे

विशेष व्यवस्था द्वारा।

ऊपर : रशमी शर्मा, रोटरी क्लब हासन मिड टाउन की अध्यक्ष बी के सोम्यामनी (बाएं से चौथी) को सम्मानित करते हुए।

नीचे : महिलाए नृत्य योगासूत्र का प्रदर्शन करते हुए। संगीता पेठकर उन्हें मंच से सिखाती हुई।

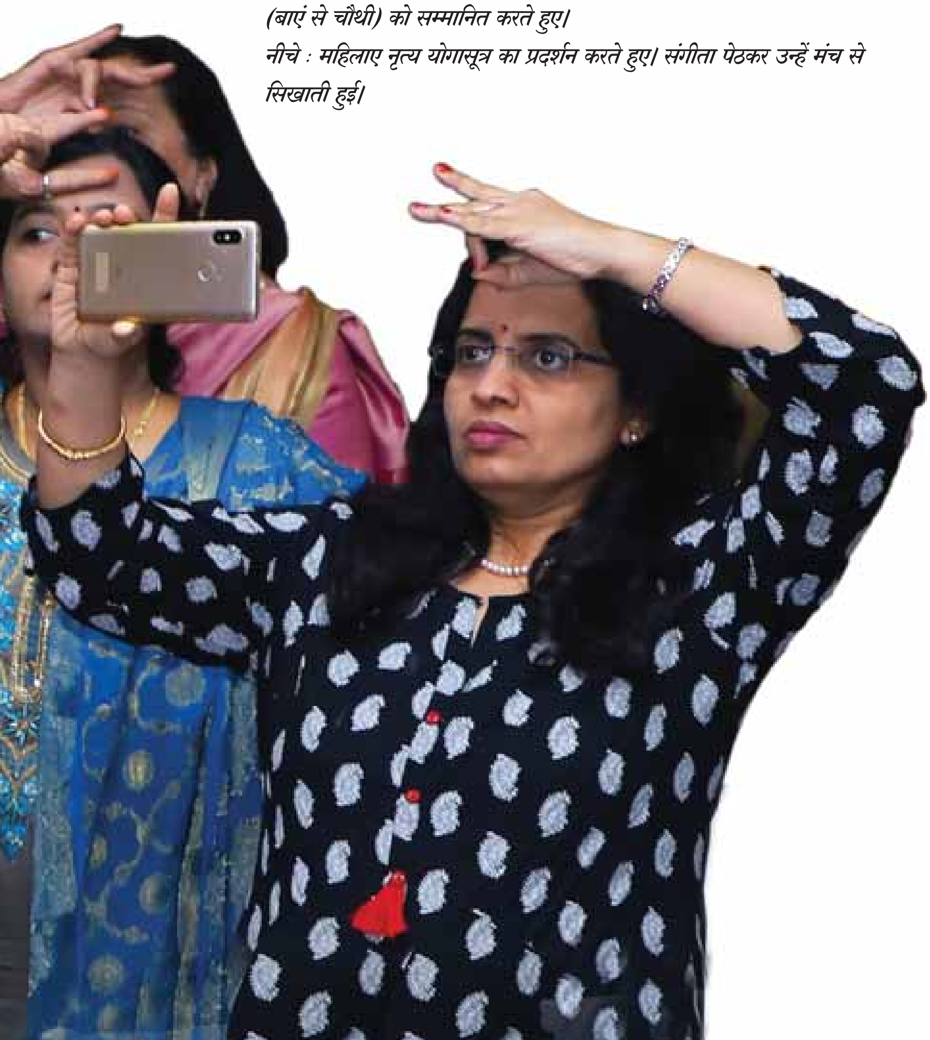

मुझे आत्म-विकास करने में मदद मिली है। महिलाएँ क्लबों का नेतृत्व बेहतर तरीके से कर सकती हैं क्योंकि वे मितव्ययी नहीं होती हैं और बेहतर प्रबंधन कौशल से लैस होती हैं।'' उन्होंने आगे कहा कि सभी नवरसों (नौ भावनाओं) में, करुणा अपनी देखभाल और प्रेरक क्षमताओं के साथ एक क्रांतिकारी परिवर्तन लाने वाला गुण है जिससे महिलाएँ लैस है।

तत्कालीन सामाजिक रीति-रिवाजों और कट्टरपंथियों के विरूद्ध अपने संघर्षों को याद करते हुए, अंतर्राष्ट्रीय इनर व्हील के पूर्व राष्ट्रपति मिन्ना कपूर ने कहा कि एक नम्र, विनीत महिला होने के बावजूद उन्होंने योद्धा बनने के लिए विद्रोह किया। अस्सी वर्ष की आयु में, उन्होंने कड़े विरोध के बावजूद अपने भाई के पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार पूरा किया। ''हम सभी कर्मानी हैं, जिन्हें ईश्वर ने समाज में बदलाव लाने लिए आवश्यक क्षमता, पहचान और शक्ति से लैस किया हैं। ग्रामीण भारत में, महिलाएँ बोलती नहीं हैं, लेकिन गाँव के स्तर पर सही प्रभाव उत्पन्न करने के लिए चुपचाप कार्य करती हैं।''

#Metoo आंदोलन

महाराष्ट्र की पहली महिला राज्य निर्वाचन आयुक्त आईएएस नीला सत्यनारायण ने कहा कि सदियों से, महिलाओं को

घर पर, कार्यालय में परेशान किया जा रहा है और रिश्तेदारों और पड़ोसियों द्वारा उनका शोषण किया जा रहा है। उसने कहा, ''भारतीय इतिहास और पौराणिक कथाएँ महिलाओं के यौन उत्पीड़न की घटनाओं से भरी हुई हैं। महिलाओं को बदनाम और बहिष्कृ त किया गया था, और इसलिए वे चुप रहने को विवश थी।''

उन्होंने पूछा कि क्या समाज पीड़ित, शोषित, ब्लैकमेल किए जा रहे और यहाँ तक मार दिए जा रहे, दुर्व्यवहार और उत्पीड़ित महिलाओं को सुरक्षा, सहयोग और समर्थन देने के लिए तैयार है।

लेकिन, उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा यदि म हिला #मीटू का अनुचित लाभ उठाती हैं और इसका दुरुपयोग करती हैं तो ''महिलाओं के खिलाफ आवाज उठेगी होगी और यह उनकी प्रगति के लिए घातक होगा।''

उन्होंने महसूस किया कि सभ्रांत वर्ग की म हिलाओं द्वारा #मीटू की शिकायतें करना मशर्मनाकफ है, ''ग्रामीण महिलाओं की तुलना में जिन्हें अनगिनत पीडाओं और अपमानों का सामना करना पड़ता हैं और जिनके पास अपनी शिकायतें दर्ज कराने तक का अवसर नहीं हैं।''

जीवंत विचार-विमर्श

बेहतर रोटेरियन कौन है – महिला या पुरुष? पैनलिस्ट पीडीजी डॉ सरबजीत सिंह; डॉ सुरजीत कौर, राष्ट्रीय संपादक, भारतीय आईडब्लू क्लब एसोसिएशन; रोटेरियन विवेक झैकेखेड्कर और उनकी पत्नी रुपाली ने विभिन्न समस्याओं जैसे लिंग के प्रति पूर्वाग्रह, महिलाओं को शामिल करने के लिए वर्गीकरण में

हम सभी कर्मानी हैं, जिन्हें ईश्वर ने समाज में बदलाव लाने लिए आवश्यक क्षमता, पहचान और शक्ति से लैस किया हैं। ग्रामीण भारत में, महिलाएँ बोलती नहीं हैं, लेकिन गाँव के स्तर पर सही प्रभाव उत्पन्न करने के लिए चुपचाप कार्य करती हैं।

मिन्ना कपुर
पूर्व अध्यक्ष, अंतर्राष्ट्रीय इनरवील

ऑक्टोजेरियन मिना कपूर, इंटरनेशनल इनर व्हील के पिछले अध्यक्ष, रश्मि शर्मा और आरटीएन सुरजीत कौर।

हालिया संशोधनों, महिलाओं को अवसर देने के लिए पुरुषों को जागरू क बनाने, क्लब के समय को लचीला बनाने, महिलाओं को नियमों के बारे में शिक्षित करने और बहु-कार्य कौशल से महिलाएँ कैसे लाभान्वित हो सकती है, इन सभी विषयों पर जीवंत विचार-विमर्श किया गया। पैनल चर्चा को कोलकाता से मंडल 3291, की सोमा जयस्वाल द्वारा समन्वित किया गया था।

विभिन्न क्षेत्रों से महिला विजेताओं-अश्वथी दोर्जे, आईपीएस, निदेशक, महाराष्ट्र पुलिस अकादमी; संगीता पेठकर, ओडिसी नर्तकी; जयश्री टोडकर, बेरिएट्रिक और लैप्रोस्कोपिक सर्जन; और मोनिका अथारे, एक एथलीट-ने सफलता के अपने अनुभवों के बारे में बताया।

एक सामान्य सूत्र जो उन्हें बांधें हुए था, वह था सभी विपत्तियों के बावजूद उत्कृ ष्टता प्राप्त करने की जबर्दस्त इच्छा, मेधा सायखेड्कर ने कहा।

एक प्रस्तुतिकरण के दौरान, रोटरी क्लब जलगांव के पूर्व अध्यक्ष प्रदीप जोशी ने कहा, 'मानव के इतिहास में सबसे लंबा युद्ध पुरुषों और महिलाओं के बीच हुआ है जिसकी शुरुआत पूर्व कृषि युग होती हैं।'

कर्मणी रानी

समूह नृत्य, गायन, स्किट, कविता, अभिनय और बॉलीवुड संगीत सहित अनेक विषयों पर एक टैलेंट शो का आयोजन किया गया। रोटरी क्लब हसन मिड्टाउन के अध्यक्ष बी के सोम्यामनी, मंडल 3182, जिन्होंने टीम स्पूथी का नेतृत्व किया, उन्हें 'कर्मणी रानी' का ताज पहनाया गया।

दूसरें दिन, शाही और पारंपरिक और सही वाद्ययंत्रों के मिश्रण के माध्यम से रंगीन पोशाक में लड़कों और लडकियों के एक उत्साही समूह द्वारा एक जुगलबंदी पेश किया गया, जो उत्तर महाराष्ट्र के खानदेश क्षेत्र के लिए अद्वितीय हैं।

मंडल कार्यक्रम के सचिव आशा वेणुगोपाल, प्रथम महिला रश्मी शर्मा, कार्यक्रम-उद्घोषक, और रोटरी क्लब नासिक ग्रेपसीटी की अध्यक्षा दुर्गा साली ने लोगिस्टिक की व्यवस्था को बेहतर तरीके से संभाला।

अंगूर के बगीचे का दौरा करना

भारत की शराब की राजधानी के रूप में मशहूर नासिक के पास 40-45 अंगूरों का बगीचा हैं, वे सभी पश्चिमी घाटों की तराई में स्थित हैं। रोटेरियन ने शहर से 25 किलोमीटर दूर सोमा वाइन गाँव का दौरा किया।

सोमा वाइनरी में 25 एकड़ में अंगूर का बगीचा है, जिसमें से 15 एकड़ में सफेद और लाल अंगूर की पाँच अलग-अलग किस्मों के अंगूर की खेती की जाती हैं। जनवरी-मार्च के दौरान लगभग 100 टन अंगूर की काटाई की जाती है और महिलाएँ शराब चखने का मजा लेती है।

चित्र : वी मुत्तुकुमारण

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

अलीगढ़ में हर्निया के लिए विशाल शिविर

टीम रोटरी न्यूज़

एक सप्ताह तक चलने वाले विशाल हर्निया शिविर का आयोजन अलीगढ़ में रुसा मेडिकल सेंटर में किया गया था, जहाँ 92 मरीजों पर 100 से अधिक सर्जरी की गई, जिनमें से कुछ मरीजों की दो सर्जरी की गई। मंडल 5420 के गवर्नर डॉ स्कॉट लेकमैन के नेतृत्व में विदेशी डॉक्टरों की एक सात सदस्यीय टीम, और अमेरिका से एक एनेस्थेटिस्ट और ऑर्थोपेडिक सर्जन; चेक गणराज्य से दो सर्जन; फ्रांस और पोलैंड के एक-एक सर्जन की टीम ने सर्जरी शिविर में सहयोग दिया।

रोटरी क्लब अलीगढ़ सिटी, मंडल 3110, और रोटरी क्लब अलीगढ. रॉयल, स्मार्ट सिटी, प्राइड, दिवा, रुद्रा, सस्नी द्वारा शिविर का आयोजन किया गया था; अलीगढ़ दिवा के रोटरैक्ट क्लब; और ज्ञान महाविद्यालय ने आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया।

परियोजना के समन्वयक राहुल वाधवा और रोटरी क्लब आगरा ताजमहल के दिव्य वाधवा के साथ डी जी अरुण जैन ने छः महीनों तक शिविर की योजना बनाई। इस कार्यक्रम का प्रबंधन परियोजना अध्यक्ष डॉ यू एस वर्शनी ने मेजबान क्लब के अध्यक्ष कमल कांत वार्ष्णेय, सचिव राहुल वर्मा और सह-अध्यक्ष डॉ पी सी गुप्ता के सहयोग से किया।

सोशल मीडिया, होर्डिंग, बैनर और संदेशों के माध्यम से व्यापक प्रचार ने लोगों के बीच हर्निया शिविर के बारे में जागरूकता उत्पन्न की। सर्जरी शिविर से पहले, संपूर्ण शहर में आठ स्क्रीनिंग शिविरों के माध्यम से हर्निया के मरीजों की जाँच की गई। ■

सात लाख लोग रोटरी स्टॉल आए

गाजियाबाद में आयोजित रामलीला और दशहरा मेला में मंडल 3012 ने एक रोटरी स्टॉल लगाया। नवरात्रि के त्यौहार के हिस्से के रूप में प्रति वर्ष आयोजित होने वाले इस 11 दिवसीय कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के 10 लाख से अधिक लोग देखने आते हैं। संपूर्ण मंडल के रोटेरियन रोटरी इंटरनेशनल के बारे में जन-जागरूकता पैदा करने और इसकी सार्वजानिक छवि को बेहतर बनाने में व्यस्त थे। इस कार्यक्रम का एक और महत्वपूर्ण उद्देश्य महिला और युवाओं को रोटरी की ओर आकर्षित करना था।

स्टॉल पर बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार का खेल उपलब्ध कराया गया था। इन सभी दिनों के दौरान स्टॉल में मेडिकल और नेत्र जाँच शिविरों का भी आयोजन किया गया। इस अवधि में, लगभग 3,500 आंखों की जाँच, 3,300 रक्त जाँच, 5,000 शुगर जाँच और 8,000 लोगों के मुंह की जाँच की गई। स्टॉल पर 1,100 लाभार्थियों के मध्य चश्मा वितरित किया गया। प्रति दिन 60,000 से अधिक लोग रोटरी स्टॉल पर आएं और इस प्रकार 11 दिनों में सात लाख लोग स्टॉल पर आएं। कार्यक्रम के अंत में मंडल के विभिन्न क्लबों में 20 नए सदस्यों को शामिल किया गया। परियोजना की कुल लागत ₹12 लाख आई।

डीजी सुभाष जैन रोटरी स्टाल में।

डी जी सुभाष जैन ने रोटारेकटरों, रोटेरियन और उनके पति/पत्नी और स्वयंसेवकों को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। ■

‘सीमाओं से परे सेवा’ के 20 वर्ष

फ्रैंक बुरेस

जब 1992 में राजेंद्र साबू ने रोटरी अंतर्राष्ट्रीय के अध्यक्ष के रूप में उनका कार्यकाल पूरा किया, उन्होंने सोचना शुरू किया कि कैसे वे लोगों की मदद करना जारी रख सकते है। और 1998 तक, रोटरी संस्थान के न्यासी प्रमुख के रूप में सेवा देने के बाद, वह जानते थे कि वह कुछ क्रियाशील करना चाहते है।

‘‘जब मैं रोटरी अध्यक्ष था, मेरी थीम थी स्वयं से परे देखो,’’ रोटरी क्लब चंडीगढ़, भारत, के सदस्य साबू कहते है। ‘‘मैं सीमाओं से परे सेवा के बारे में सोच रहा था। इसलिए मैंने सोचा, ‘क्या ऐसा कुछ है जो भारत दे सकता है?’ मुझे एहसास हुआ कि भारत में चिकित्सीय विज्ञान काफी उन्नत है, और यहाँ डॉक्टर है - रोटेरियन डॉक्टर - जो अफ्रीका को कुछ दे सकते है, जहाँ चिकित्सीय जरूरतें जबर्दस्त है।’’

साबू ने एक साथी रोटेरियन और एक चिकित्सक, नंदलाल पारेख से बात की जिन्होंने तानाशाह ईदी अमीन द्वारा यूगांडा से निकाले जाने के पूर्व वहाँ पर काम किया था। पारेख ने सोचा यूगांडा, यद्यपि उस वक्त भी वह गृह युद्ध की चपेट में था, एक चिकित्सीय मिशन के लिए बढ़िया जगह होगी। 1998 में साबू द्वारा शुरू की गई वह यात्रा 20 वर्षों के चिकित्सीय मिशन और 67,000 से अधिक सर्जरियों की शुरुआत थी।

उस प्रथम यात्रा पर उनके साथ जाने के लिए, साबू ने नेत्र विशेषज्ञों के एक दल के साथ-साथ सर्जनों का एक दल इकट्ठा किया जिन्हें पोलियो से पीड़ित मरीजों पर सुधारात्मक सर्जरियाँ करने का अनुभव था। फिर, उनके जाने की निर्धारित तिथि से कुछ दिन पूर्व, आतंकवादियों ने केन्या और तंजानिया में अमेरीकी दूतावास को बम से उड़ा दिया, जिससे सैकड़ों लोग मारे गए। यूगांडा की राजधानी कंपाला में होने वाले तीसरे हमले को नाकाम कर दिया गया।

PRIP राजेन्द्र साबू एक दो-वर्षीय बाल रोगी के साथ।

वर्ष 2015 में, PRIP साबू और उनकी पत्नी उषा को आर्च कलुम्फ सोसाईटी में शामिल किया गया।

वह कहते है, ''हम भयभीत थे।'' डॉक्टर भी कह रहे थे, 'क्या हमें जाना चाहिए? क्या हम सुरक्षित रहेंगे?'

फिर साबू की पत्नी उषा ने एक ऐसी महिला से बात की जो पूर्व युगोस्लाविया में युद्ध में घायल लोगों की स्वेच्छा से मदद करने के बाद वापस लौटी थी। उषा ने उनसे पूछा कि क्या वह भयभीत थी।

''आप केवल एक बार मरते है,'' महिला ने उत्तर दिया। ''और आपके मरने का तरीका मायने रखता है। उस वक्त मुझे कोई डर नहीं लगा, क्योंकि मैं मानवता की सेवा कर रही थी।''

''उस उत्तर ने उषा को प्रभावित किया,'' साबू याद करते है। ''उसने मुझे इसके बारे में बताया। फिर हमने एक बैठक बुलाई जहाँ उसने उनकी बातचीत सुनाई। डॉक्टरों एवं स्वयंसेवकों ने कहा, 'हम जाने के लिए तैयार है।' ''

बमबारी होने के तीन दिनों के बाद वे पहुँच गए। कम्पाला से एक दल बस से पूर्व में चार घंटे की दूरी पर स्थित मसाका गया, जबकि दूसरा दल नेत्र सर्जरी करने के लिए उत्तर में गुलू गया। स्थानीय अस्पताल ने सात वर्षों में कोई नेत्र विशेषज्ञ नहीं देखा था। कुछ वृद्ध महिलाएं सर्जरी के बाद नृत्य करने लगी क्योंकि उन्होंने कभी अपने पोते-पोतियों को नहीं देखा था।

साबू, जिन्होंने स्वयं कोई चिकित्सीय प्रशिक्षण नहीं लिया था, खून देखने के बाद मचल गए। लेकिन दल को सारे स्वयंसेवकों की सहायता की आवश्यकता थी - सर्जरी करने से पूर्व बच्चों के गंदे पैरों को धोने के लिए, मरीजों को स्ट्रेचर पर लैटाने के लिए, खत ड्रिप को शुरू करने के लिए और जो कुछ भी किए जाने की आवश्यकता थी उसके लिए।

''माधव बोराते, जो हमारे चिकित्सीय मिशन के नेतृत्वकर्ता थे, ने कहा, 'राजा, अपने कपड़े बदलो और ऑपरेशन थिएटर में आओं। जब हम मरीज का ऑपरेशन कर रहे होंगे एवं उसकी नाड़ी की जांच कर रहे होंगे तो तुम्हें उसकी कलाई पकड़नी है,' साबू याद करते है। मैंने कहा, ''माधव, क्या तुम पागल हो? मैं तो किसी को इंजेक्शन लगते हुए भी नहीं देख सकता। मैं खून नहीं देख सकता। मैं बेहोश हो जाऊंगा।''

बोराते भी उस दिन को याद करते है। ''ऑपरेशन कक्षों में निरीक्षण करने वाले उपकरणों की कमी थी, जिनमें एक पल्स ओक्सिमीटर नामक उपकरण भी शामिल था,'' वह कहते है। ''इसलिए हमने तीन रोटेरियनों को प्रशिक्षित करने का फैसला किया ताकि वे मरीजों की नस महसूस कर सकें और निश्चेतक को बता सकें कि क्या वह बहुत तेज है या बहुत मंद। हमने स्वयंसेवकों को अपना पल्स मीटर बनाना शुरू किया।''

''मैंने खून देखा,'' साबू कहते है। ''मैंने सब कुछ देखा, और मुझे कुछ नहीं हुआ। उसने मुझे पूरी तरह से बदल दिया।''

उनके भारत लौटने के तुरंत बाद, दल के सदस्यों ने अतिरिक्त विशेषज्ञों के साथ, इस बार इथियोपिया के लिए उनकी अगली यात्रा की योजना

वर्ष 1981 में साबू और उनकी पत्नी उषा की मुलाकात मदर टेरेसा से हुई। PRIP साबू ने उन्हें रोटरी इंटरनेशनल कन्वेंशन में उस वर्ष बात करने के लिए राज़ी किया।

बनाना शुरू कर दिया। तीसरे वर्ष वे नाइजीरिया गए। यूगांडा की उनकी पहली यात्रा के बाद 20 वर्षों में, उन्होंने 43 देशों में 500 से अधिक स्वयंसेवकों को भेजा, 67,000 सर्जरियाँ की, 250,000 मरीजों की जांच की, और रोटरी संस्थान एवं जापान, कोरिया, ताइवान, और अन्य देशों के मंडलों से अनुदानों के रूप में 2.4 मिलियन डॉलर प्राप्त किए। उन्होंने अफ्रीका में जटिल चिकित्सीय समस्याओं वाले मरीजों को इलाज हेतु भारत भेजने का इंतजाम किया, और भारत के भीतर मिशन आयोजित किये।

मैंने सब कुछ देखा, और मुझे कुछ नहीं हुआ। उसने मुझे पूरी तरह से बदल दिया।

PRIP राजेन्द्र साबू

पिछले वर्ष, मिशन की 20वीं सालगिरह के लिए, दल यूगांडा वापस गया। अब देश पहले से समृद्ध एवं शांतिपूर्ण है परंतु अभी भी उसकी बहुत सी आवश्यकताएँ है।

''अस्पतालों में आधारिक संरचनाएँ और सुविधाएं काफी बेहतर थी, और नर्सिंग स्टाफ सहायक एवं मदद करने वाला था,'' बोराते कहते है। ''परंतु अब भी वहाँ सामान्य ऑपरेशनों के लिए भी आपूर्ति, औज़ार एवं उपकरणों की भारी कमी है।''

इसके बावजूद भी, यूगांडा के रोटेरियनों एवं डॉक्टरों की मदद से, दल ने 1,100 सर्जरियाँ की जिनमें 440 नेत्र ऑपरेशन, 452 दंत प्रक्रियाएँ, 25 पुनर्रचना संबंधी सर्जरियाँ, और 84 सामान्य सर्जरियाँ शामिल है।

''एक रोटेरियन के रूप में मेरे 22 वर्षों में मेरे द्वारा देखा गया यह सबसे बड़ा प्रभाव है,'' मंडल 9211 (तंज़ानिया और यूगांडा) के पूर्व गवर्नर एमेनुअल कटोंगोल कहते है। ''ऐसी जटिल समस्याओं के साथ इतने सारे लोगों को ऑपरेशन के लिए कई दिनों तक कतार में लगे देखना, और उनके चेहरों पर खुशी देखना। हमें अब भी यह पूछने के लिए फोन आते है, 'भारतीय डॉक्टर कहाँ है? क्या वे वापस आ सकते है?' ''

2019 के लिए, साबू का और भी बड़ा लक्ष्य है। ''सेम ओवोरी, जो 2018-19 के लिए अध्यक्ष चुने गए थे परंतु जो 2017 में चल बसे, ने मुझसे कहा था, 'राजा, मेरे अध्यक्षीय कार्यकाल के दौरान, मैं चाहूँगा कि आप अफ्रीका के प्रत्येक मंडल में जाने के लिए चिकित्सीय डॉक्टरों का एक दल तैयार करें।' मैंने कहा, 'मैं कोशिश करूंगा,' '' वह कहते है।

''सेम के गुजरने के बाद, अध्यक्ष बैरी रेसिन ने मुझसे कहा, 'राजा, चलो देखते है कि क्या हम सैम के सपने को पूरा कर सकते है।' इसलिए अब हम उस पर योजना बना रहे है।''

© Rotary.org

Rotary News Subscription Remittances

You can pay the
Rotary News / Rotary Samachar
subscription online

Our Bank details:

Bank	:	HDFC Bank SB Account
Branch	:	Egmore, Chennai
A/c Name	:	Rotary News Trust
A/c No.	:	50100213133460
IFSC Code	:	HDFC0003820

E mail us following details:

Name of Club

President/Secretary's name

Amount/Date of transfer/UTR Number

For physical payment by cheque or cash in bank, write **Club Name only** without prefixing "Rotary club of". Eg. Rotary Club of Delhi Central should be written: Delhi Central.

RI Exchange Rate - January 2019

$1 = ₹70

Rotary at a glance

Rotarians	:	1,224,445
Clubs	:	35,942
Districts	:	538
*Rotaractors	:	218,730
Club	:	9,510
*Interactors	:	541,029
Clubs	:	23,523
RCC	:	10,105

**Estimated*

As of Dec. 10, 2018

Membership Summary

As on December 1, 2018

RI District	Rotary Clubs	No of Rotarians	Women Rotarians	Rotaract Clubs	Interact Clubs	RCC
2981	114	4,794	229	39	232	193
2982	69	3,146	159	64	113	52
3000	129	5,280	474	231	679	199
3011	82	3,511	754	47	115	25
3012	89	3,680	798	48	130	56
3020	78	4,096	231	54	466	349
3030	90	4,875	587	75	313	165
3040	97	2,181	240	33	124	142
3053	72	3,116	554	9	56	96
3054	130	6,189	1061	76	321	474
3060	103	4,340	551	59	131	141
3070	104	3,136	324	45	163	57
3080	79	3,337	265	71	223	108
3090	77	2,008	52	35	37	122
3100	77	1,864	112	9	77	146
3110	116	3,914	337	24	52	104
3120	76	3,327	418	28	62	52
3131	131	5,538	1233	88	306	90
3132	99	3,776	373	38	214	150
3141	93	5,564	1310	107	265	84
3142	94	3,498	654	72	205	65
3150	98	3,647	358	56	240	109
3160	71	2,439	134	21	48	81
3170	127	5,693	617	55	343	164
3181	77	3,447	298	41	249	109
3182	85	3,359	245	23	278	95
3190	131	5,107	683	117	364	50
3201	142	5,359	340	91	134	49
3202	130	5,021	259	73	441	47
3211	139	4,477	293	6	90	126
3212	99	4,160	352	92	281	142
3231	78	3,327	280	48	214	249
3232	113	4,709	724	110	330	81
3240	91	3,176	400	40	160	166
3250	101	3,972	704	58	210	176
3261	73	2,663	356	5	104	43
3262	91	3,459	430	37	75	75
3291	149	3,792	721	82	135	600
India Total	**3,794**	**1,48,977**	**17,910**	**2,207**	**7,980**	**5,232**
3220	69	1,995	274	75	204	73
3271	84	1,482	271	50	19	15
3272	163	2,735	396	46	37	38
3281	208	5,792	841	219	93	188
3282	147	4,144	447	110	48	42
3292	119	4,563	686	120	125	111
S Asia Total	**4,584**	**1,69,688**	**20,825**	**2,827**	**8,506**	**5,699**

Source: RI South Asia Office

भारत में मलोनी का

विशेष व्यवस्था द्वारा

गे और RIPE मार्क मलोनी, PRIP कल्याण बेनर्जी और बिनोटा के साथ। चित्र में PRIP राजेन्द्र साबू भी हैं।

विशेष व्यवस्था द्वारा

बाएं से : PRID अशोक महाजन, फिरोज़ कचवाला, माला, RID सी भास्कर, गे, RIPE मलोनी एवं DG शशि शर्मा।

क्षण

RIPE मलोनी, PRIP राजेंद्र साबू, RIDE भरत पांड्या और DGE हरजीत सिंह तलवार के साथ बातचीत में।

बाएं से : मंजु जेटली, रीटा (मंडल 3141 के DG शशि शर्मा की पत्नी), नंदिता (मंडल 3142 DG एशेज़ गंगुली की पत्नी), माला भास्कर, नयनतारा महाजन और रंजु (PDG अजय गुप्ता की पत्नी)।

TRF ट्रस्टी गुलाम वाहनवटी के साथ RIPN सुशील गुप्ता।

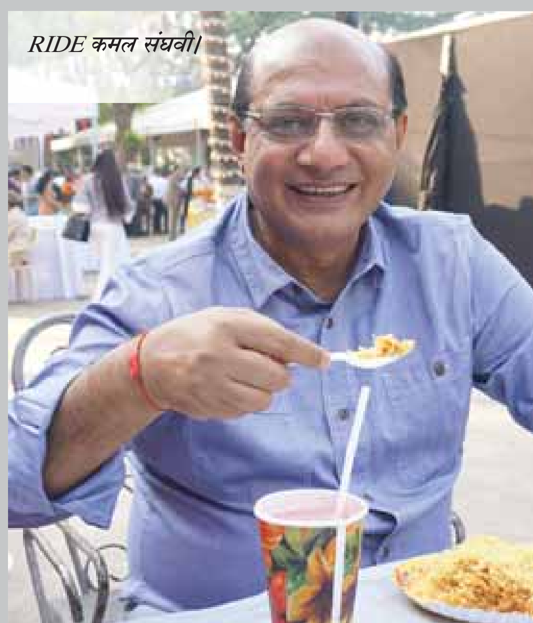

RIDE कमल संघवी।

सूरत में इंटर सिटी मीट में RIPE मलोनी और गे।

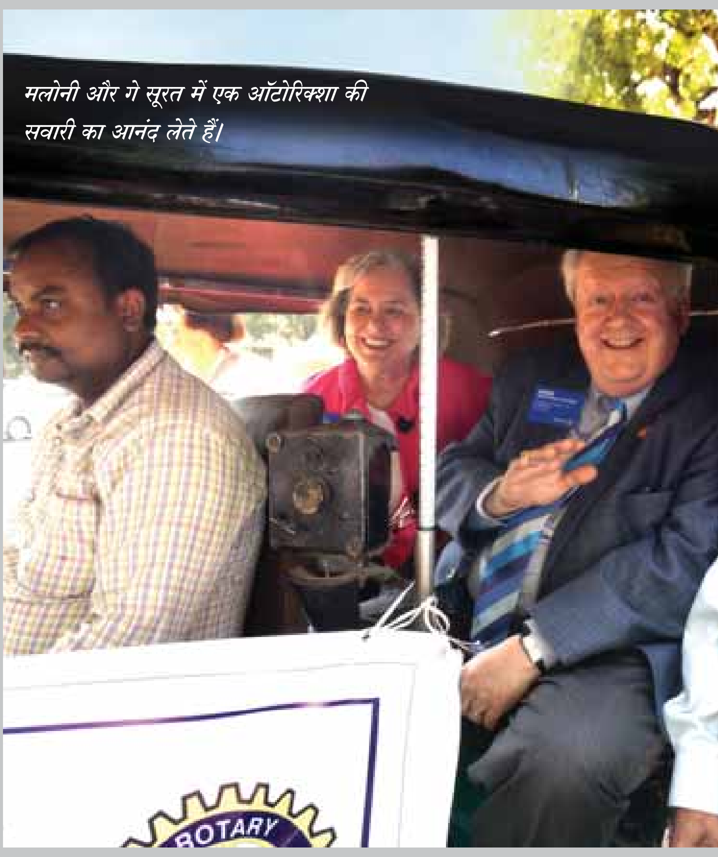

मलोनी और गे सूरत में एक ऑटोरिक्शा की सवारी का आनंद लेते हैं।

ऊपर (बाएं से) : सुमुल पटेल, DG पिंकी पटेल, PDG रुचिर जानी, RIDE भरत पांड्या, PDG निलाक्स मुफ्ती, PRID मनोज देसाई और शर्मिष्ठा।

ऊपर : RIDE गण कमल संघवी और भरत पांड्या।
बाएं : युवा एक्सचेंज छात्राओं के साथ RIPE मलोनी और गे।

चित्र : जयश्री; एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

Rotary PEOPLE OF ACTION

कचरा नहीं, बीज बम फेंकिये

रशीदा भगत

चूंकि गोवा, भारत एवं विदेश में बड़ी संख्या में लोगों के लिए पार्टी करने के स्थान के रूप में उभरा है, और बस्तियाँ बसने और हर समय नई इमारतों के खड़ा होने के कारण इसकी प्राकृतिक खूबसूरती और पर्यावरण का क्षय हुआ है, इसलिए मापुका के रोटरी क्लब, मण्डल 3170, ने कुछ उपचारात्मक कार्यवाही करने का निर्णय लिया।

यह हमारा 53वां साल है और मैं क्लब का 53वां अध्यक्ष हूँ। जब मैं निर्वाचित क्लब सचिव एशली डेलने के साथ निर्वाचित अध्यक्ष था, हमें लगा कि हमें इसके बारे में कुछ करना चाहिए। इसकी शुरुआत से ही क्लब हर वर्ष 25 से 30 पौधे रोप रहा है, लेकिन हमने हिसाब लगाया कि जिस दर से हमारे क्षेत्र में पेड़ काटे जा रहे है, हम वास्तव में कोई परिवर्तन नहीं ला रहे है,फ़क्लब अध्यक्ष अजय मेनन कहते है।

उदाहरण के लिए, वह बताते है, क्लब के 80 सदस्य है, और यदि उनमें से प्रत्येक व्यक्ति एक घर का निर्माण करे, तो क्लब द्वारा पिछले 50 वर्षों में लगाए गए पेड़ इमारतों के निर्माण में खोये गए पेड़ों को प्रतिस्थापित नहीं कर पाएंगे।

एशले डेलने ध्यान दिलाते है कि समस्त भारत में किन-किन प्रकार का पर्यावरण अपकर्षण हो रहा है और इसपर किए गए उनके अनुसंधान में यह जानकारी सामने आई है: पिछले दशक में देश ने मूल जंगलों का शायद लगभग 10.6 मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र खो दिया है, जो दिल्ली के भौगोलिक क्षेत्र का लगभग 70 गुना है। यह इस अवधि में राष्ट्र के जंगलों में हुई प्रतिवेदित वृद्धि का तीन गुना से अधिक है और भारत के वर्तमान हरित क्षेत्र का 15 प्रतिशत है।

दोनों रोटेरियनों ने कुछ ''विचार-विमर्श किया कि कैसे अगली पीढ़ी को हमारे पर्यावरण को हरा-भरा रखने की महत्ता समझाई जाए। साथ ही, जब हम स्कूलों में पौधारोपण करते है तो पाते है कि इन दिनों बहुत से बच्चों को पौधा रौपने के दौरान अपने हाथों पर मिट्टी का लगना पसंद नहीं आता।''

इसलिए उन्होंने व्यापक स्तर पर बीज बम का इस्तेमाल करने की एक जापानी तकनीक का उपयोग करने का निर्णय लिया ताकि क्षेत्र की हरियाली सुनिश्चित की जा सके। एक बीज बम में एक या एक से अधिक बीज होते है जिनके चारों ओर खाद एवं मिट्टी लपेटी जाती है, और फिर उन गेंदों को लगभग दो हफ्तों तक धूप में सुखाया जाता है जब तक कि वे कड़क होकर मिट्टी की गेंद ना बन जाए। इन बीज गेंदों को उन क्षेत्रों में फेंका जा सकता है जहाँ हरित क्षेत्र कम हो चुका है और फिर अंकुरण की प्रक्रिया होती है। मेनन, एक एयरलाइन प्रबन्धक, ने अफ्रीका की अपनी विस्तृत यात्रा के दौरान इस

बाएं से : रोटरी क्लब मापुका के अध्यक्ष अजय मेनन, अध्यक्षों, अरया परिकर (बाएं से दूसरे) RAC मापुसा से और इनर व्हील ऑफ मापुसा की नताशाह कोटकर (बैठी हुई)।

तकनीक का केनयाई सरकार द्वारा व्यापक स्तर पर उपयोग होते देखा है।

क्लब ने बागबानी विशेषज्ञ रोटेरियन रोजेंडो मेनदोंज़ा की सहभागिता से गोवा में एक किसान को ढूंढा जो खाद एवं मिट्टी का उपयोग कर ऐसी गेंदों को बना सकता हो। ''यदि आप खिड़की से एक बीज बाहर फेंकते है तो उसके खोने की संभावना होती है क्योंकि हो सकता है वह अंकुरित होने के लिए सही स्थान पर नहीं गिरा हो। लेकिन एक बीज बम, यदि एक बंजर भूमि पर ऐसे समय पर फेंका जाए जब हवा में थोड़ी नमी हो, या बरसात के मौसम में, तो उसके अंकुरित होने की संभावना अधिक होती है। और यदि आप गेंद में एक से अधिक बीज डालते है, तो सफल होने की संभावना और अधिक हो जाती है,'' मेनन कहते है।

क्लब ने मार्च में बीज गेंदों को बनवाने की प्रक्रिया शुरू कर दी थी ताकि जून में मानसून के आने के

साथ, बीज बम फेंके जाने के लिए तैयार रहें। प्रत्येक बीज गेंद बनाने की लागत ₹5 लाख है और क्लब अब तक 32,000 बीज बमों को 26 स्कूलों, अनेक सरकारी, पंचायत एवं नगरपालिका के कर्मचारियों, पार्षदों और वार्ड सदस्यों को वितरित कर चुका है, जो इस परियोजना को लेकर अत्यंत ग्रहणशील थे। बीज बमों को मण्डल 3170 के अन्य क्लबों को भी बांटा गया है। चूंकि अच्छे काम की शुरुआत घर से ही होती है इसलिए सदस्यों ने इन बीज बमों को उनके स्वयं के पिछले आंगन या किचन गार्डन में फेंका है, और चूंकि मांग गुलमोहर, पपीते या अमलतास के बीजों की थी, इसलिए ये बांटे गए है। ''हमारे क्लब की सैर एवं पिकनिक के लिए हम बच्चों को बीज बम देते है; हमारा सिद्धान्त है कि जब भी आपको बंजर भूमि दिखे, तो वहाँ कचरा फेंकने के बजाए बीज बम फेंके! और इससे बच्चों को कुछ करने के लिए मिल जाता है और वे व्यस्त रहते है,'' वह आगे कहते है।

जैसा कि अब तक 32,000 बीज बम वितरित किये जा चुके है, क्लब अगले चरण के लिए 50,000 से लेकर 60,000 बीज बम तैयार करने की योजना बना रहा है, और एक साझेदार के रूप में कॉर्पोरेट क्षेत्र को शामिल करने को लेकर उत्सुक है।

मेनन आगे कहते है, ''इस परियोजना पर स्कूलों ने उत्सुकता के साथ प्रतिक्रिया दी है; बच्चों को हमारे पर्यावरण को हरा-भरा रखने की महत्ता समझाने के लिए हमने बहुत सा समय दिया है। हम स्कूली बच्चों को उनकी सभा में संबोधित करते है और कुछ स्कूलों में हम पाँच से छह बार तक गए है यह सुनिश्चित करने के लिए कि संदेश घरों तक पहुंचे। और अब स्कूल पपीते और गुलमोहर के बीजों की मांग कर रहे है।''

डेलने आगे कहते है कि क्लब का लंबे समय में एक मिलियन बीज गेंदों को बनाकर वितरित करने का एक महत्वाकांक्षी मिशन है।

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

कोलकाता में बाल दिवस सैर

जयश्री

कोलकाता का निक्को पार्क तब आनंदपूर्ण चीखों एवं हंसी से भर गया जब शहर भर के अनाथालयों एवं आवासीय घरों से आये बच्चों ने विशाल मनोरंजन गैलरी में चक्करों, झूलों एवं सवारी का मज़ा लिया।

मज़ेदार पैकेज – एनुअल चिल्ड्रेन्स ट्रीट, जैसा उसे कहा जाता है – वर्ष 1925 से रोटरी क्लब कलकत्ता की चिन्हक परियोजनाओं में से एक रही है। जो परियोजना पाँच अनाथालयों के 200 बच्चों के साथ शुरू हुई थी, धीरे-धीरे विभिन्न अनाथालयों, गैर सरकारी संगठनों एवं अन्य संस्थानों के 1,750 बच्चों तक विस्तृत हो गई। बच्चे सामान्य रूप से हमारे ठउउ से सम्बद्ध सुविधाओं से वंचित वर्गों से आते है। पिकनिक का उद्देश्य बच्चों के मनोबल एवं आत्मविश्वास को बढ़ाना है, क्लब के सदस्य अमित घोष कहते है। क्लब लगातार इन संगठनों तक पहुंचकर लेखन सामग्रियों, यूनिफ़ॉर्म, जूते, कपड़े और अन्य शैक्षिक सहायकों का वितरण कर रहे है।

यह क्लब, जो अगले वर्ष उसका शताब्दी वर्ष मनाएगा, का सबसे लम्बे समय तक चलने वाला बाल कल्याण कार्यक्रम है, और यह रिकॉर्ड 93 वर्षों से चल रहा है, क्लब अध्यक्ष हीना गोर्सिया कहती है। इतने वर्षों में आयोजन स्थल बदलकर बोटैनिकल गार्डन से लेकर नेशनल लाइब्रेरी, वहाँ से अलीपुर जू हुआ, और 1993 से यह शहर के साल्ट लेक क्षेत्र में स्थित निक्को पार्क में आयोजित किया जा रहा है। राजीव कौल, क्लब के एक सदस्य, इस 40 एकड़ में फैले 35 रोमांचक आकर्षणों वाले पार्क के मालिक है, और उनकी दरियादिली इतने वर्षों से बच्चों के लिए कार्यक्रम को संचालित करने में क्लब की मदद कर रही है। इस अवसर पर बाहरी व्यक्तियों के लिए पार्क बंद रहता है और केवल इन बच्चों के लिए विशेषरूप से समर्पित होता है। ''यह समाज को लौटाने का कौल का तरीका है,'' घोष कहते है।

स्थानीय स्कूल की बसें विभिन्न बस्तियों, जिनमें शहर की सीमा पर स्थित कुछ अनाथालय शामिल है, से बच्चों को लाती है। बच्चे खुले मैदान में नाश्ते के लिए एकत्रित होते है और उन्हें एक टोपी और अल्पाहार से युक्त किटें प्रदान की जाती है, और फिर मज़ा शुरू होता है।

DG मुकुल सिन्हा, IPDG ब्रोजो गोपाल कुंडू और DGE अजय अग्रवाल बच्चों का उनके मजेदार दिन के लिए स्वागत करने हेतु मौजूद थे। मैं एक व्हील चेयर पर 10 वर्षीय नीरज

यह क्लब, जो अगले वर्ष उसका शताब्दी वर्ष मनाएगा, का सबसे लम्बे समय तक चलने वाला बाल कल्याण कार्यक्रम है, और यह रिकॉर्ड 93 वर्षों से चल रहा है।

हीना गोर्सिया
अध्यक्ष, रो ई कोलकाता

बच्चें आनन्द सैर के लिए तैयार।

कुमार को देखता हूँ। वह पिछले तीन वर्षों से लगातार आ रहा है। ''हालाँकि मैं सवारियां नहीं कर सकता, मुझे खुली हवा, मेल-मिलाप और सामान्य सौहार्द पसंद है। यह हमें आपस में मिलने, नए दोस्त बनाने एवं संपर्क में रहने का एक अवसर प्रदान करता है,'' वह मुस्कुराता है।

दोपहर में, बच्चे, जो थके हुए होते है पर उनके चेहरे पर ख़ुशी की लालिमा होती है, भोजन के लिए मैदान पर दोबारा इकठ्ठा होते है। ''हम खाना बनाने वालों को यहाँ बुलाते है और गर्मागरम खाना - शाकाहारी और मांसाहारी - वहीं पर पकाया जाता है। हमारे सदस्य परोसने वाले काउंटर पर खड़े रहते है और नई मेलामीन की प्लेट में खाना परोसते है जिसे बच्चे अपने साथ घर ले जाते है, हीना कहती है। यह कोई साधारण भोजन नहीं होता है, यह दावत होती है, मैं देख सकती हूँ।''

भोजन के बाद बच्चों को एक सांस्कृतिक प्रस्तुति दिखाई जाती है। इस वर्ष एक जादू का शो दिखाया गया। जैसे ही जादूगर उसकी टोपी से एक खरगोश निकालता है, या अचानक से एक कबूतर ले आता है, बच्चे वाहवाही के साथ ऊँचे स्वर में 'वाओ' कहते है। छोटे बच्चे, घंटों तक मज़े करने के बाद, सुखद रूप से अपनी कुर्सियों में झपकी लेते है।

ऊपर : (बाएं से) एस के शर्मा, सुभाजित गुहा मजुमदार, IPDG ब्रोजो गोपाल कुंडू, समिरन सेन, राज कुमार अग्रवाल, रोटरी क्लब कोलकाता अध्यक्ष हीना गोर्सियो और अमित घोष।

नीचे : नीरज कुमार इस सैर का हिस्सा बनकर खुश हैं।

शाम 4 बजे तक वापस लौटने का समय हो जाता है। हीना और उनका दल बच्चों को आकर्षक वस्तुओं के बैग वितरित करते है और अगले वर्ष तक के लिए उन्हें अलविदा कहते है, और फिर उन्हें उनकी संबंधित बसों तक ले जाया जाता है, संबंधित संस्थानों के स्टाफ एवं रोटारेकटरों की मदद से।

चित्र: जयश्री

राजस्थान के घूमर नृत्य को लोकप्रिय बनाना

वी मुत्तुकुमारण

विविध रंगों के पोशाक में सजी-धजी राजस्थानी महिलाओं ने मारवाड़ महोत्सव के पहले दिन *घूमर* किया, जो राज्य का अनूठा नृत्य है, जिसे देखने के लिए प्रतिवर्ष हजारों पर्यटक आते हैं। ऐतिहासिक स्थल मंडोर गार्डन में आयोजित 16 मिनट तक चलने वाले इस कार्यक्रम में, सभी क्षेत्रों की 1,760 महिलाओं द्वारा *नखराली घूमर* के सामूहिक नृत्य ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और इस नृत्य को इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड दर्ज किया गया।

रोटरी क्लब जोधपुर संस्कार, मंडल 3053 द्वारा पूरी तरह से परिकल्पित और निष्पादित इस कार्यक्रम को, इसके अध्यक्ष मेघना राजपुरोहित ने मंडल कलेक्टर डॉ रविकुमार सुरपुर के समक्ष *घूमर* प्रस्तुत करने की जिम्मेदारी उठाई, ''जिससे कलेक्टर प्रभावित हुए और वे मारवाड़ त्योहार के आयोजन के लिए प्रशासन और पर्यटन मंत्रालय के साथ सहयोग करने को उत्सुक थे,'' वह कहती हैं। भव्य मेले के आयोजन के लिए तीनों संस्थाओं ने एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया।

मेघना बताती हैं कि पहली बार *घूमर* का आयोजन मंडोर गार्डन में एक विशाल सामूहिक नृत्य के रूप में किया गया था। ''तब तक यह त्योहारों और विशेष अवसरों के दौरान घर के अंदर और पारिवारिक दर्शकों तक ही सीमित था। और हमने इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए विज्ञापन देने और सुरक्षा प्रदान करने के लिए मंडल प्रशासन के साथ सहयोग किया।''

अब, मंड्ल प्रशासन ने ₹4 करोड़ की लागत से इस हेरिटेज गार्डन का जीणोद्धार कराया है।

रोटरी क्लब जोधपुर संस्कार की अध्यक्ष (बाएं) मेघना राजपुरोहित और जिला कलेक्टर डॉ रविकुमार सुरपुर, इंडिया बुक ऑफ़ रिकार्डस की एडजुड़ीकेटर रश्मि जैन से DG प्रियेश भंडारी की उपस्थिति में प्रमाण पत्र प्राप्त करते हुए।
नीचे : मंडोर गार्डन में घूमर का प्रदर्शन।

रेडियो जिंगल्स बजाया गया और इस आयोजन को भव्य बनाने के लिए एक विशेष वेबसाइट (*www.nakhralighoomar.com*) और यूट्यूब चैनल बनाया गया। और उनके जोरदार अभियान के कारण जैसे-जैसे कार्यक्रम की जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से फैलती गई, वैसे-वैसे अनेक महिलाओं ने *घूमर* नृत्य में शामिल होने के लिए पंजीकरण कराया।

''रोटरी की सार्वजनिक छवि को बेहतर बनाने के उद्देश्य से हम समय-समय पर विभिन्न कार्यक्रमों जैसे कि हेरिटेज वॉक का आयोजन करते हैं, जिसके माध्यम से हम अपनी सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने के लिए धन जुटाते हैं,'' वह आगे कहती हैं। स्वस्थ हृदय के लिए वॉकथॉन जैसी अन्य हाई-प्रोफाइल कार्यक्रमों; और स्वस्थ जीवन शैली अपनाने का संदेश देने के लिए साइक्लोथॉन के आयोजन में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए कार्यक्रम का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार किया जाता है।

मंडोर गार्डन को पुनजीवित करना

घूमर शो का एक सकारात्मक उपोत्पाद समारोह आयोजन स्थल, मंडोर गार्डन था, जिसने कार्यक्रम के लिए एक सुंदर पृष्ठभूमि उपलब्ध कराया, और इसे नए रूप-रंग से सुसज्जित किया और अब यह पर्यटकों को आकर्षित करने लगा है। ''कार्यक्र म से पहले, यह ऐतिहासिक स्थल कंटीली झाड़ियों से पटा खंड्हर बना हुआ था। इसमें लॉन, फव्वारे, स्मारक और मंदिर हैं, लेकिन उपेक्षा के कारण यह खंड्हर में तब्दील हो गया,'' मेघना याद करते हुए कहती है। अब, मंड्ल प्रशासन ने ₹4 करोड़ की लागत से इस हेरिटेज गार्डन का जीणोद्धार कराया है।

इटली से आए कु छ दर्शकों ने भारतीय लोक नृत्य पर एक वृत्तचित्र तैयार किया, *घूमर* वीडियो संपूर्ण विश्व में लोक्र प्रिय हो चुका है, जिसके बाद अमेरिका में राजस्थानी एसोसिएशन ने अमेरिकी शहरों में नृत्य की कक्षाएं आयोजित करना शुरू कर दिया है।

मारवाड़ उत्सव के उद्घाटन अवसर पर 10,000 से अधिक लोगों ने नृत्य को देखा, जिसका आयोजन राज्य सरकार द्वारा प्रतिवर्ष किया जाता है और स्थानीय चैनलों पर इसका सीधा प्रसारण किया गया। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय की न्यायाधीश निर्मलजीत कौर समारोह में मुख्य अतिथि थी।

ऑल-वीमेन क्लब, जिसकी स्थापना वर्ष 2016 में की गई थी, में वर्तमान समय में 97 सदस्य हैं जो अपने अध्यक्ष के पीछे एकजुट हैं, और निर्धनों तथा वंचितों के जीवन को बेहतर बनाने और रोटरी के आदर्शों के आधार पर समुदाय उन्नत बनाने के लिए प्रयासरत हैं। ''हमारी परियोजनाएं स्वास्थ्य, शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण के क्षेत्र में बेहतर और सकारात्मक प्रभाव डालती हैं, इस प्रकार महिलाओं और बच्चों के जीवन को बेहतर बनाने में योगदान देती ती हैं,'' मेघना कहती है। ■

रंगीन कोलंबिया

रशीदा भगत

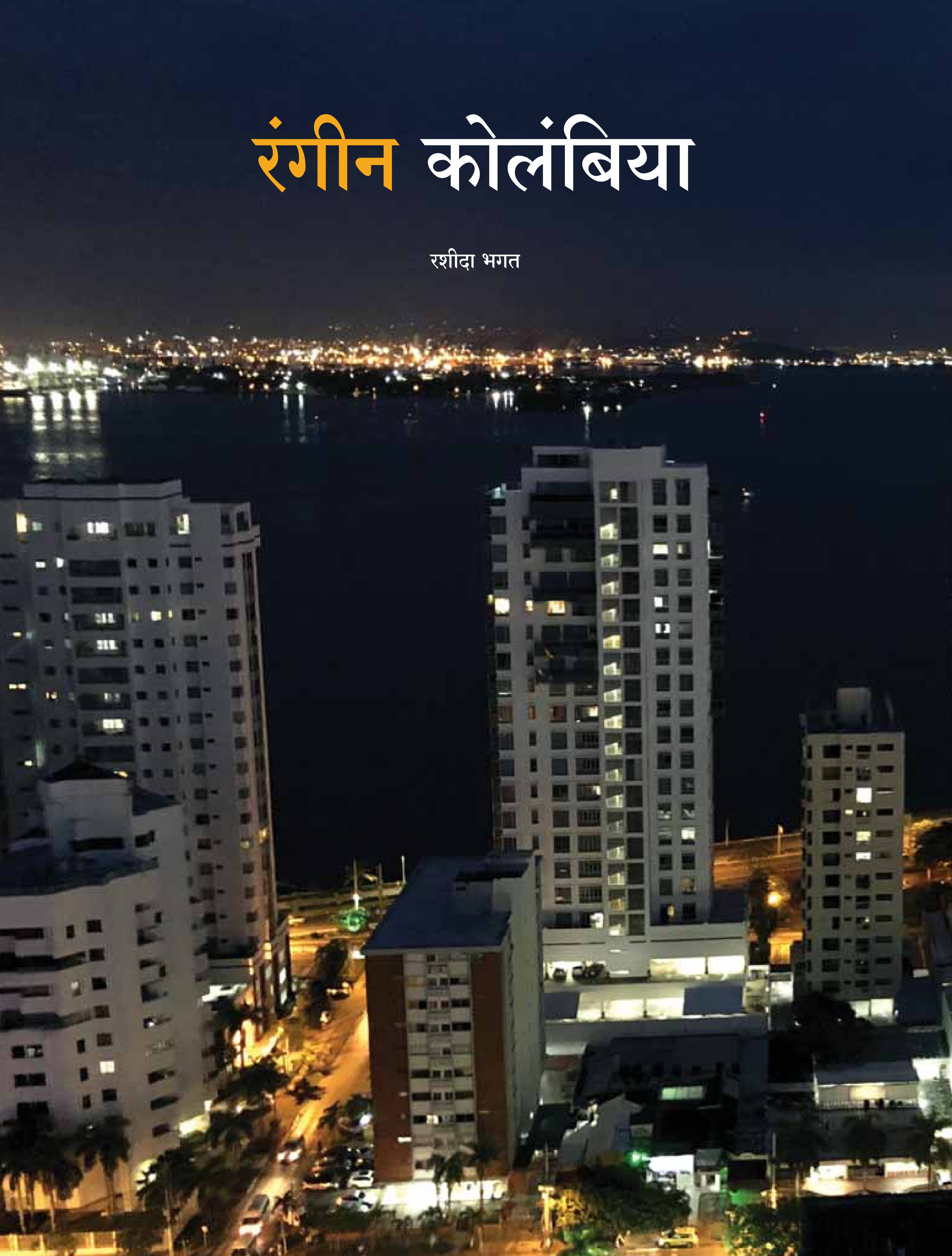

रात के समय कार्टाजेना का कैरिबियन तट।

कल्पना कीजिए, आपकी नज़र एक ऐसे लेख पर पड़ती है जिसका शीर्षक है 'कोलंबिया में सुरक्षित कैसे रहें', जिसकी शुरुआत में लिखा है : ''कोलंबिया का खूबसूरत बंदरगाह शहर, कार्टाजेना, विदेशियों पर हमलों और यौन पर्यटन के खिलाफ अधिकारियों द्वारा की जाने वाली कड़ी कर्रवाई का केंद्र रहा है।'' वो भी उस समय जब आप कोलंबिया घूमने की योजना बना रहे हैं, जो नशीली दवाओं की तस्करी और माफिया के लिए कुख्यात है। यह लेख एक पर्यटक की दुर्दशा का वर्णन करता है, जो कोलंबिया स्थित कार्टाजेना (उच्चारण कार्टाहेना) के खूबसूरत समुद्र तट पर पहुंचा था, उसका वॉलेट जिसमें क्रेडिट कार्ड, पैसे और पासपोर्ट थे, पहले ही दिन चुरा लिया गया था। आगे लिखा है, बात अगर यहीं ख़त्म हो जाती है तो वह भाग्यशाली होगा। क्योंकि काफी मामलों में पर्यटकों को न केवल लूट लिया गया बल्कि बुरी तरह पीटा भी गया था।

मेरे पति ने, जो अखबार पढ़े बिना नहीं रह सकते, इस लेख को एक स्थानीय अंग्रेजी समाचार पत्र में देखा, सौभाग्य से वो भी उस दिन जब इस दक्षिण अमेरिकी देश में हमारी छह दिन की छुट्टियों का आखिरी दिन था।

कैरेबियाई तट के उत्तर में स्थित कोलंबिया का बंदरगाह शहर, कार्टाहेना, अपने शानदार समुद्र तटों के साथ, जहां समुद्र तट पर आधुनिक गगनचुंबी इमारतें में चमकती रोशनी पूर्ण अर्धचन्द्राकार वृत्त बनाती हैं, जहां अपनी अमूल्य विरासत को संरक्षित रखने के लिए शहर के अधिकारियों ने पूरी मुस्तैदी से देखभाल की है, छुट्टी मनाने के लिए कार्टाहेना एक बढ़िया गंतव्य है।

मैक्सिको में हमारे बेटे से मिलने के लिए जाते हुए अचानक हमने कोलंबिया घूमने का निर्णय किया। जब अचानक किसी नए देश में जाने की योजना बनाई जाती हैं, तो इन दिनों, भारतीय पासपोर्ट धारकों के पास ऐसे कई देशों में से एक को चुनने का विकल्प होता है, जिनके लिए वीजा की आवश्यकता नहीं होती बशर्ते आपके पासपोर्ट पर यूएस या शेन्ज़ेन वीजा लगा हो।

दो साल पहले, हमने इसी तरह कोस्टा रिका को चुना था और इस बार हमने कोलंबिया पर ध्यान केन्द्रित किया, क्योंकि पांच घंटे की फ्लाइट मेक्सिको सिटी से

राजधानी बोगोटा ले जाती है और फिर कार्टहिना के लिए दो घंटे की उड़ान और है।

मेक्सिको हवाई अड्डे पर एवियांका चेक-इन काउंटर पर एक नौसिखिए ने हमें कोलंबियाई वीजा दिखाने को कहा, लेकिन हमारे पास इसकी पूरी जानकारी थी और वो भी कोलंबिया सरकार की आधिकारिक वेबसाइट की जिस के अनुसार यदि भारतीय पर्यटकों के पास 180 दिन का वैध अमेरिकी या शेंज़ेन वीजा है तो उन्हें स्थानीय वीज़ा की छूट है, हमने इसका स्नैपशॉट उन्हें दिखाया और हमें उड़ान पर जाने की मंजूरी मिल गई !

एक ऊंची इमारत में हमने 22 वीं मंज़िल पर, समुद्र तट देखता हुआ प्यारा सा एक एयर बीएनबी अपार्टमेंट बुक किया था, और यहां से कैरीबियाई तट और समुद्री किनारे के शानदार दृश्य देख कर हम मंत्रमुग्ध हो गए।

निस्संदेह दक्षिण अमेरिका के सबसे गुलजार शहरों में से एक है, कार्टहिना - कोलंबिया के उत्तरी तट पर एक नगीना। यह भोजन के कई रोमांचक विकल्प पेश करता है; महंगे बढ़िया भोजन से लेकर, बहुत सस्ते लेकिन स्वादिष्ट स्ट्रीट फूड, जिनमें ताज़ा फल शामिल हैं जैसे आम, केला, पपीता और अनानास, यहां प्रचुर मात्रा में होते हैं।

बीच पार्टियां करने के लिए युवा पर्यटकों हेतु समुद्र तट पर हिप-हॉप स्थल हैं (लेकिन पर्यटकों को सलाह है कि वे एक शाम के लिए पर्याप्त धनराशि ही ले कर जाएं), कार्टहिना का इतिहास 500 से अधिक वर्षों का है - लूटपाट, युद्ध, दासता- इसका सबसे प्रतिष्ठित हिस्सा है - परकोटे वाला शहर।

यदि आप को समुद्र तट ज़्यादा पसंद नहीं है और आप बार हॉपर भी नहीं हैं, तो आप सीधे कार्टहिना के आकर्षक पुराने शहर की ओर निकल सकते हैं, जहां कोलाहल करते रंगीन कैफे, पथरीली गलियां और दुकानें कलाकृतियों और उत्सुक पर्यटकों से भरी रहती हैं। चारदीवारी वाले इस शहर के मुख्य आकर्षणों में से एक है कैस्टिलो सैन फिलिप।

यह एक प्रभावशाली किला है जिस का निर्माण 16 वीं शताब्दी में शुरू हुआ था, लेकिन अगली दो शताब्दियों में इसका पुनर्निर्माण और विस्तार जारी रहा। यह पिरामिड के आकार में बना है, इसका नाम फिलिप चतुर्थ,स्पेन और पुर्तगाल के राजा के सम्मान में रखा गया था।

अपने विस्तार के दौरान, दुश्मन को किले के भीतर चौक में आने से रोकने के लिए, इसमें प्रगतिशील रक्षा प्रणालियों को शामिल किया गया था। ज़मीन के नीचे बनी भूमिगत सुरंगों की सहायता से हमलावरों पर विस्फोट

कार्टाजिना का शानदार कैरिबियन समुद्र तट।

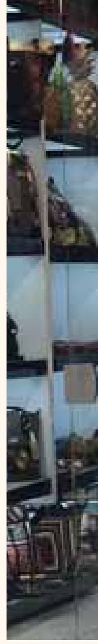

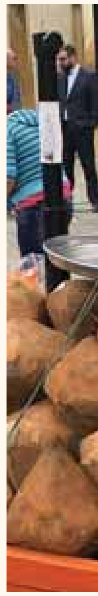

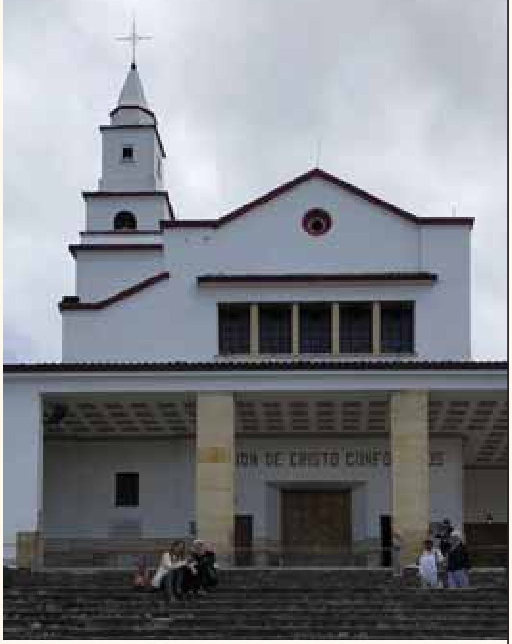

सुन्दर हस्तशिल्प, स्वादिष्ट कॉफी, रंगीन इमारतें, गुलज़ार कैफे, इतिहास और वास्तुकला... कोलंबिया में सब कुछ हैं।

किया जा सकता था। 300 वर्षों से युद्ध, हमलों और दासता से पीड़ित रहे यहां के क्षेत्र और लोगों के मन में व्याप्त भय का यह किला एक जीवंत उदाहरण है।

कैस्टिलो में भ्रमण के बाद, जब आप घूमते हुए नीचे की तरफ जाते हैं, तो आपको स्मृति चिन्ह स्वरुप टोपी, मैग्नेट, मास्क, कान के छल्ले, हार, मैग्नेट और सुंदर हस्तशिल्प इत्यादि के साथ फेरीवालों की एक सेना मिल जाएगी। लेकिन हॉकर्स से खरीदारी करने की तभी सोचें जब आप सौदेबाजी करने में माहिर हों।

चारदीवारी वाले शहर को देखने का सबसे अच्छा तरीका है पैदल घूमना। रंगबिरंगी औपनिवेशिक इमारतों में- पर भड़कीली नहीं, साफ़ सुथरी गुलाबी, पीली बालकनी से लटकते रंगीन फूलों के साथ और मन मोहक मद्धम रौशनी वाले मेहराबदार रस्ते से मंत्रमुग्ध होने लिए तैयार हो जाइये। इमारतों की वास्तुकला को ज़रा गौर से देखें, जिसके दरवाजों के हैंडल पर खूबसूरत नक़्क़ाशी की गई है।।

लेकिन बीचफ्रंट और कार्टाहिना के नवीनतम हिस्से की तुलना में, परकोटे वाला शहर काफी महँगा है। लगभग हर सड़क पर शानदार होटल और कैफे मिल जायेंगे बस, आपको थोड़ा सा चलना होगा। एक दो घंटे बिताने के लिए कैफे में बैठ कर अपनी पसन्द की स्वादिष्ट कोलंबियाई कॉफी या बियर गटकने से बेहतर तरीका कोई नहीं है। लेकिन बिल आने पर पता चलता है कि पुराना शहर महँगा है।

कार्टाहिना के बाद हम बोगोटा गए, दुनिया की सबसे अधिक ऊंचाई पर स्थित राजधानियों में से एक, समुद्र तल से लगभग 8,500 फीट ऊपर है। कार्टाहिना में हमने कोलंबियाइ लोगों की मित्रता का नमूना तो देखा था और लेकिन बोगोटा में मिले मित्रवत व्यवहार की तो बात ही कुछ और थी। वो काफी जल्दी सुबह की उड़ान थी जिससे हम सुबह 9 बजे होटल एल्डोरैडो पहुँच गए, और डरते डरते हमने जल्दी चेक-इन का अनुरोध किया, इस उम्मीद में कि आधे दिन का ही चार्ज लगेगा क्योंकि अधिकांश होटलों में चेक-इन का

समय 2 बजे है। कोलंबियाई लोगों की भाषा स्पेनिश है, अंग्रेजी भाषा बोलने वाले होटल और पर्यटक स्थलों तक ही सीमित है। लेकिन फ्रंट डेस्क पर बैठी महिला ने न केवल फर्राटेदार अंग्रेजी में मुस्कुराते हुए बोली: मैं देख सकती हूं कि आप कितने थके हुए हैंऔर फ़ौरन हमें दो कमरों की चाबियाँ सौंप दी।

बोगोटा एक सुरम्य पर्वतीय शहर है, इसकी जलवायु स्वास्थ्यवर्धक है, हमने मॉन्सेरेट पर्वत जाने का विचार किया जो शहर के केंद्र पर हावी है, लगभग 10,200 फीट ऊंचा है और जिसके शीर्ष पर एक चर्च स्थित है। प्राकृतिक सुंदरता के साथ-साथ पर्यटक इसके इतिहास के लिए भी मॉन्सेरेट आते हैं; स्पेनिश लोगों के आने से पहले ही इसे शहर का बोगोटा महत्वपूर्ण पवित्र स्थान माना जाता था: 'मुइस्का' स्थानीय लोग, पर्वत को *किजिचाकाका* या मदादी का पैरफ बोलते हैं और इसे एक पवित्र स्थान मानते हैं क्योंकि अयनकाल के दौरान जून माह में सूर्य पहाड़ के ठीक पीछे से निकलता है। बाद में इस पवित्र स्थान पर एक चर्च बनाया गया।

कई पर्यटक, विशेष रूप से तीर्थयात्री, पैदल जाते हैं, लेकिन हम बिजली के तारों पर चलने वाली रेल से ठंडी हवाओं और जमा देने वाले तापमान में सीधे उतर गए। इस मनोरम स्थान से आप इस खूबसूरत शहर का शानदार दृश्य देख सकते हैं,जो पूरी तरह से ईसाई थीम पर बना है, चर्च तक जाती, ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाये जाने का वर्णन करती हुइ, चलती मूर्तियां, निश्चय ही देखने लायक है।

डाउनटाउन बोगोटा में जहां ज़रूर जाना चाहिए, वो है यहां का मुख्य चौक - प्लाजा डी बोलिवर, जहां शानदार इमारतों सहित एक कैथेड्रल भी है। सिर्फ इस विशाल चौक के चारों ओर घूमते हुए ही आप शहर को महसूस कर सकते है, और चारों ओर उड़ते हजारों कबूतर दाना खिलाए जाने का इंतजार कर रहे हैं। जब हम पहुंचे तो वहां ओपन एयर में एक कला प्रदर्शनी लगी हुई थी और जहां राफेल

कोलम्बियाई हस्तशिल्प।

कैस्टिलो सैन फेलिप।

और रूबेन्स जैसे महान कलाकारों की प्रतिकृतियां देखना एक विशेष दावत थी।

इस चौक से बाहर निकलने वाली छोटी गलियाँ, शॉपिंग करने वालों के लिए में आनंददायक जगह है, जहां ढेर सारी वस्तुएं उपलब्ध हैं; कपडे के बैग और पर्स, कुशन कवर और सर्विट्स, मुखौटे और मूर्तियों, और हस्तशिल्पों की प्रचुरता, विशेष रूप से मिट्टी के बरतन और मास्क उचित मूल्य पर उपलब्ध हैं। कार्टाहेना के परकोटे वाले शहर के बिलकुल विपरीत, इन दुकानों पर बैठी महिलाएं और पुरुष अत्यंत विनम्र, मित्रवत और हँसमुख थे।

आपको महसूस नहीं होगा कि वे पर्यटकों को लूट लेंगे, वे ठीकठाक अंग्रेजी में बातचीत कर सकते थे, पूरी गर्मजोशी से अपना माल दिखाने के बाद आपने कुछ नहीं खरीदा तो उनके चेहरे पर ज़रा भी शिकन नहीं दिखाई दी। जब मैंने एक विशेष हस्तशिल्प खरीदने के लिए कहा तो एक महिला दुकानदार वहां पहुंचाने के लिए लगभग पांच मिनट तक मेरे साथ चली।

एक पर्यटक कोलंबिया से लौटते हुए निश्चय ही यहां के मित्रवत लोगों के बारे में, उनके स्नेह, भावनाओं और सुखद यादें साथ ले कर लौटेगा। हां, गरीबी ज़रूर है यहां; और हां, अगर आप परकोटे वाले शहर में परंपरागत रंगीन कपड़े पहने स्थानीय महिला के साथ तस्वीरें लेना चाहते हैं, तो आपको 100 रुपये या उससे थोड़ा अधिक रुपये देने पड़ेंगे, लेकिन आपको यह ध्यान रखना होगा कि ये महिलाएं पर्यटकों के साथ फोटो खिंचवा कर ही अपनी आजीविका चलाती हैं।

किसी भी चीज से ज्यादा, कोलंबिया अपने चॉकलेट और कॉफी दोनों के लिए प्रसिद्ध है; दोनों पूरी उदारता से ले लो। कोलंबियाई कॉफी की सुगंध आपके घर के हर कोने को महका देगी और वापिस लौटने के बाद काफी समय तक आपको उस खूबसूरत देश और वहां की यादें ताज़ा रखेगी।

चित्र: रशीदा भगत

एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय से संदेश

रोटरी इंटरनेशनल दक्षिण एशिया कार्यालय, पुल्मैन/नोवोटेल कमर्शियल टॉवर,
प्रथम तल, एसेट न. 2, आतिथ्य मंडल, एरोसिटी (आईजीआई हवाई अड्डे के निकट), नई दिल्ली 110037

- वैश्विक अनुदानों को लागू करने के लिए रोटरी संस्थान (भारत) वर्तमान में CSR निधि को स्वीकार कर रहा है। भारत में रोटरी क्लबों/मंडलों के माध्यम से 33 अनुदानों को लागू करने के लिए अट्ठाईस कंपनियों ने RF (I) के साथ समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया है। इस वर्ष RF (I) को अब तक 0.46 मिलियन डॉलर मिल चुके है। अपने क्षेत्र में CSR निधि के लिए कंपनियों तक पहुंचिए। उनके साथ साझा की जा सकने वाली CSR किटों के लिए आप RISAO में CSR दल से संपर्क कर सकते है।

- **सामूहिक चर्चाओं में भाग लीजिये:** चर्चा समूह में हिस्सा लेकर या एक नए की शुरुआत करके अन्य रोटरी सदस्यों के साथ जुड़िये। अन्य लोगों को ढूंढिए जिनकी आपकी जैसी ही रुचियाँ एवं गतिविधियां हो, परियोजना सहयोगियों से मिलिये और रोटरी के वैश्विक दृष्टिकोण की विविधता का लाभ उठाये। चर्चा समूहों के बारे में अधिक जानकारी के लिए, *https://my.rotary.org/en/exchange-ideas/groups/membership-best-practices* पर जाएँ।

- **रोटरी सदस्यता की स्थिति:** रोटरी सदस्यता की स्थिति पर नया संशोधित प्रस्तुतिकरण अब रोई की वेबसाइट पर उपलब्ध है। विस्तृत जानकारी बढ़ोत्तरी, संघर्षण और सदस्यता वृद्धि के बारे में जानने में मदद करेगी। अपडेट हुई स्लाइडों में 1 जुलाई 2018 के सदस्यता आंकड़े है। 16 स्लाइड वाले पावरपॉइंट प्रस्तुतिकरण को वैसे का वैसा ही प्रस्तुत किया जा सकता है या उसे तदनुकूल बनाने के लिए आसानी से उसका क्षेत्रीकरण भी किया जा सकता है।

- **प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए नेतृत्वकर्ताओं की मार्गदर्शिकाएँ:** क्या आप अपने अगले प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए विचार कर रहे है? रोई की विभिन्न नेतृत्वकर्ताओं की मार्गदर्शिकाओं में शामिल है सुझाए गए बोलने योग्य बिन्दु, गतिविधियां, संभार तंत्र संबंधी जानकारी, स्लाइडशो के टेंप्लेट, वर्कशीट और मूल्यांकन फॉर्म। अपनी जरूरत के अनुसार आप उन्हें बदल सकते है। कृपया *rotary.org/trainers* पर जाएँ और उन्हें उन समन्वयकों के साथ भी साझा करें जिनके साथ आप काम कर रहे है।

- **क्लब बैनर:** रोटरी वर्ष में रोटरी संस्थान को समर्थन देने हेतु रोटरी क्लबों के लिए उपलब्ध विभिन्न क्लब बैनरों की सूची यहाँ है:

  - 100% संस्थान को देने वाला क्लब
  - 100% प्रत्येक रोटेरियन, प्रत्येक वर्ष क्लब
  - 100% पॉल हैरिस फैलो क्लब
  - वार्षिक फ़ंड देने में शीर्ष तीन प्रति व्यक्ति
  - 100% पॉल हैरिस सोसाइटी क्लब

  रोटरी नेतृत्वकर्ता *My Rotary* के माध्यम से उपलब्ध क्लब फ़ाउंडेशन बैनर रिपोर्ट का इस्तेमाल यह पता लगाने के लिए कर सकते है कि क्या उनका क्लब उपरोक्त सूचीबद्ध वार्षिक मान्यता बैनरों में से किसी एक के लिए योग्यता प्राप्त करेगा या नहीं और वे इन बैनरों को अर्जित करने के लिए अपने क्लबों को प्रोत्साहित कर सकते है। अधिक जानकारी के लिए, रोटरी की वेबसाइट पर रेकग्निशन पृष्ठ देखिये।

> रोटरी नेतृत्वकर्ता *My Rotary* के माध्यम से उपलब्ध क्लब फ़ाउंडेशन बैनर रिपोर्ट का इस्तेमाल यह पता लगाने के लिए कर सकते है कि क्या उनका क्लब उपरोक्त सूचीबद्ध वार्षिक मान्यता बैनरों में से किसी एक के लिए योग्यता प्राप्त करेगा।

- **मंडल अनुदानों के लिए अतिरिक्त धन की उपलब्धता:** रोटरी संस्थान के न्यासियों ने 2019-20 और 2020-21 मंडल अनुदानों के लिए उपलब्ध DDF की राशि को बढ़ाया है। 1 जुलाई 2018 की गणना अनुसार, मंडल पिछले वर्ष के उनके इस्तेमाल ना किए गए DDF (उनका रोलओवर DDF) का 20 प्रतिशत तक इस्तेमाल कर सकते है। इस धन को 2019-20 और 2020-21 मंडल अनुदानों के मध्य बराबर बांटा जाएगा।

  उदाहरण के लिए, यदि दो वर्षों के लिए आपके मंडल के लिए उपलब्ध कुल राशि 10,000 डॉलर है। तो आपके 2019-20 मंडल अनुदान के लिए अनुदान केंद्र में दिखने वाली अधिकतम अनुदान राशि में इसकी आधी राशि भी शामिल होगी। आप 1 जनवरी, 2019 से आपके 2019-20 मंडल अनुदान के लिए आवेदन कर सकते है।

- **प्रमुख दानकर्ता सम्मान दिशा-निर्देश:** प्रमुख दानकर्ता सम्मान के लिए कृपया इस बात को सुनिश्चित करें कि सभी प्रमुख दानकर्ताओं के योगदान, जिनमें AKS योगदान शामिल है, दानकर्ता के **व्यक्तिगत** योगदान है और यह कि मंडल निधि या किसी भी अनुदान संचयन गतिविधि, लाभार्थी/सहयोगी संगठनों से योगदानों का इस्तेमाल उनके योगदानों के मिलान हेतु नहीं किया जा रहा है। ■

रोटरी ने कैदियों को उपहार में हैंडकार्ट्स दिए

टीम रोटरी न्यूज़

डीजी निखिलेश त्रिवेदी कैदियों को हैंडकार्ट समर्पित करते हुए।

सद्भावना की मिसाल कायम करते हुए, रोटरी क्लब जबलपुर, मंडल 3261 ने उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के आलोक में कैदियों को आठ हैंडकार्ट भेंट किया ताकि अभियुक्तों को शहर के केंद्रीय जेल से रिहा होने के बाद उनकी आजीविका को फिर से शुरू करने में मदद मिल सके। कैदियों की पुनर्वास योजना के अन्तर्गत हैंडकार्ट दान किया गया।

रोटेरियन संगमरमर रॉक रन में।

क्लब के अध्यक्ष रचना त्रिवेदी ने कहा, ''ये न केवल कैदियों के मनोबल को बढ़ाने मे मदद करेंगे बल्कि आर्थिक रूप से स्थिर बनाने में भी सहयोग देंगे।'' इस अवसर पर डीजी निखलेश त्रिवेदी, भूतपूर्व अध्यक्ष बलदीप सिंह मैनी और जेल अधीक्षक गोपाल तमराकर उपस्थित थे। कैदियों की एक सभा को संबोधित करते हुए, तमराकर ने रोटरी के सहयोग की सराहना की और क्लब से जेल कैदियों के कल्याण के लिए चिकित्सा शिविर और अन्य परियोजनाओं को आयोजित करने का अनुरोध किया।

संगमरमर रॉक रन

जस्टिस टैंक मेमोरियल रोटरी इंस्टीट्यूट के विकलांग बच्चे जिले प्रशासन और जबलपुर निगम द्वारा आयोजित इस मैराथन मार्बल रॉक रन में प्रतिभागियों में से एक थे, ताकि वे अपने शहर को स्वच्छ और स्वस्थ रखने की आवश्कता पर लोगों के बीच जागरूकता पैदा कर सकें।

150 से अधिक रोटरी स्वयंसेवकों ने रोटरी यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम के अंतर्गत भारत आने वाले अमेरिका के कैला एवेंट और ब्राजील के जोओ पेड्रो के साथ कार्यक्रम में भाग लिया।

इस कार्यक्रम मे मंडल कलेक्टर छवी भारद्वाज और नगर आयुक्त चंद्रमौली शुक्ला ने भी भाग लिया।

रचना त्रिवेदी ने सरकार के अधिकारियों को शहर मे स्वच्छता को बढ़ावा देने और जबलपुर को एक स्मार्ट सिटी बनाने के अभियानों के लिए रोटरी की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।■

ओड़िसी

एक गतिमान कविता

सीता रत्नाकर

दो विविध भाषाएँ होती है - पहली मौखिक जो लोगों को अलग करती है, और दूसरी दृश्य जो सबके समझ में आती है।'' याकोव आगम के ये शब्द सभी प्रदर्शन कलाओं का अच्छे से वर्णन करते है और भारतीय शास्त्रीय नृत्य के लिए सही है जो सदियों से दृश्य माध्यम द्वारा संचारण कर भाषाई बंधनों को तोड़कर जीवित रहा है।

ओड़िसी एक शास्त्रीय नृत्य शैली है जो उड़ीसा के मंदिरों में उत्पन्न हुई और अधिकांशतः महिला नर्तकियों द्वारा प्रदर्शित की जाती थी। समुद्र की तरंगमय लहरों जैसी इसकी हरकतों के साथ इस मनोहर नृत्य ने सांस्कृतिक एवं धार्मिक बंधनों से परे दुनिया भर से नर्तकों को आकर्षित किया है। विभिन्न देशों के अनेक कलाकार नामी गुरुओं से प्रशिक्षण लेने हेतु उड़ीसा आए है और उन्होंने ओड़िसी नृत्य को पूर्णकालिक पेशे के रूप में अपनाया। यूएस की शेरॉन लोएन, इटली की एलिना किटरिस्टी, जापान की मसाका ओनो और मलेशिया के रामली इब्राहिम पेशेवर कलाकार है जो इस समृद्ध परंपरा को प्रदर्शित करते है और इसका प्रचार करते है। जब उनसे उनका अनुभव साझा करने के लिए कहा गया, रामली इब्राहिम कहते है, ''जब मैं नृत्य करता हूँ, मुझे लगता है कि मैं रसा से छलकता एक पात्र हूँ, एक अत्यंत चमकीले जुगनू की तरह, पवित्र एवं चमकदार। यह पवित्र तीव्र आग मेरे भीतर का सबसे

पावन हिस्सा है। यह ऐसा समय होता है जब मैं मेरे पूरे अस्तित्व के साथ जीवन का जश्न मनाता हूँ।'' वह एक पूर्णतया सख्त मुस्लिम परिवार से है और 80 एवं 90 के दशक में मलेशिया कट्टरपंथी धार्मिक भावनाओं के दौर से गुज़र रहा था। ''हालांकि, मैं बचा रहा और जब मैं सफल हुआ, तो स्वीकृति आसान ही नहीं अपितु निर्बाध थी।''

भुवनेश्वर, कोणार्क और पुरी के मंदिरों की नक्काशियों में मौजूद ऐतिहासिक साक्ष्य साबित करते है कि ओड़िसी बहुत लंबे समय से अस्तित्व में है। उदयगिरि में मंचापुरी की गुफाओं में नर्तकों एवं संगीतज्ञों की नक्काशियाँ है जो पहली या दूसरी सदी ईसा पूर्व के जैन राजा खारवेल के समय की है। आसिया शृंखला में स्थित बुद्ध, जैन और हिन्दू पुरातात्विक स्थलों और ललितगिरी, रत्नागिरी और अलटगिरी स्थित गुफाओं एवं मंदिरों में नृत्यों के शिलालेख एवं नक्काशियाँ दिखाई देती है कि यह CEवीं से लेकर नौवीं सदी ईसा पूर्व के है। मंदिरों की नक्काशियों में मौजूद लचकदार मुद्राएं नृत्य के आंतरिक आकर्षण एवं सुंदरता को प्रकट करती है।

ओडिसी प्रतिपादक रमनी रंजन जेना।

ओड़िसी नृत्य में तीन स्कूल हुआ करते थे, महारी, नर्तकी और गोतिपुआ। महारी उड़िया नर्तकियों या देवदासियों द्वारा किया जाता था जिन्हें महारी के रूप में जाना जाता है। इस नाम की उत्पत्ति महा नारी, जिसका मतलब होता है महान नारी और महरी, चुनी गई, से हुई। वे मंदिर के प्रांगण में भक्ति नृत्य किया करते थे। बाद में उन्होंने अपने रंगपटल में जयदेव के गीता गोविंद जैसे अधिक भावमय नृत्यों को शामिल करना शुरू किया। जब राजसभा में नृत्य का प्रदर्शन किया जाता था तो वह नर्तकी नृत्य कहलाता था। गोतिपुआ युवा पुरुष नर्तक होते थे जो लड़कियों की तरह तैयार होकर मंदिर महोत्सव या मेले में नृत्य-नाट्यों में प्रदर्शन करते थे। वह छोटी उम्र से ही प्रशिक्षण लेना शुरू कर देते थे जब उनका शरीर कोमल होता था और उन्होंने कलाबाजी, कसरत, मार्शियल आर्ट्स और लोक तत्वों को नृत्य में जोड़ा। वर्तमान ओड़िसी गोतिपुआ परंपरा से बहुत अधिक प्रभावित है और यह तांडव (पुरुष) और लास्य (स्त्री) पहलुओं का एक सामंजस्यपूर्ण मिश्रण है।

ओड़िसी के बहुत से प्रख्यात गुरुओं ने अपनी युवावस्था में गोतिपुआ के रूप में शुरुआत की थी। केलुचरण महापात्रा, गंगाधर प्रधान, पंकज चरण दास, देब प्रसाद दास और रघुनाथ दत्ता चार प्रमुख गुरु थे जिन्होंने 40 के दशक के उत्तरार्ध एवं 50 के दशक के पूर्वार्ध में ओड़िसी को पुनर्जीवित किया। केलुचरण महापात्रा एक परिपूर्ण नर्तक थे जिन्होंने तीव्र भावनाओं एवं असीम सुंदरता के साथ ओड़िसी की आंतरिक खूबसूरती का चित्रण किया। उनकी विख्यात शिष्या संजुक्ता पाणिग्रही अग्रणी महिला प्रतिपादक थी, जिन्होंने, अपने संगीतज्ञ पति रघुनाथ पाणिग्रही के साथ ओड़िसी को भारत एवं विदेशों में लोकप्रिय बनाया।

ओड़िसी को उसकी विशिष्ट प्रवाही, आकर्षक एवं एंद्रिय हरकतों द्वारा आसानी से अलग किया जा सकता है। बुनियादी नृत्य रूपांकन को भंगा कहा जाता है जहाँ निचला (पैर), मध्य (धड़) और ऊपरी (हाथ और सर) शरीर को चेहरे के हाव-भाव से संतुलित रूप से समन्वित किया जाता है और साज़ पर प्रदर्शित किया जाता है। ये आठ बेलियों, या

मुद्राएँ एवं हरकतों को अनेक प्रकार से मिलाकर बनते है। तीन प्राथमिक नृत्य मुद्राएँ है संभंग - चौकोर मुद्रा, अभंग - जिसमें शरीर दाएं व बाएं जाता है और कूल्हे बगल की तरफ जाते है और त्रिभंग - अंग्रेजी के ड आकर में शरीर का मुड़ाव, जिसमें धड़ एक तरफ झुकता है और सर एवं कूल्हे दूसरी ओर। यह ओड़िसी की सबसे विशिष्ट मुद्रा है, साथी ही चौका भी है जो भगवान जगन्नाथ, जगन्नाथ पुरी मंदिर के प्रधान देवता, को चित्रित करने वाली एक चौकोर मुद्रा है। जब ये हरकतें एक साथ होती है, तो नृत्य निष्कलंक मनोहरता का साक्षात उदाहरण बन जाता है।

नृत्य की पोशाकें स्थानीय तौर पर बुने गए रेशम (पट्टासरी) के साथ पारंपरिक रूपांकन एवं कठिनता पूर्वक बनाई गई चांदी के आभूषणों से बनी होती है। प्रदर्शन रंगपटल में स्तुति, नृत्त (शुद्ध नृत्य), नृत्य (अभिव्यक्तिपूर्ण नृत्य), नाट्य (नृत्य नाट्य) और मोक्ष शामिल होता है। नृत्त अमूर्त, तेज होता है और ज़ोर रचना, गति, विस्तार एवं स्वरूप पर होता है। नृत्य अभिव्यक्तिपूर्ण होता है और एक कथानक के माध्यम से भावनाओं को संचारित करता है।

नाट्यम एक नाटक होता है, आम तौर पर एक सामूहिक प्रदर्शन, लेकिन इसे एक अकेले कलाकार द्वारा भी किया जा सकता है। मोक्ष चरम होता है जो शुद्ध सौंदर्य के क्षेत्र में प्रवेश करता है जिसका मकसद आध्यात्मिकता में आत्मा और शांतचित्तता की मुक्ति को दर्शाना होता है। ओड़िसी नृत्य संगीत पुरी के जगन्नाथ मंदिर के अनुष्ठान संगीत से विकसित हुआ था, और 12वीं सदी के संत-कवि जयदेव इसके प्रमुख कलाकार थे।

लहर की तरह अलंकरण के साथ इसकी विधिबद्ध एवं पृथक गीतात्मक प्रस्तुतीकरण शैली है। वर्ष 2015 से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भुवनेश्वर ने ओड़िसी को बी.टेक. कोर्स में सम्मिलित किया है।

एक पारंपरिक ओड़िसी प्रदर्शन की शुरुआत एक मंगलचरण वंदना के साथ होती है जो ईश्वर, गुरु और दर्शकों के तिहरे अभिवादन के साथ शुरू होती है। इसके बाद एक तीव्र गति का बातु होता है। फिर होता है पल्लवी जिसकी शुरुआत आँखों की धीमी आकर्षक हरकतों से होती है और जैसे-जैसे ये रफ़्तार पकड़कर आरोह तक पहुंचता है तो यह पूरे शरीर तक फ़ैल जाता है। फिर होता है अभिनय जो संगीत या कविता का भावनाओं एवं अभिव्यक्तियों के माध्यम से व्यवस्थापन होता है। यह अक्सर अष्टपदी जैसे संस्कृत गीतों या उड़िया गीतों पर किया जाता है। नृत्य के बाद अक्सर होता है नाट्य जो विभिन्न चरित्रों के साथ पौराणिक कथाओं का व्यवस्थापन होता है। प्रदर्शन का समापन मोक्ष के साथ होता है।

गोतिपुआएँ - लड़कियों के रूप में नृत्य करते छोटे लड़कें।

मैं खुशकिस्मत थी कि मैं ओड़िसी की महत्ता को करीब से समझ सकी जब मैंने 1974 में स्वर्गीय रमणी रंजन जेना से इसे कुछ समय तक सीखा। मेरा सीखना दुर्भाग्य से अधिक समय तक नहीं चला क्योंकि वह जल्द ही मद्रास छोड़कर चले गए परन्तु वह संक्षिप्त प्रभाव भी गहरा था। जब दुनियाभर से नर्तक ओड़िसी सीखने के लिए भारत आते है और इसे ऊपर उठाते है, सही मायनों में इसे सार्वभौमिक बनाते हुए, तो इस पर अत्यंत गर्व महसूस होता है। जैसा कि रमली इब्राहीम कहते है, भारतीय नृत्यों में प्रचुर मात्रा में उपयोग किये जाने वाले किस्से विषयवस्तु की दृष्टि से अनंत है लेकिन असली चुनौती यह है कि कैसे आप उन्हें सार्वभौमिक रूपकों एवं प्रतीकों में परिवर्तित करते है। संस्कृति और कला, शक्ति देने वाले वे घटक है जो हमारे जटिल स्वभाव को समझने में निश्चित रूप से मदद करते है। वे हमें सभ्य बनाते है। एक कलाकार के लिए, जितना अधिक आप स्वयं को एवं अपनी कला को दूसरो को सौंपते है, उतना ही अधिक आप आपके ङ्कअस्तित्व में होने के कारणफ को खोजते है। यही मेरी ङ्कदुर्गमम कलात्मक यात्रा का सर्वश्रेष्ठ सीखने का अनुभव है।

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

मेरा विश्वास बड़े सपने देखना है

सुरेश हरी एस

संपत्ति विकासक, रोटरी क्लब बैंगलोर इंदिरानगर, मंडल 3190

वह एक राउंड टेबलर थे और 1995 में उन्होंने उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में सेवा दी। ''मैं अनिच्छा से वहाँ से बाहर आ गया क्योंकि 40 के बाद वे आपको निकाल देते है, सुरेश हरी कहते है। 1996 में, वह रोटरी क्लब बैंगलोर इन्दिरानगर से जुड़े क्योंकि उन्हें लगा कि वहाँ पर उनकी अच्छी जमेगी।''

हरी संस्थान को लेकर बड़े जोशीले है, विशेष रूप से अनुदानों को लेकर। ''मैंने 50 अनुदान आवेदनों को भरा है और उतनी ही गिनती में मार्गदर्शन किया है। मेरी ताकत है अनुदान और प्रबंधन।'' पीडीजी नागेश के वर्ष में प्रमुख दान, सावधि उपहारों के माध्यम से आधा मिलियन डॉलर इकठ्ठा करने में उनकी अहम भूमिका थी, और अब, रोटरी क्लब बैंगलोर ऑर्चर्डस के अध्यक्ष डी रवि शंकर द्वारा रिकॉर्ड ₹100 करोड़ की प्रतिबद्धता की गई है।

''मैं हमेशा बड़े सपने देखता हूँ और किसी भी काम को बस करने के खातिर कुछ भी करने में विश्वास नहीं रखता हूँ,'' हरी कहते है, याद करते हुये कि कैसे उन्होंने अपने ''संपत्ति विकासक मित्र इरफान रज़क, प्रैस्टीज समूह के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक,'' को एक AKS सदस्य बनने के लिए प्रेरित किया। जब पीडीजी बद्री प्रसाद चाहते थे कि वह मंडल सम्मेलन के लिए ₹10 लाख प्रायोजित करें तो मैं उन्हें इरफान के पास ले गया और उनसे AKS सदस्य बनने का अनुरोध किया। उन्होंने पूछा AKS क्या है और मैंने कहा 250,000 डॉलर देना। ''उन्होंने मुझे प्रस्ताव भेजने के लिए कहा। बद्री मुझसे खुश नहीं थे क्योंकि हमें सम्मेलन के लिए पैसे नहीं मिल सके। पर हमारी खुशी की कल्पना कीजिये जब दो महीने बाद इरफान ने एक AKS दानकर्ता बनने की सहमति दी!''

उनकी पत्नी अनीता उनकी ''सबसे बड़ी प्रेरणा है। चार अन्य लोग जिन्होंने मेरी सफलता में अहम भूमिका निभाई मेरे सदा-प्रोत्साहित करने वाले मात-पिता, ससुर जो सचमुच मेरे गुरु थे, और मेरा सहयोगी नारायणस्वामी अय्यंगर जो हर उस चीज़ का विश्लेषण करता है जिसकी मैं उसके साथ चर्चा करता हूँ।''

सदस्यता के मामले में, हरी संख्या पर नहीं बल्कि गुणवत्ता पर ध्यान केन्द्रित कर रहे है। दो क्लबों की स्थापना की जा चुकी है और वह RISAO के साथ परामर्श करके घोस्ट क्लबों को बंद करने जा रहे है। ''यदि मुझे 1,000 अच्छे सदस्य मिल सके, तो मुझे खुशी होगी, डीजी कहते है।''

बीज बमों एवं पौधारोपण के माध्यम से वह क्षेत्र में हरियाली लाने पर ध्यान दे रहे है। ''यहाँ तक कि मंडल सम्मानों के लिए भी, यादगारों एवं तमगों पर पैसा बर्बाद करने के बजाय हम पौधे रोपेंगे।''

आपके गवर्नरों से मिलें

जयश्री

उन्हें TRF के जादू में विश्वास है

सुभाष जैन

कर सलाहकार एवं शिक्षाविद, रोटरी क्लब गाज़ियाबाद सेंट्रल, मंडल 3012

वह 1986 से एक रोटेरियन है। "शुरुआत में, मैं मज़े करने एवं साहचर्य के लिए रोटरी से जुड़ा था। पर जब मैं श्रीलंका के कैंडी की सैर कर रहा था, तो मुझे एक पूर्णतः शाकाहारी रेस्टोरेंट की तलाश थी। मैं एक आदमी से मिला, जिसने मेरे कोट पर रोटरी का पिन देखने के बाद, एक रेस्टोरेंट की ओर इशारा करते हुए कहा, वहाँ एक रोटरी बैठक चल रही है और मुझे यकीन है रोटेरियन आपकी मदद कर पाएंगे। उस वक्त मुझे रोटरी पिन की ताकत का एहसास हुआ," सुभाष जैन कहते है।

वह 2016 से एक AKS सदस्य है और रोटरी की AKS वेबसाइट को देखने के बाद, जिसमें तब 60 सदस्य थे, उनमें से एक बनने के लिए प्रेरित हुए। "किसी भी चीज़ से बढ़कर मुझे रोटरी द्वारा समुदायों में किये जाने वाले परिवर्तन दिखते है। मुझे संस्थान में और उसके द्वारा किए जाने वाली अच्छाई में बड़ा विश्वास है," वह कहते है।

जैन प्रसन्न है कि उनके मंडल ने चार वैश्विक अनुदान परियोजनाएं निष्पादित की है, जिसमें एक अस्पताल में ₹1 करोड़ के सीटी स्कैन की स्थापना, एक मेमोग्राफी वैन, टाटा टेक्नोलॉजीज की मदद से गाज़ियाबाद के स्कूलों में ई-अध्ययन सुविधाएं और एक विशाल दन्त शिविर का आयोजन करना शामिल है। "अब तक हम 150 दिनों में 1,000 सेवा परियोजनाएं कर चुके है," वह मुस्कुराते है।

डीजी प्रसन्न है कि उन्होंने 10 प्रतिशत अधिक सदस्य जोड़े है और तीन अखिल-महिला क्लब बनाये है। वह मंडल के TRF के 1 मिलियन डॉलर के लक्ष्य को पार करने को लेकर आश्वस्त है और वर्ष के लिए तीन संभावित AKS सदस्य कतार में है।

स्थायी परियोजनाएं समय की मांग है

कोनिडला मुनि गिरीश

अधिवक्ता, रोटरी क्लब गुदुर, मंडल 3160

उनके स्कूल के दिनों में वह लियो क्लब के सदस्य थे और वर्ष 1999 में 28 की उम्र में उनके पड़ोसी द्वारा रोटरी से जुड़ने के लिए उन्हें आमंत्रित किया गया था। मुनि गिरीश उनकी अध्यक्षता के दौरान उनके क्लब द्वारा बनाये गए श्मशान को याद करते है। "मुझे याद है कि कैसे स्थानीय लोगों ने संरचना के लिए रोटरी का धन्यवाद किया था। इसने रोटरी की छवि में बड़े पैमाने पर वृद्धि की थी।"

इस वर्ष वह 20 प्रतिशत अधिक सदस्यों को जोड़कर कुल संख्या को 3,160 पर एवं 10 नए क्लबों को जोड़ना चाहते है। "ग्रामीण क्षेत्र होने की वजह से अधिक महिलाएं रोटरी से जुड़ने की इच्छुक नहीं है सिवाय होसपेट, नेल्लोर और गुलबर्ग जैसे शहरों की महिलाओं के। मैं उन शहरों में अखिल महिला क्लब की स्थापना करने पर काम कर रहा हूँ," गिरीश कहते है।

TRF के लिए उन्हें मंडल से 300,000 डॉलर इकट्ठा करने की आशा है, और वह प्रत्येक क्लब को एक स्थायी परियोजना करने के लिए प्रेरित कर रहे है। "वह एक व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र या एक रोटरी केंद्र हो सकता है; यदि वे ऐसा करते है, तो अध्यक्षों को आजीवन याद किया जाएगा, मैं उन्हें कहता हूँ।" मंडल के पास दो वैश्विक अनुदान परियोजनाओं के लिए मंजूरी है - 19 सरकारी स्कूलों में शौचालय खण्डों के निर्माण की; और विभिन्न स्कूलों में बेंच और डेस्क प्रदान करने की।

उनका ध्यान: बालिकाओं को शिक्षित करना

नीरज सोगानी, ऑटोमोबाइल, रोटरी क्लब जयपुर सेंट्रल, मंडल 3054

हालाँकि क्लब बहुत विशाल क्षेत्र में फैला हुआ है - जैसलमेर से लेकर अहमदाबाद तक लगभग 500 वर्ग किमी में, उन्हें उनका गवर्नर का कार्यकाल पसंद आ रहा है भले ही उसका मतलब आधिकारिक क्लब दौरों के लिए बहुत सी यात्रा करना हो। ''मंडल में राजस्थान और गुजरात शामिल है और दो विभिन्न संस्कृतियों - मारवाड़ी और गुजराती - का अनुभव करना रोचक है,'' नीरज सोगानी कहते है।

बालिकाओं की शिक्षा उनका तात्कालिक ध्यान है, ''क्योंकि विशेषरूप से राजस्थान में, स्थिति अच्छी नहीं है।'' बालिकाओं के उत्थान हेतु काम करने के लिए वह क्लबों से आग्रह कर रहे है। उनकी कार्यसूची में अगला काम है WinS का प्रोत्साहन और वह रैलियों एवं अन्य प्रचार गतिविधियों के माध्यम से जनता को सफाई एवं स्वच्छता पर, और शौचालयों एवं हाथों की धुलाई के स्टेशनों की महत्ता पर संवेदनशील बनाना चाहते है। ''हमें स्थायी परिवर्तन लाना चाहिए,'' वह कहते है।

सोगानी नए क्लबों की स्थापना करने के इच्छुक नहीं है, और वर्तमान क्लबों में ही लोगों को जुड़ने के लिए प्रोत्साहित कर रहे है। इस वर्ष मंडल ने 600 नए सदस्य जोड़े है। पर उन्हें चिंता है कि दिसंबर तक आंकड़ा नीचे गिर जायेगा। ''मैंने कहा है कि मेरी सहमति के बिना कोई भी नाम नहीं हटाया जा सकता, पर इससे काम नहीं बनेगा। काश मैं आर्मी नियम लागू कर पाता,'' वह मुस्कुराते है।

बड़े TRF योगदानों के लिए कहने के बजाय, यह डीजी क्लब अध्यक्षों से 5-6 PHFs और MPHFs बनाने के लिए कहते है। अब तक यह अच्छी तरह कारगर सिद्ध हुआ है, वह कहते है, आगे यह कहते हुए कि प्रत्येक दौरे के दौरान, वह TRF एवं उसकी कार्यप्रणाली पर बोलते है। ''बहुत से लोगों का अभी भी यह गलत मनना है कि रोई TRF के पैसे का उपयोग करती है, पर जब वे सिद्धांत को समझ लेते है तो इच्छापूर्वक आगे आते है।''

सोगानी को वर्ष 2000 में ''रोटरी में धकेला गया'' था लेकिन कुछ वर्षों के बाद विभिन्न मानवीय परियोजनाओं पर काम करने के बाद एवं अपनी ऑस्ट्रेलिया, यूएस और यूरोप की यात्राओं में रोटरी की कार्यप्रणाली को देखने के बाद, ''अब रोटरी के लिए मेरा उत्साह गहन है।''

क्लबों को मजबूत बनाना उनकी प्राथमिकता

प्रियेश भंडारी, हस्तशिल्प निर्यातक, रोटरी क्लब जोधपुर मिडटाउन, मंडल 3053

वह देश के सबसे युवा गवर्नर है। आठ वर्षों तक रोटारेकटर रहने के बाद, प्रियेश भंडारी 1999 में रोटेरियन बने। ''मैं दुनिया भर में यात्राएं करता हूँ और जहाँ भी मैं जाता हूँ मैं रोटेरियनों एवं साथी गवर्नरों से मिलता हूँ। मुझे रोटरी का यह त्वरित संबंध एवं वैश्विक पहुँच पसंद है,'' वह कहते है।

वह उत्साहित है कि क्लब की सदस्यता में 400 नए सदस्यों की वृद्धि हुई है और तीन नए क्लबों की स्थापना की जा चुकी है जबकि पाँच अन्य कतार में है। उनका दल TRF के लिए 250,000 डॉलर इकट्ठा करने के लिए तैयार है, जो मंडल के लिए एक रिकॉर्ड उच्च आंकड़ा है; 15 मुख्य दानकर्ताओं की पहचान की जा चुकी है, जिसमें गवर्नर स्वयं TRF के लिए 50,000 डॉलर का योगदान दे रहे है। किसी एक कार्यक्रम में सर्वाधिक महिला नर्तकियों के लिए मंडल का नाम इंडिया बुक ऑफ़ रिकाड्र्स में दर्ज है। लगभग 1,700 महिलाओं ने जोधपुर में 10,000 दर्शकों के समक्ष पारंपरिक घूमर किया था जिसे यूट्यूब पर आधा मिलियन 'लाइक्स' मिले थे।

100 हैप्पी स्कूल के साथ-साथ उतने ही हाथों की धुलाई के स्टेशन और अलवर में एक ब्लड बैंक का निर्माण करना उनकी कार्यसूची में है।

रोटरी के जादू के बारे में बात करते हुए, भंडारी पाँच वर्ष पूर्व की एक घटना को याद करते है जिसने संगठन में उनके विश्वास को दृढ़ किया। जब उनके साले का उचउ अस्पताल, वेल्लोर, में बोन मेरो प्रत्यारोपण हुआ था तब उन्हें 50-60 यूनिट रक्त की आवश्यकता थी। ''मैंने बस चेन्नई में डीजी को फ़ोन किया और उन्हें अपनी विकट स्थिति समझाई। उन्होंने तुरंत वेल्लोर में रोटेरियनों से संपर्क किया और जल्द ही हमारे पास बहुत से लोग स्वेच्छा से रक्त दान करने के लिए पहुँच गए थे। ऐसा केवल रोटरी में संभव है,'' वह कहते है।

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

मिरकल नामक बच्चे पर रोटरी का जादू

टीम रोटरी न्यूज़

यहाँ एक उदाहरण दिया गया है कि कैसे सोशल नेटवर्किंग साईट रोटरी क्लब को समाज के शोषित-वंचित लोगों तक चिकित्सा और मानवीय सेवाएँ उपलब्ध कराने में मदद कर सकता है। फेसबुक पर एक पोस्ट से मिली सूचना के बाद अनिअगु परिवार और उनके बच्चे को नाइजीरिया से लाने की पहल की गई, और हृदय की बीमारी से पीड़ित दो-वर्षीय बच्चे मिरकल का सफल ऑपरेशन, रोटरी क्लब बेलुर, मंडल 3291, के सहयोग से किया गया।

एक एफबी पोस्ट में, एक भारतीय-अमेरिकन हर्षद रवेशिया ने आपातकालीन चिकित्सा मदद के लिए अनुरोध किया था क्योंकि नाइजीरियाई अस्पतालों में उपकरणों और अन्य सुविधाओं की कमी के कारण यूएस डॉक्टरों की एक टीम बच्चे की सर्जरी पूरा करने में सफल नहीं हो सकी थी। बेलुर क्लब के सदस्य, आर के बुबना, ने फोन और ईमेल के माध्यम से पत्राचार किया और रवेशिया जो रोटरी ईक्लब वन (हॉस्टन, यूएस - मंडल 5450) का प्रतिनिधित्व करते हैं, ने प्रसन्नता के साथ उस बच्चे के मेडिकल रिपोर्ट क्लब को अग्रसारित किया, जिसे क्लब ने नारायण सुपर स्पेशिलिटी हॉस्पिटल, हावड़ा को उनके कार्यवाही के लिए आगे बढ़ाया।

मिरकल, अस्पताल में सर्जरी के बाद।

क्लब के अध्यक्ष राकेश भाटिया कहते है, 'एक वैश्विक अनुदान के अंतर्गत न केवल स्थानीय समुदाय बल्कि नाइजीरिया और अफगानिस्तान में रहने वाले निर्धन बच्चों और वयस्कों के दिल की बीमारियों के उपचार के लिए हमने हॉस्पिटल के साथ निरंतर आधार पर अनुबंध किया है।' मेडिकल रिपोर्ट का अवलोकन करने के बाद, हॉस्पिटल ने सर्जरी करने में अपनी विशेषज्ञता की पुष्टि की।

मिरकल अनिअगु और उसके माता-पिता 25 अक्टूबर को सुबह-सवेरे कोलकाता पहुँचे और बच्चे को उसी दिन अस्पताल में भर्ती कराया गया। अनेक प्राथमिक जाँचों और परीक्षणों के बाद, डॉ. देबासिश दास ने उसका ऑपरेशन किया।

> **आपने हमें सचमुच दिखाया है कि मानवता और संस्कृति से कही बढ़कर है।**
>
> अनियुग जोसेफ, मिरकल के पिता

परीक्षण का समय

हृदय में एक छेद के अतिरिक्त, डॉक्टरों को बच्चे के बाएं ओर धमनी का उपचार करना पड़ा जो बहुत छोटा था। 8 नवंबर को बच्चे को उसके परिवार के साथ छुट्टी दी गई।

क्लब के सदस्य रमेश तिवारी और विष्णु धन्धानिया ने कोलकाता में नाइजीरियाई परिवार के लिए निवास की बेहतर व्ययवस्था की। इस परियोजना को रोटरी ईक्लब वन और रोटरी क्लब ग्रेटर नोएडा, मंडल 9125 के सहयोग से निष्पादित किया गया।

एक काम्प्लमेन्ट्री एफबी पोस्ट में, रवेशिया जी ने लिखा, 'मैं समझता हूँ कि वे अज्ञात लोगों के बीच अज्ञात स्थान पर हैं। आप एकमात्र महत्वपूर्ण व्यक्ति (रोटरी क्लब का जिक्र करते हुए) जो 2 देशों, 2 क्लबों, 2 संस्कृतियों और 2 समुदायों के बीच सेतु के रूप में सेवा कर रहे हैं। हम सभी के लिए आप भगवान के समान हैं।'

भाटिया को उनके धन्यवाद पत्र में, मिरकल के पिता अनियुग जोसेफ ने लिखा, 'आपने हमें सचमुच दिखाया है कि मानवता जाति और संस्कृति से कही बढ़कर है। ये वैसे कार्य हैं जिसे हम अपने जीवन भर नहीं भूलेंगे और संपूर्ण विश्व में इसकी सराहना करेंगे।' ■

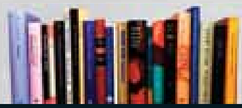

शब्दों की दुनिया

यौन हिंसा के बारे में बात करने के लिए जिगर चाहिए

संध्या राव

40 से भी अधिक वर्षों से बलात्कार के बारे में लिख रही दो महिलाएं उसे अलग-अलग ढंग से कहती है, पर इस बात पर दोनों राज़ी है कि अपराधी के पास हमेशा एक विकल्प होता है।

आप क्या करते है जब आपकी किशोर बेटी आपसे कहती है कि उसका अभी बलात्कार हुआ है? सोहेला अब्दुलली के मामले में, उनके पिता ने उन्हें गले लगा लिया था। फिर उन्होंने सुना कि कैसे हसिया पकड़े चार आदमी उन्हें और उनके पुरुष मित्र को एक पहाड़ी पर ले गए, उन पर हमला किया और उनका नौ-दस बार बलात्कार किया। इसके बाद उन्होंने उनसे पूछा कि वह क्या करना चाहती है। परंतु यह प्रतिक्रिया एक अपवाद है, सोहेला वॉट वी टॉक अबाउट वेन वी टॉक अबाउट रेप, एक समयोचित नई किताब जो जितना दिखती है उससे अधिक कहती है, में उजागर करती है। अनावश्यक रूप से, जब कोई बलात्कार के बारे में बताता है तो सामान्य प्रतिक्रिया सख्त, आलोचनात्मक, शर्मनाक, चरित्र पर सवाल उठाने वाली, एक निष्ठुर 'तुमने ज़रूर करने के लिए कहा होगा' होती है। ये सभी वे अन्य कारण है कि क्यों सोहेला अब्दुलली कि किताब इतनी महत्वपूर्ण है और क्यों इसे हर उम्र के व्यक्ति द्वारा आवश्यक रूप से पढ़ा जाना चाहिए।

लेखिका एक असाधारण मनुष्य है। दोस्तों द्वारा प्रोत्साहित एवं उस समय पुलिस द्वारा किए गए बर्ताव से हतोत्साहित होकर, उन्होंने एक स्त्रीवादी पत्रिका मानुषी (जून-जुलाई 1983) में अपने अनुभव के बारे में लिखा: तीन वर्ष पूर्व मेरा सामूहिक बलात्कार हुआ, जब मैं 17 साल की थी। मेरा नाम और तस्वीर इस लेख के साथ प्रकाशित है। सरल, सीधी भाषा में, उन्होंने ईमानदारी से एवं परिपक्वता के साथ लिखा: बारंबार लोगों ने एहसास दिलाया कि उस अमूल्य 'कौमार्य' को खोने से बेहतर तो शायद मौत होती। मैं इसे मानने से इंकार करती हूँ। मेरे लिए मेरी ज़िंदगी बहुत कीमती है।

आज, #MeToo अभियान को मिल रही ताकत और इसके द्वारा दिखाई जाने वाली समाज की भयानक स्थिति ने उस पुराने लेख का सामाजिक मीडिया पर संचार कर दिया है। इस बीच, सोहेला ने अपनी ज़िंदगी को फिर से जीना शुरू किया, इस विषय पर यह समझने के प्रयास में बड़े पैमाने पर काम करने के दौरान कि बलात्कार क्यों होते है और दुनिया भर में इतने व्यापक स्तर पर क्यों होते है। एक पीड़िता, अन्वेषक, कार्यकर्ता एवं सलाहकार के रूप में उनके चिंतन का परिणाम है *वॅट वी टॉक अबाउट...*

यह किताब इस बारे में भी है कि ''हम किस बारे में बात नहीं करते है। हम उत्तेजक आशंकाओं के बारे में बात नहीं करते है। हम भरोसे को फिर से कायम करने के बारे में पर्याप्त बात नहीं करते है। हम आनंद और रोष के बारे में पर्याप्त बात नहीं करते और इस बारे में भी कि कैसे इन दोनों को अपने जीवन में बैठाना है। ...बलात्कार रोशनी को छीन लेता है। मैं कुछ रोशनी को दोबारा आने देना चाहती हूँ। मेरे पास उत्तर नहीं है, पर मैं उन कुछ सवालों एवं मान्यताओं पर प्रकाश डालना चाहती हूँ जिन्हें हम सब अपने साथ लेकर चलते है। हमें बलात्कार के बारे में बात करना चाहिए, और हमें इस बारे में बात करना चाहिए कि कैसे हम बलात्कार के बारे में बात करते है।''

यह एक संवाद है - स्वयं के साथ, पाठकों के साथ; यह सवालों से भरी हुई एक बातचीत है। बहुत अधिक जवाब नहीं है, परंतु एक समझ है और कारण का पता लगाने की एक तीव्र इच्छा है। सोहेला के सवालों से जो एक विचार उत्पन्न होता है वह यह है: क्या कोई ऐसा है जो अपने नजदीकी या जान-पहचान वालों में किसी ऐसे को जानता हो जिसका कभी बलात्कार या यौन उत्पीड़न हुआ हो या उसे उंगली से एवं जबर्दस्ती छुआ गया हो? मैं जिन लोगों - महिलाओं, लड़कियों, लड़कों - को जानती हूँ उन्हें गिनने के लिए मुझे दो से अधिक हाथों की जरूरत है।

वह ज्ञान आपसे कभी अधिक दूर नहीं है और इसके द्वारा अभिप्रेरित मंथन अत्यधिक भ्रामक हो सकता है, उदाहरण के लिए, #MeToo की भरमार कष्टप्रद रही है। जब वह कहती है, ''...जब मैं प्रसिद्ध महिलाओं की पुरुषों की ओर मुस्कुराते हुये एवं उनके गले लगते हुये की तस्वीरें देखती हूँ जिन्हें वे बाद में बलात्कारी कहती है तो मुझे सब समझ में आ जाता है। यह तथ्य आपको दोषी नहीं बनाता कि आपको चोट पहुँचाने वाले व्यक्ति के प्रति आपकी अस्पष्ट भावनाएँ है। यह आपको इंसान बनाता है, तो बात समझ में आने लगती है।''

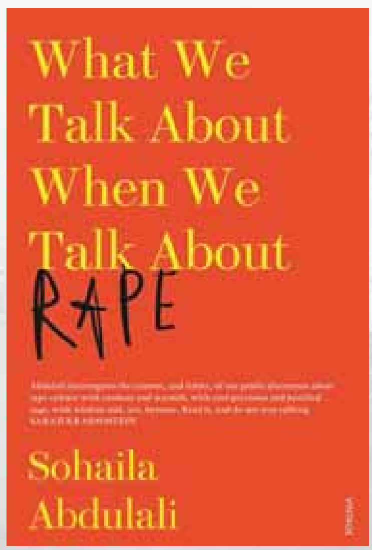

सोहेला दुनिया भर के पीड़ितों, कार्यकर्ताओं एवं परामर्शदाताओं के अनुभवों से उद्धरण देती है। वह हमें 1970 के दशक के मथुरा बलात्कार मामले कि याद दिलाती है जहाँ एक आदिवासी महिला का पुलिस थाने में बलात्कार किया गया था। वह उस युवती ज्योति सिंह को याद करती है जिसके बलात्कार और बाद में मौत ने पूरे राष्ट्र को विरोध करने के लिए उत्तेजित किया था। जब जम्मू और कश्मीर के कठुआ के जंगलों में आठ-वर्षीय आसिफ़ा की लाश मिली तो काफी कम आवाज उठी। उसका बलात्कार कर उसके सिर पर प्रहार करके उसका खून किया गया था। आठ वर्षीय। विरोध हुए, पर इस बार विरोध सांप्रदायिक पहलुओं पर हुये थे।

जिस व्यक्ति ने पहली बार #MeeToo वाक्यांश का इस्तेमाल किया वह एक अश्वेत महिला तराना बुर्क थी जो, 1997 में, एक 13 वर्षीय यौन-शोषित की गोपनीय बातों की जानकार थी। तराना ने उसके अभियान का नाम चशढे रखा। केवल इतना ही नहीं, सोहेला ने बताया कि, अप्रैल 2016 में, ''दो लेखकों, एक कोलंबियाई और एक मेक्सिकन, ने महिलाओं से यौन उत्पीड़न के बारे में पोस्ट करने के लिए ट्विटर पर अपील की। हजारों लोगों ने साहस करके कहा, हजारों लोग सड़कों पर उतरे, और लिंग आधारित हिंसा राष्ट्रीय स्तर के तर्क का हिस्सा बन गई। और फिर भी, इस बात से अनजान हम में से बहुत से लोगों के लिए, #MeeToo अपने प्रकार का पहला था।'' वह *विरोध प्रिमवेरा* वायलेट (बैंगनी वसंत) कहलाया।

इस किताब को पढ़ने से यह समझने में मदद मिलती है कि क्यों लड़के तो लड़के रहेंगे तर्क कभी भी कानूनी या नैतिक तौर पर प्रचलित नहीं हो सकता। हमें हदें तय करने की आवश्यकता है, हमें यह मानना ही होगा जब कोई कहता है कि उनका शोषण किया जा रहा है, हमें समर्थन करना चाहिए एवं सुनना चाहिए। सोहेला हमें याद दिलाती है, बलात्कार संभोग नहीं है, यह यौन हिंसा है।

उनकी वजह से, मैंने थोर्डिस एल्वा और टॉम स्ट्रेंजर की एक टेड टॉक देखी, जिन्होंने उस संदर्भ में उनके द्वारा लिखित एक किताब *साउथ ऑफ़ फॉर्गिवनेस* पेश की। वर्षों पूर्व, जब टॉम आइसलैंड में एक 18 वर्षीय एक्सचेंज छात्र था, तो उसने उसकी 16 वर्षीय प्रेमिका थोर्डिस के साथ जबर्दस्ती की। यह समझने में उसे कई वर्ष लगे कि उसने जो किया वह

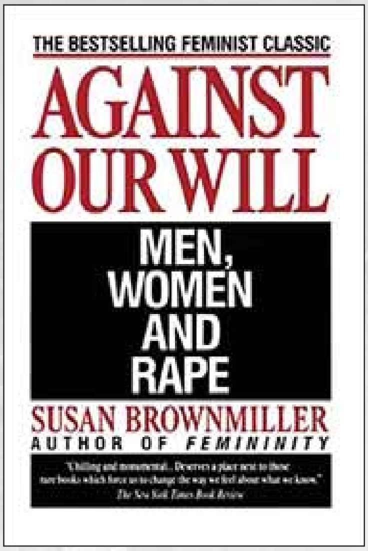

बलात्कार था। थोर्डिस द्वारा शुरू की गई एक अनूठी कोशिश में, उन्होंने उस कृत्य का सामना करने एवं अपने अंदर के शैतान से सम्मुख होने हेतु मिलने का निश्चय किया। इस प्रक्रिया में, उन्होंने एक किताब लिखी। बातचीत के दौरान, जब थोर्डिस ने कहा कि बलात्कार महिलाओं का मुद्दा नहीं है, तो दर्शकों ने उनकी वाहवाही की। यह एक शक्तिशाली संवाद है।

सूसन ब्राउन मिलर की *अगेंस्ट आउर* विल एक अत्यंत प्रभावशाली किताब है जो एक पूर्णतः अलग पद्धति को अपनाती है। 1975 में प्रकाशित यह किताब इस विषय पर लिखी गई पहली किताब है और इसे अब भी एक आदर्श समझा जाता है, हालांकि उनकी कुछ परिकल्पनाएं विवादास्पद है। जैसा कि साशा कोहेन TIME (अक्टूबर 2015) में किताब की उनकी समीक्षा में कहते है, ब्राउनमिलर का ''निश्चित उद्देश्य बलात्कार का इतिहास बताना था और वह प्राचीन बेबीलोनिया में यौन हिंसा से लेकर आधुनिक युग के युद्धकालीन बलात्कारों की घटनाओं तक की जानकारी देती है। युद्ध में एवं अन्य प्रकार के राजनैतिक संघर्षों में बलात्कार के रणनीतिगत प्रयोग पर उनके ज़ोर ने यौन हिंसा को एक सामूहिक सामाजिक समस्या के साथ-साथ पीड़ित को नीचा दिखाने एवं उसके सम्मान को चोटिल करने का सुविचारित एवं सुनियोजित कृत्य बताया।'' वह आगे कहते है, ''आज जिसे स्त्रीवाद 'बलात्कार संस्कृति' के रूप में परिभाषित करता है उसकी जड़ें ब्राउनमिलर के बलात्कार सिद्धांत में सामाजिक नियंत्रण के माध्यम के रूप में, लिंग भूमिका सामाजीकरण पर उनके ज़ोर में और मीडिया में यौन हिंसा के महिमामंडन की उनकी आलोचना में मौजूद है।''

उनके अनुसंधान की हदें कल्पनातीत है, और जिस तरह से उन्होंने उसे जोड़ा है वह उत्कृष्ट रूप से पठनीय है, हालांकि इसमें सोहेला की सरल शैली की कमी है। परन्तु ऐसा इसलिए है क्योंकि दोनों किताबें मूल रूप से स्वभाव में भिन्न है। सोहेला की किताब को इस अत्यंत प्रभावशाली कार्य के संदर्भ में और थॉर्डिस और टॉम के मध्य के अनोखे सहकार्य के संदर्भ में पढ़ा जा सकता है। या इसे अकेले पढ़ा जा सकता है। जैसे भी पढ़ा जाए, दोनों ही किताबें हमें याद दिलाती है कि हम अकेले नहीं है।

जब थोर्डिस और टॉम लदंन के रॉयल फेस्टिवल हॉल में बोल रहे थे, तो वहाँ एक बलात्कारी की मौजूदगी का विरोध करने के लिए लोग बाहर इकट्ठा हुए थे। वे चिल्ला रहे थे, बलात्कारियों को मानवीय बनाने की आवश्यकता नहीं है। ''मैं ऐसा नहीं मानती,'' सोहेला कहती है। ''मुझे लगता है कि हमें बलात्कारियों को मानवीय बनाने से शुरुआत करना चाहिए, उनके कृत्यों को नीच बताने के बजाए इस सच्चाई का सामना करके कि बलात्कारी इंसान होते है। यह जुर्म को बेहतर करने की बजाय खराब करता है। इंसानों के पास विकल्प होता है, और बलात्कार एक भयंकर चुनाव है।''

यह एक भद्दा चुनाव है। इसलिए ही सूसन ब्राउनमिलर आखिरी शब्दों की हकदार है जब वह लिखती है, ''मेरा उद्देश्य...बलात्कार को उसका इतिहास देना था। अब हमें उसे एक भविष्य नहीं देना चाहिए।''

बारंबार लोगों ने एहसास दिलाया कि उस अमूल्य 'कौमाय' को खोने से बेहतर तो शायद मौत होती। मैं इसे मानने से इंकार करती हूँ। मेरे लिए मेरी ज़िंदगी बहुत कीमती है।

स्तंभकार बच्चों की लेखिका और वरिष्ठ पत्रकार हैं।

Rotary PEOPLE OF ACTION

मंडल गति

रोटरी क्लब कुंबकोणम शक्ति - मंडल 2981

स्वच्छ भारत मिशन के तहत सड़कों को साफ करने के लिए कॉलेज के लगभग 2,000 विद्यार्थियों ने क्लब सदस्यों एवं अन्य साझेदारों से हाथ मिलाया। रोटेरियनों ने स्वयंसेवकों के लिए उपयोगी वस्तुएँ जैसे दस्ताने, कपड़े के थैले और स्नैक्स का प्रायोजन किया।

रो ई मंडल 2982

RISAO द्वारा एक CSR बैठक के आयोजन के बाद, डीजी निर्मल प्रकाश ने रोटरी-CSR साझेदारी पर एक कार्यशाला संचालित की। लगभग 100 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया और अपनी क्लब परियोजनाओं पर स्पष्टीकरण मांगा। DGE डॉक्टर ए के नातेसन, DGN वेंकटेसन और PDG आर वासु कार्यशाला में उपस्थित थे।

रोटरी क्लब वालटेयर - मंडल 3020

डीजी विश्वनाथ द्वारा ओलिवेट स्कूल में एक दंत शिविर का उद्घाटन किया गया जिसमें तीन डॉक्टरों ने विद्यार्थियों की मौखिक स्वच्छता की जांच की। उन्हें टूथपेस्ट और ब्रश वितरित किए गए।

रोटरी क्लब मदुरई इनोवेटर्स - मंडल 3000

350 से अधिक स्कूल दलों ने TN चैम्बर ऑफ कॉमर्स में आयोजित 'क्विज़रथंडा', एक अनुदान संचयन समारोह, में हिस्सा लिया जिसमें DGE डॉक्टर ज़मीर पाशा और निगम आयुक्त अनीश शेखर सम्माननीय अतिथि थे।

विधियाँ

रोटरी क्लब सूरत राउंडटाउन - मंडल 3060

क्लब ने जीवन ज्योति हैल्थ सेंटर को ₹13 लाख की दो डायलिसिस मशीनें प्रदान की। समर्पण समारोह में PDG रुचिर जानी और PDG भरत सोलंकी उपस्थित थे।

रोटरी क्लब जालंधर - मंडल 3070

16 विशेष स्कूलों के विद्यार्थियों को यूनिफ़ॉर्म एवं बस्ते वितरित किए गए। इस परियोजना ने शहर में रोटरी की सार्वजनिक छवि को सुधारा।

रोटरी क्लब करनाल मिडटाउन - मंडल 3080

डीजी प्रवीण गोयल ने केरल में बाढ़ पीढ़ितों के लिए एक राहत वैन को हरी झंडी दिखाई। उसमें 50 राहत किटें मौजूद थी, और हर एक किट में एक दरी, एक बेडशीट, एक पैंट, शर्ट, एक सलवार सूट, बच्चों के लिए दो जोड़ी कपड़े, नवजात के लिए एक कपड़ा और चार जोड़ी जूते शामिल है।

रोटरी क्लब मुरादाबाद वेस्ट सोनकपुर - मंडल 3100

मासिक धर्म स्वच्छता, ग्रीवा कैंसर और खून की कमी पर जागरूकता कार्यक्रमों के साथ एक स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया जिसमें क्लब अध्यक्ष बबीता गुप्ता ने बात की। PAC बटैलियन में 500 महिला कैडेट का हीमोग्लोबिन परीक्षण भी किया गया।

रोटरी क्लब बरेली मेट्रो - मंडल 3110

बरेली में आम जनता के लिए एक विस्तृत चिकित्सीय शिविर आयोजित किया गया। जरूरतमंदों को दवाइयाँ और विटामिन की गोलियां भी दी गई।

मंडल गति

रोटरी क्लब पुणे स्पोर्ट्स सिटि - मंडल 3131

एक वैश्विक अनुदान परियोजना के अंतर्गत, क्लब ने रोटरी क्लब औंध, मंडल 3131, और रोटरी क्लब फोर्ट कॉलिन्स ब्रेकफ़ास्ट, मंडल 5440, यूएस, के साथ मिलकर, सूखा प्रभावित पिंगोरी गाँव को एक खेती की जन्नत में परिवर्तित कर दिया। एक तालाब की खुदाई करने एवं उसकी गाद निकालने के बाद, ₹24 लाख की लागत से 50 एकड़ से अधिक के क्षेत्र में एक टपक सिंचाई प्रणाली स्थापित की गई जिससे 2,500 गाँव वाले लाभान्वित हुए।

रोटरी क्लब कल्याण टाइगर्स - मंडल 3142

23 स्कूलों के 2,500 से अधिक विद्यार्थियों को किताबें एवं कापियाँ दी गई। रोटेरियनों ने उनकी हैप्पी स्कूल परियोजना के तहत उन्हें पढ़ने की अच्छी आदतों पर परामर्श दिया।

रोटरी क्लब गुंतकाल - मंडल 3160

एक नेफ्रोलॉजी शिविर का आयोजन किया गया जिसमें अनंतपुर के डॉक्टर एम वेंकट हरीश ने मरीजों की जांच की। कुछ मरीजों को उपचार के लिए स्थानीय अस्पताल भेजा गया।

रोटरी क्लब तिरुपति - मंडल 3190

रोटरी क्लब शेरतलाई, मंडल 3211, की सहायता से केरल की मन्नार और चंगनसेरी जैसी जगहों पर बाढ़ पीढ़ितों की मदद करने के लिए इलेक्ट्रिशियन और नलकारों के एक दल को भेजा गया।

रोटरी क्लब इरिंजलकुड़ा - मंडल 3201

मंडल की परियोजना *धान्यदान* के अंतर्गत, क्लब ने केरल में आई भीषण बाढ़ के दौरान एक स्कूल में शरण ले रहे 35 परिवारों को चावल एवं अन्य किराने का सामान प्रदान किया।

विधियाँ

रोटरी क्लब कड़ायानल्लुर - मंडल 3212

लाभार्थियों को उनकी आय बढ़ाने एवं उनके परिवारों का ध्यान रखने में मदद करने हेतु उन्हें बकरियाँ दी गई।

रोटरी क्लब वनियमबाड़ी मिडटाउन - मंडल 3231

डॉक्टर अग्रवाल नेत्र अस्पताल के सहयोग से ब्राइट मेट्रिक स्कूल में एक नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। साक्षरता परियोजना के तहत, कंकोर्डिया उच्चतर माध्यमिक स्कूल में एक मंडल खेल प्रतियोगिता आयोजित की गई।

रोटरी क्लब पटना - मंडल 3250

उनकी प्लैटिनम जयंती के उत्सव के रूप में, क्लब एक वृद्धाश्रम, सहारा वृद्ध आश्रम, में नियमित रूप से चिकित्सीय जांच कर, बर्तन, नए कपड़े एवं टॉयलेटरीज़ देकर वृद्धाश्रम की सहायता कर रहा है।

रोटरी क्लब सुंदरगढ़ टाउन - मंडल 3261

स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में एक पौधारोपण मुहिम चलाई गई जिसमें हॉस्टल के विद्यार्थियों, रोटेरियनों एवं संकाय द्वारा 100 से अधिक प्रजाति के पौधे लगाए गए।

रोटरी क्लब कलकत्ता कंकुरागाची - मंडल 3291

क्लब सदस्यों ने रोटरेक्टर्स के साथ मिलकर काम कियाटेक्नो इंडिया यूनिवर्सिटी और निवासियों ने लगाएन्यू टाउन राजरहाट के विभिन्न स्थानों पर 30 पौधे, एक शहर में आगामी उपग्रह टाउनशिप। पीडीजी श्यामाश्रीसेन मुख्य अतिथि थे।

वी मुत्तुकुमारण द्वारा संकलित
एल गुणाशेकरण द्वारा रुपांकन

सुविधाजनक पुस्तक

संध्या राव

हालांकि, इस पुस्तक का आवरण पुराना लगता है-चार युवाओं के चित्र के सिवाय, जो भारत के किसी भी क्षेत्र के नहीं दिखते-शीर्षक से यह स्पष्ट है कि यह किताब किशोरों के लिए है या उनके लिए जिनका किशोरों से ज़रा भी ताल्लुक है। जब हम घुटने चलते बच्चों की बात करते हैं; तो हम उनके व्यवहार के बारे में बात करते हैं; वही बात किशोरावस्था पर लागू हो सकती है।

खैर, जो भी हो, कम से कम एक किताब तो है जो व्यक्ति के जीवन के इन महत्वपूर्ण वर्षों से सम्बंधित जिज्ञासा का समाधान कर सकती है। यही नहीं, भारत के युवा और वृध्द लोगों का सामान्य और व्यावहारिक ज्ञान कम होने के कारण और यौन शिक्षा व जानकारी के अभाव में रिक्त रह गए कई स्थान झक झोरते हैं, यहां मैं कहूंगी कि आख़िरकार सहानुभूति से लिखी गई, यह पुस्तक हर उम्र के लोगों के लिए व्यावहारिक है।

सबसे पहले, उम्र बढ़ने के साथ एक लड़की और लड़के के शरीर में होने वाले बदलाव की बात करते हुए लेखक सीधे गहराई में उतर जातेहैं। यह महत्वपूर्ण और उपयोगी जानकारी स्पष्ट और सरल तरीके से चित्रों की सहायता से दर्शाई गई है। पाठक को हार्मोन, शारीरिक परिवर्तन, मासिक धर्म की अवधि, इरेक्शन और स्खलन, हस्तमैथुन जैसी घटनाओं के बारे में समझाता है, असमंजस के चलते कुछ चीजें माता-पिता और शिक्षक अपने बच्चों को नहीं समझा पाते। उदाहरण के लिए शरीर की गंध की बात करें।

कितनी बार ऐसा हुआ कि आप ऑफिस गए और एक सहकर्मी के शरीर की गंध के भभके से झटका खा कर दूर छिटक गए? यह पुस्तक, ऐसी कई चीजों की बात करते हुए नियमित और उचित रूप से स्वच्छ रहने की आदतों की आवश्यकता पर ज़ोर देते हुए ज़िंदगी के सबक सिखाती है। ।

साफ़ लगता है कि लेखक को युवा लोगों का खासा अनुभव है। यही कारण है कि इस पुस्तक का लहज़ा आसान और दोस्ताना है भले ही यह पूरी तरह से सूचना परक है। ढंग से खाना, स्वस्थ भोजन करना, फिट रखना, अपनी भावनाओं को पहचानना, शर्म और अकेलेपन से निपटना, तनाव, अवसाद, स्वरुप और आत्म-सम्मान, आत्मघाती विचार, वयस्कों के साथ मतभेद, भाई बहन में प्रतिद्वंद्विता, सहकर्मी दबाव, धमकाना, हिंसा और दुर्व्यवहार, दोस्त, शारीरिक आकर्षण, प्यार, यौन संक्रमित बीमारियां, व्यसन, समलैंगिक यौन संबंध इन सभी मुद्दों को स्पष्ट और बड़े ही सोद्देश्यपूर्ण तरीकों से और सबसे महत्वपूर्ण, इसे निष्पक्ष रूप से समझाया गया है। यही इस उपयोगी और अत्यंत सारगर्भित पुस्तक का सबसे बड़ा लाभ है।

टीन टाइम्स: किशोरावस्था के हर प्रश्न का उत्तर मुखरता से और खुल कर लेकिन संवेदनशीलता के साथ
लेखक: ग्रेशियन वास,
ब्लॉसम बुक्स, 2017,
पृष्ठ 221, मूल्य ₹ 299

उदाहरण के लिए, धमकाने की बात करें । शारीरिक, मौखिक, सामाजिक और साइबर तरीकों से धमकाया जा सकता है। लेखक चर्चा करता है कि धमकियां कब और कैसे पनपती हैं और कोई किसी को कब धमकाता है। इसमें शक्ति प्रदर्शन, हिंसा और जीतने की आंकाक्षा, या निराशा, चोट, ठेस और क्रोध, या ध्यान, तवज्जो में कमी, पालन पोषण ठीक ना होना, लगातार हिंसा के संपर्क में रहना (आपने कई बार देखा होगा कि सिनेमाघरों की बड़ी स्क्रीन पर छोटे बच्चे हिंसा के दृश्यों को देखते है)।

वास, धमकियों का सामना करने के कुछ तरीके बताते हैं, वो यह कि धौंस दिखानेवाला क्या कह रहा है उस पर ध्यान नहीं देना, कमजोर या भयभीत नहीं दिखना, घूंसे चलाना सीखना, अकेले नहीं रहना, भड़काने पर प्रतिक्रिया नहीं दिखाना, ऑनलाइन धमकियों को अनदेखा करना और आप जिस पर भरोसा करते हैं उसके साथ अनुभव साझा करना। सभी समाधान बिल्कुल उचित और व्यावहारिक हैं।

समलैंगिक यौन संबंधों पर लिखा अध्याय यौन अभिविन्यास के बारे में महत्वपूर्ण व उपयोगी जानकारी प्रदान करता है। हालांकि यह जानकारी बहुत संक्षिप्त है, पर एक ऐसे समाज के संदर्भ में जो समलैंगिकों के प्रति बेहद भयभीत है, ये संक्षिप्त जानकारी भी पाठकों का दिमाग खोलने और साथ ले कर चलने में सहायक सिद्ध होगी। उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट के हालिया ऐतिहासिक निर्णय से ये समझने में मदद मिलेगी कि वयस्क समलैंगिक यौन संबंध अपराध नहीं है और यौन अभिविन्यास प्राकृतिक है।

पुस्तक में एक कमी खलती है, ऐसा लगता है कि इस विषय पर अधिकतर जानकारी विदेशों में, विशेषकर पश्चिम में किए गए शोध और अध्ययन पर आधारित है। भारत में किये गए अध्ययन और यहां के विभिन्न सांस्कृतिक अनुभवों का सन्दर्भ दे कर निश्चित ही इस पुस्तक में अधिक योगदान दिया जा सकता था। और फिर, इस पुस्तक की पैकेज़िंग समकालीन फैशन के अनुसार करने कीआवश्यकता है। लेकिन यदि आप किसी पुस्तक का आकलन उसके आवरण से नहीं करने के लिए तैयार हैं तो इससे किसी भी उम्र में परामर्श ले सकते हैं। ■

Rotary PEOPLE OF ACTION

बच्चों को आनंदित करने वाली सवारी

टीम रोटरी न्यूज़

रोटरी क्लब मद्रास टेम्पल सिटी द्वारा पिकनिक की व्यवस्था में बच्चें।

मद्रास मंदिर शहर के रोटरी क्लब ने वर्ष 2018-19 के लिए एक प्रमुख परियोजना के रूप में 'हीलिंग लिटिल हार्ट्स' नामक एक परियोजना शुरू की है। हृदय की जन्मजात बीमारियों वाले बच्चों को लाभ पहुंचाने के लिए, यह परियोजना अपना ध्यान उन बच्चों पर केंद्रित करती है, जिनके माता-पिता जीवन के लिए खतरनाक स्थितियों के उपचार के लिए आवश्यक महंगी चिकित्सा और शल्य-चिकित्सा के उपचार का खर्च वहन करने में समर्थ नहीं हैं।

क्लब की हीलिंग लिटिल हार्टस् परियोजना के लाभार्थी।

क्लब द्वारा किए गए अनुसंधान से यह स्पष्ट हुआ है कि भारत में प्रति वर्ष 28 मिलियन जीवित बच्चें जन्म लेते हैं, जिसमें से लगभग 1,80,000 बच्चें प्रति वर्ष जन्मजात हृदय रोग के साथ जन्म लेते हैं। प्रारंभिक निदान और समय पर उचित उपचार इन बच्चों को सामान्य जीवन जीने में मदद कर सकता है।

क्लब के पूर्व अध्यक्ष डॉ प्रीथिका चेरी कहते हैं कि क्लब चेन्नई में डॉक्टरों के साथ सहयोग करते हुए बच्चों के लिए कार्य करने के इच्छुक हैं "और अभी तक हमने दो प्रमुख ओपन हार्ट सर्जरी सहित अब तक सात कार्डियक ऑपरेशन के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराया है।"

इससे पहले, अगस्त के आखिरी सप्ताह में क्लब ने चेन्नई के एक सरकारी पंचायत स्कूल के 63 बच्चों के लिए मेट्रो जॉय राइड आयोजित करके मद्रास वीक मनाया था। वार्षिक सैर के हिस्से के रूप में, सवारी के बाद उन्हें गिंडी चिल्ड्रेन पार्क और मरीना बीच पर ले जाया गया और उन्हें नाश्ता उपलब्ध कराया गया। ■

40 के बाद फिट रहे

शीला नाम्बियार

जैसे-जैसे हम बड़े होते है हमारे शरीर में बदलाव होते है और हमें गुणवत्तापूर्ण जीवन जीने के लिए उसके हिसाब से ढलना पड़ता है। महिलाओं में एस्ट्रोजन के गिरते स्तर से मासिक धर्म बंद हो जाता है और पुरुषों में टेस्टोस्टेरोन के गिरने से एंड्रोपॉस होता है। मूड बदलना, जीवन के प्रति उत्साह कम होना, मांसपेशियों में कमजोरी, स्मृति में कमी, सभी उम्र के साथ होने वाली आम समस्याएँ है यदि विशेष रूप से इन्हें संबोधित नहीं किया जाए तो।

यहाँ पर हमारी उम्र बढ़ने के साथ स्वस्थ रहने के कुछ टिप्स है -

आपका वज़न

स्वस्थ दीर्घायु के लिए आदर्श वज़न का होना महत्वपूर्ण है। पाया गया है कि अतिरिक्त वज़न का होना दिल की सेहत के लिए हानिकारक होता है। मोटे व्यक्तियों को अवसाद, चरबीदार लिवर, उच्च रक्त चाप, मधुमेह, स्ट्रोक, नींद अश्वसन के साथ-साथ और भी अनेक स्वास्थ्य समस्याएँ होने का खतरा होता है जो जीवन की गुणवत्ता को कम करते है।

हालांकि, वज़न कम करते वक्त (जब आवश्यक हो) ध्यान 'चर्बी कम करने' पर होना चाहिए ना कि मांसपेशियाँ कम करने पर (यह भी कांटे पर कम वज़न की तरह दिखेगा)। उम्र के साथ उपापचय धीमा हो जाता है।

कसरत, ताकत और गठीला शरीर

मांसपेशियों की ताकत एवं उन्हें गठीला बनाने के लिए, विषेशरूप से बढ़ती उम्र के साथ, ताकत प्रशिक्षण तंदरुस्ती का एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्तम्भ है। जैसे-जैसे हम बूढ़े होने लगते है हमारा वज़न बढ़ने लगता है और मांसपेशियाँ कम होने लगती है, विशेषकर तब जब हम शरीर को गठीला बनाने या उसे बरकरार रखने के लिए सक्रिय रूप से प्रशिक्षण नहीं करते। भारतीयों का शरीर सहज रूप से गठीला नहीं होता और इसलिए यह एक नुकसान है। मांसपेशियों में ताकत की कमी से कमजोरी एवं 'निर्बलता' आती है।

चाहे वज़न जो भी हो, यह सभी के लिए जरूरी है कि वे कसरत निरंतर करते रहे। अपनी दिनचर्या में कार्डियो (चलना, साइकल चलाना, तैरना, सामूहिक कक्षाएँ), ताकत प्रशिक्षण और लचीलेपन के लिए योग जैसी किसी प्रकार की कसरत को शामिल करें।

नियमित कसरत से

- व्यायाम करने से एंडोर्फिंस स्रावित होता है जो मूड को अच्छा बनाए रखता है।
- स्मृति बरकरार रहती है एवं बेहतर होती है
- चर्बी नहीं चढ़ती है
- शारीरिक मुद्रा बेहतर होती है
- दर्द एवं तकलीफ़ें नहीं होती है
- निर्णय लेना बेहतर होता है
- जीवन शक्ति में वृद्धि होती है
- मधुमेह, उच्चरक्तचाप, मोटापा, दिल की बीमारी और भी ऐसी अनेक उम्र एवं जीवनशैली संबन्धित बीमारियाँ थम जाती है।

आपका आहार

''भोजन को अपनी दवा और दवा को अपना भोजन होने दें।'' हिप्पोक्रेट्स ने कहा था।

आप जो खाते है उससे आप या तो ठीक हो सकते है या बीमार।

लंबी अवधि में 'वज़न कम' करने का आदर्श तरीका कम भोजन करना नहीं है। हो सकता है कि अल्पअवधि में आपका कुछ वज़न कम हो जाए, पर भूखे रहने वाला परहेज निश्चित रूप से चिरस्थायी नहीं होता। आपको ऐसा आहार लेना चाहिए जो ना केवल आपका वज़न आदर्श स्तर पर बनाए

रखे बल्कि आपको पोषित भी करे और जिसे आप आजीवन लेते रह सकें।

ब्रैड/धान्य/अनाज समूह से मिलने वाले कार्बोहाइड्रेट को एकदम न्यूनतम स्तर पर ले जाइए (हमारे भारतीय आहार में इस समूह की भरमार है)। बहुत सारी सब्जियों, कुछ फल एवं सेम, फलियों, बीजों और मूँगफली से मिलने वाले प्रोटीन का सेवन करें।

फास्ट फूड (खराब गुणवत्ता वाली सामग्री से बना), संसाधित खाद्य और शक्कर से बचना चाहिए। सस्ता, आसानी से मिलने वाला एवं बड़ी खाद्य कंपनियों द्वारा विपणन किया गया भोजन (पढ़िए - संरक्षकों के साथ पैक किया हुआ भोजन, उसकी अवधि और सामग्रियों की बड़ी सी सूची) भूख लगने पर अक्सर खाया जाता है।

अधिक हिलिए

एक घंटे की कसरत एक गतिहीन जीवनशैली की पूर्ति नहीं कर सकती। एक घंटे की कसरत करना आपको बाकि दिन गतिहीन रहने का लाइसेन्स प्रदान नहीं करता।

बैठे रहने को नया धूम्रपान समझा जाता है। घंटों बैठे रहने से अंत में खराब मुद्रा से लेकर वज़न बढ़ना, अवसाद, छोटा जीवनकाल, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, नसों में घनास्रता और भी अनेक समस्याएँ होती है। यहाँ तक कि गतिहीन रहने वाले व्यक्तियों में मलाशय, स्तन एवं गर्भाशय जैसे कैंसर के मामले अधिक पाये गए है।

- अधिक हिलने के लिए एक सचेत प्रयत्न कीजिये।
- यदि आपका काम बैठे रहने वाला है, तो उठिए और हर 20-30 मिनट में घूमिए।
- पुश-अप्स, स्क्वाट या अपनी कुर्सी का इस्तेमाल कर ट्राइसेप डिप्स जैसी कुछ कसरत कीजिये।
- एलिवेटर या लिफ्ट का इस्तेमाल करने के बजाय सीढ़ियाँ चढ़ें।
- टीवी देखने के दौरान खड़े होइए
- एक घूमकर होने वाली बैठक कीजिये
- एक खड़े रहने वाली मेज़ में निवेश कीजिये जिससे कि आप समय-समय पर खड़े रहकर काम कर सकें।
- अपने पसंदीदा टीवी कार्यक्रम के हर एक विज्ञापन विराम में घूमिए

स्वयं के लिए कुछ समय निकालिए

जब हम बूढ़े होते है, तो एक विलासिता जो हम वहन कर सकते है वह है स्वयं के लिए समय निकालना। बच्चे ज्यादातर बड़े हो जाते है और हमारे जवानी के दिनों की चिंताएं पीछे छूट जाती है, इसलिए अब हम हमारे विकास पर ध्यान केन्द्रित कर सकते है। इस 'स्वयं के लिए समय' में वे अभ्यास शामिल होना चाहिए जो हमारे जीवन को बेहतर बनाते है।

अपने काम में व्यस्त रहने से आपका दिमाग अलग-अलग प्रकार से मगन रहेगा विषेशरूप से यदि आप अपने काम को पसंद करते है और वह आपको चुनौती देता है।

अपने बाकी जीवन पर ध्यान दें।

आपके जीवन के अन्य पहलू भी आवश्यक है। उन गतिविधियों को करके आप बौद्धिक एवं रचनात्मक विकास को बढ़ा सकते है जिनको करने के लिए आपके पास शायद पहले समय नहीं था।

बौद्धिक स्वास्थ्य - अपने मस्तिष्क का ध्यान रखें शरीर की किसी भी मांसपेशी की तरह दिमाग का इस्तेमाल ना करने से उसका भी क्षय होता है। दिमाग की सेहत को सुधारने यहाँ तक कि उसे बरकरार रखने के लिए भी प्रयास करने पड़ते है। प्रकृति के बीच समय बिताकर चिंता, अवसाद और क्रोध कम करना सेहत सुधारने का एक सरल तरीका है।

सामाजिक और भावनात्मक सेहत का संदर्भ दूसरे लोगों के साथ आपके संबन्धों से है। क्या आपको कुछ गहरे, सच्चे रिश्ते पसंद है? क्या आपके ऐसे संबंध है जो आपको सच में पसंद है और ज़रूरत होने पर जिनमें आप संवेदनशील हो सकते है? रिश्ते जिनमें आप 'सुरक्षित' महसूस करते है और उनमें आपको आँका ना जाता हो? जापान में ओकिनावा, इटली में सार्दिनिया और कैलिफोर्निया में लोमा लिंडा जैसे ब्लू ज़ोन, जहाँ जीवन प्रत्याशा औसत से अधिक है, में हुये शोध में पाया गया है कि सामाजिक संबंध मायने रखते है। अकेलापन काटता है। पर हो सकता है अब संबन्धों को फिर से बनाने एवं रिश्तों को पोषित करने का अच्छा समय हो।

तनाव को बेहतर प्रबंधित करे। जबकि तनाव लाज़मी है और कुछ हद तक आपके लिए अच्छा भी है, आप उसे कैसे प्रबंधित करते है यह आपकी सेहत के लिए महत्वपूर्ण है। तनाव को प्रबंधित करना एक नए कौशल को सीखने जैसा है। गहरी सांस लेना, ध्यान, मसाज, व्यायाम, संगीत, टॉक थेरेपी, इत्यादि जैसे तनाव को प्रबंधित करने वाले साधनों को सदा अपनी पहुँच में रखें ताकि जरूरत के वक्त आप उनका उपयोग कर सकें।

वजह तलाशना, जुनून पैदा करना सभी लंबे समय में एवं बेहतर जीवन संतुष्टि के लिए महत्वपूर्ण है। टिप - जीवन का बड़ा उद्देश्य ढूंढिए। यह कुछ भी हो सकता है जैसे किसी कारण के लिए दान करना, किसी सिद्धान्त की खोज, आध्यात्मिक अभ्यास, इत्यादि।

लेखिका एक आब्स्टट्रिशन और स्त्री रोग विशेषज्ञ हैं और फिटनेस और जीवनशैली परामर्शदाता भी हैं। उन्होंने दो किताबें : Get Size wise, Gain to Lose *लिखि हैं।*
वेबसाइट - www.drsheelanambiar.com

Rotary PEOPLE OF ACTION

रोटरी शहीदों को सलाम करती है

वी मुत्तुकुमारण

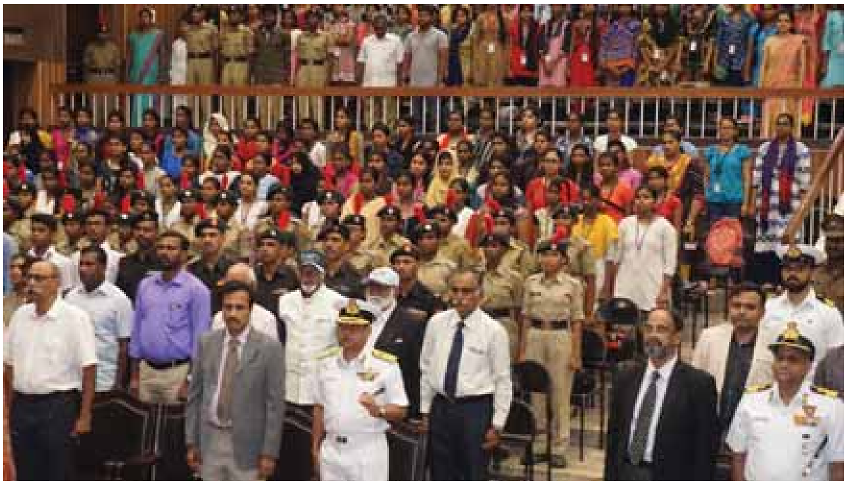

वी मुत्तुकुमारण

मंडल 3232 के गवर्नर बाबू पेरम ने सशस्त्र बलों के पूर्व अधिकारियों के साथ मिलकर शहीदों का सम्मान किया।

सशस्त्र बलों के शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए रोटरी क्लब मद्रास बे सिटि, मंडल 3232, ने चेन्नई के एथिराज कॉलेज फॉर वुमन में एक आल फेथ मेमोरियल सर्विस का आयोजन किया। अन्य कई रोटेरियनों, वर्दीधारी अधिकारियों, NCC केडेट्स, विद्यार्थियों और कॉलेज के अध्यापकों के साथ डीजी बाबू पेरम इस औपचारिक कार्यक्रम में शामिल हुये।

सभा को संबोधित करते हुये, पेरम ने कहा कि शांति एवं संघर्ष समाधान रोटरी के ध्यानाकर्षण क्षेत्रों में से एक है और उन्होंने सभी से एक बेहतर दुनिया के लिए धर्म एवं कृत्रिम सीमाओं की संकीर्ण परिधियों से बाहर निकलने का आग्रह किया।

तमिलनाडु और पुडुचेरी नौसेना क्षेत्र के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग, रियर एड्मिरल आलोक भटनागर ने कहा कि धार्मिक मुद्दों पर समाज को तोड़ा जा रहा है और इस सभी धर्म सेवा जैसे कार्यक्रम देश के धर्मनिरपेक्ष स्वभाव को मजबूत बनाते है।

NCC निदेशालय के उप महानिदेशक, कमोडोर विजेश गर्ग ने कहा कि एक राष्ट्र बर्बाद हो जाएगा यदि उसका समाज उन शहीदों का सम्मान नहीं करेगा जिन्होंने अपना फ़र्ज़ निभाकर सीमाओं की सुरक्षा करते हुये सर्वोच्च बलिदान दिया है। ''हर वर्ष सशस्त्र बलों में अपनी जान की कुर्बानी देने वालों की याद में सर्व धर्म सेवा को आयोजित करने में बहुत मेहनत लगती है, और इसका श्रेय रोटरी को जाता है। क्लब पिछले सात वर्षों से इस कार्यक्रम को आयोजित कर रहा है।''

''हमारे सैनिकों, नाविकों एवं विमान-चालकों की सतत चौकसी की वास्तव में सराहना ना करके हम हमारी सीमाओं की सुरक्षा का महत्व नहीं समझते है,'' सशस्त्र बल न्यायाधिकरण, चेन्नई न्यायपीठ, के सदस्य लेफ्टिनेंट जनरल सीए कृष्णन ने कहा। चाहे वह राजस्थान की झुलसा देने वाली गर्मी हो या सियाचिन की बर्फबारी, सैनिक कभी अपने कर्तव्यों का निर्वाह करने से नहीं हिचकिचाए।

यह नागरिकों एवं समाज का नैतिक कर्तव्य है कि वे राष्ट्र की सुरक्षा करने वाले शहीदों के परिवारों एवं प्रियजनों का ध्यान रखे।

मुख्य अतिथि, एथिराज कॉलेज के अध्यक्ष वी एम मुरलीधरन ने कहा, ''कोई भी बच्चा हिन्दू, मुसलमान या ईसाई के रूप में जन्म नहीं लेता है।

एक राष्ट्र बर्बाद हो जाएगा यदि उसका समाज उन शहीदों का सम्मान नहीं करेगा जिन्होंने अपना फर्ज़ निभाकर सीमाओं की सुरक्षा करते हुये सर्वोच्च बलिदान दिया है।

कमोडोर विजेश गर्ग
NCC, उप महानिदेशक

परंतु जैसे-जैसे हम बड़े होते है हम धर्म, इत्यादि के नाम पर मानसिक विभाजनों एवं बंधनों को आत्मसात करने लगते है। परंतु आज के युवा एक 'समावेशी स्वभाव' को दर्शाने के मामले में बहुत आगे है क्योंकि 2015 में चेन्नई में आई बाढ़ के दौरान मैंने यह देखकर उनसे बहुत कुछ सीखा कि वे बिना किसी पक्षपात के लोगों को बचाने में लगे हुये थे।''

क्लब के अध्यक्ष कमोडोर के पी रामचंद्रन, डीजी पेरम, पीडीजी आईएसएके नज़र एवं क्लब अध्यक्षों के साथ सशस्त्र बलों के सेवारत अधिकारियों ने स्मारक सेवा के हिस्से के रूप में मचान पर पुष्पमाला अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

पवित्र किताबों से अंशों को पढ़कर एक अंतर-धार्मिक प्रार्थना सत्र आयोजित किया गया। स्मारक सेवा की सह-मेजबानी रोटरी क्लब मद्रास सेंट्रल आदित्य, रोटरी क्लब अन्ना नगर आदित्य, रोटरी क्लब ईस्ट आरए पुरम, रोटरी क्लब चेन्नई आईटी सिटि, रोटरी क्लब मद्रास नंगमबक्कम और रोटरी क्लब चेन्नई सेरेनिटी ने की थी। ■

रैक पर

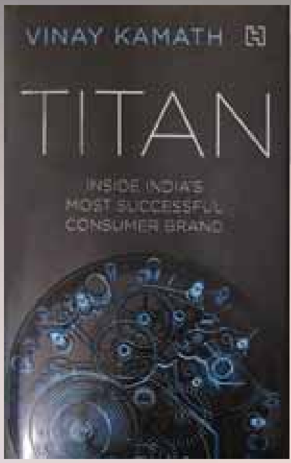

टाइटन, इंसाइड इंडियास मोस्ट सक्सेसफुल कंस्यूमर ब्रांड

लेखक : **विनय कामथ**

प्रकाशक : **हेशेट इंडिया**

पन्ने : 187; **₹599**

बोर्डरूम से लेकर गोपनीय कक्षों तक *टाइटन, इंसाइड इंडियास मोस्ट सक्सेसफुल कंस्यूमर ब्रांड* खुलासा करती है कि कैसे टाटा घराने का एक सर्वोत्कृष्ट भारतीय ब्रांड, जो उपभोक्ता वस्तु बाज़ार में इसके सफल होने तक नहीं जाना जाता था, ऐसी उल्लेखनीय ऊँचाईयों तक पहुंचा। यह कहानी है नवप्रवर्तन एवं धैर्य की, हटकर सोचने की और डटे रहने की, बारीकियों के जुनून की और असफलताओं को स्वीकारने के साहस की। एक कहानी जो हर एक पाठक को प्रेरित करेगी, यहाँ पर अंदर की कुछ बाते है जिन्होंने टाइटन की सुई को घुमाना जारी रखा।

जैसा कि टाटा संस के अध्यक्ष एन. चन्द्रशेखरन की प्रस्तावना ध्यान दिलाती है, टाइटन एक कंपनी है जो उसके लोगों एवं उनके जुनून, समर्पण एवं विश्वास से बनी है। कामथ हमें टाइटन के करिश्माई संस्थापक प्रबन्ध निदेशक ज़र्कसीस देसाई द्वारा कंपनी के निर्माण में निभाई गई अहम भूमिका की एक झलक दिखाते है जिन्होंने इसे बाज़ार में अग्रणी बनाया और साथ ही वह 30 वर्ष पूर्व घड़ियों के साथ शुरू हुई इसकी यात्रा का वर्णन करते है जो 1995 में गहनों के ब्रांड तनिष्क के रूप में अलग हुई, और बाद में इसने चश्मे, परफ्यूम और अब साड़ियों जैसे जीवनशैली उत्पादों तक पहुँचकर ब्रांड की सूची को लगभग 15 तक पहुंचाया।

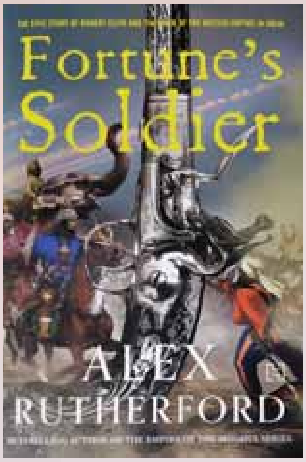

फॉर्च्यून्स सोल्जर

लेखक : **एलेक्स रदरफोर्ड**

प्रकाशक : **हेशेट इंडिया**

पन्ने : 429; **₹599**

यह 1744 की बात है, और निकोलस बेलेनटाइन, एक युवा स्कॉट निवासी जो अपनी पैतृक जागीर के ठाकुरों की तरह जीवन जीने के सपने देखता था, स्वयं को ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी में एक ङ्कलेखकफ के रूप में नए जीवन की तलाश करते हुये अनेपक्षित रूप से हिंदुस्तान जाने वाले जहाज विंचेस्टर पर पाता है। जहाज पर, वह जोशीले एवं तेज रोबर्ट क्लाइव से मिलता है, जो - चाहे किसी भी कीमत पर हो - अवसरों की भूमि में किस्मत चमकाने के लिए संकल्पित है।

शानदार ढंग से तैयार की गई, एवं अठारहवीं सदी के मध्य में भारत को हिला कर रख देने वाली महत्वपूर्ण घटनाओं को जीवंत बनाती हुई, *फॉर्च्यून्स सोल्जर* एक आकर्षक युग की महागाथा है।

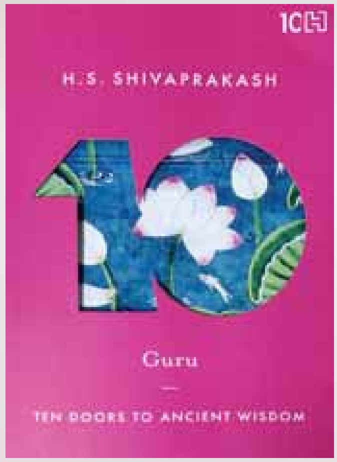

गुरु, टेन डोर्स टू ऐन्शन्ट विज़डम

लेखक : एचएस शिवप्रकाश

प्रकाशक : हेशेट इंडिया

पन्ने : 186; **₹399**

चाहे आपको अपनी आध्यात्मिक क्रिया को शुरू करना हो या केवल भारतीय आध्यात्म की मूल अवधारणाओं को समझना हो, तो मशहूर नाटककार एवं आध्यात्मिक गुरु, एचएस शिवप्रकाश द्वारा लिखित यह किताब बेशक आपका मार्गदर्शन करेगी। 'दरवाजों' की उपमा का उपयोग करते हुये, पाठकों को विभिन्न कक्षों में प्रवेश करने के लिए आमंत्रित किया जाता है जो पाठक को उनके अंदर मौजूद आध्यात्मिक सत्य को खोजने एवं उसका अनुभव करने का अवसर प्रदान करते है। पाठक यह भी सीखते है कि कैसे ये आध्यात्मिक सिद्धान्त, आखिरकार, एकमात्र साधन है जो इसका अभ्यास करने वाले को अंतिम लक्ष्य - परमात्मा से मिलन की ओर ले जाता है।

किरन ज़ेहरा द्वारा संकलित

एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

Rotary PEOPLE OF ACTION

रोटरी क्लब जमशेदपुर ने हृदय की देखभाल करने के लिए जागरूकता का प्रसार किया

टीम रोटरी न्यूज़

एक रोटरी टॉवर।

सितंबर में विश्व हृदय दिवस के अवसर पर जमशेदपुर का इस्पात शहर लाल रंग के चटक रंगों से चमक-दमक रहा था, क्योंकि मंडल 3250 के अधीन भारत के सबसे पुराने रोटरी क्लबों में से एक जमशेदपुर के रोटरी क्लब एक रैली आयोजित की जिसका लक्ष्य भारत में दिल के दौरे की बढ़ती घटनाओं के बारे में लोगों को जागरूक बनाना था।

क्लब के अध्यक्ष केली बाथेना इस बात को लेकर अत्यंत प्रसन्न थे कि जमशेदपुर के सभी सात रोटरी क्लबों ने इस रैली में भाग लिया था। लाल टी शर्ट में सजे-धजे रोटेरियन हाथों में प्लेकार्ड लिए हुए हैं, जिस पर लिखा हुआ है : 'इस विश्व हृदय दिवस पर, एक वादा करें, अपने दिल का ख्याल रखें।'

क्लब के सदस्य, विजया भरत, जो एक हृदय रोग विशेषज्ञ हैं, ने कहा कि जन जागरूकता रैली में लोगों को स्वस्थ आहार, सक्रिय रहन-सहन और तम्बाकू निषेध करते हुए लोगों को अपने दिलों की रक्षा करने की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित करने के लिए नारे लगाए गये।

इस अवसर के उपलक्ष्य में, डाउनटाउन बिष्टुपुर में सबसे प्रतिष्ठित इमारतों में एक रोटरी क्लॉक टॉवर को उस दिन लाल रंग से रोशन किया गया, जो संपूर्ण संसार में लाल रंगों के प्रकाश के साथ 29 सितंबर को विश्व हृदय दिवस मनाने के रूझानों के अनुरूप था। ■

संक्षेप में ट्वीट करो

LBW

टी सी ए श्रीनिवासा राघवन

बात छह साल पुरानी है, मैंने ट्विटर साइन अप किया था फिर फ़ॉलोअर्स के जुड़ने की इंतजार करने लगा। मुझे कहते हुए बड़ा संकोच हो रहा है कि कुछ ही महीनों में यह स्पष्ट हो गया था कि मुझे कोई भी नहीं जानता और जो थोड़े बहुत जानते थे उन्होंने इसलिए परवाह नहीं की क्योंकि वे जानते थे, कि मैं कौन था। इसी के चलते, मैंने ट्विटर से साइन आउट कर दिया और करीब दो तीन साल तक बाहर रहा ।

फिर एक दिन, अचानक हवाई अड्डे पर पुराने दोस्त से टकरा गया, मेरी अक्ल के बारे उसकी कोई बहुत अच्छी राय नहीं थी। मैंने उसे मट्वीटफ करते हुए देखा तो उसे बताया कि ट्वीट का मेरा अनुभव कैसा रहा। उसने मेरा फोन लिया और फटाफट मुझे वापस लॉग इन किया। तुम बेवक़ूफ़ हो, वो बोली, ''अगर तुम ट्वीट नहीं करोगे तो फ़ॉलोअर कैसे मिलेंगे?'' फिर उसने मुझे सिखाया कि ट्वीट कैसे करते हैं और बस, वहीं से मैं इसकी गिरफ्त में आ गया।

आप को जो कुछ कहना है, सिर्फ 140 अक्षरों में कहना है - अब 280 हो गए हैं - 'हाइकू' कविता से तो कहीं बेहतर था। स्कूल और कॉलेज में, मुझे लघु उत्तर लिखने में बहुत खराब अंक मिलते थे, इसलिए यह मेरे अंदर संक्षिप्तीकरण के कौशल की कमी की पुष्टि करता था। लेकिन अभी भी मेरे मन में कसक है: मैं बुद्धिमान कैसे लग सकता हूं? सो लगभग एक दो साल मैंने अपनी विद्वता दिखाते हुए ट्वीट किया। लेकिन इसके बावजूद भी किसी ने लानत नहीं भेजी और कोई फ़ॉलोअर दिखाई नहीं दिया। तब मेरे बेटे ने मुझे बताया कि फ़ॉलोअर बढ़ाने के लिए मुझे दूसरों को फॉलो करना चाहिए और साथ ही मुझे फॉलो करना भी सिखाया।

फिर, अनाड़ी नहीं लगने के चक्कर में, बड़ी सावधानी से, मैंने अर्थशास्त्रियों को फॉलो करना शुरू कर दिया। लेकिन जल्द ही पता चल गया कि न तो उन्हें मुझमें कोई दिलचस्पी थी और ना ही मेरी उनमें कोई रुचि थी। इसलिए मैंने उन्हें मअनफ़ॉलोफ कर दिया। फिर मैंने राजनेताओं को आजमाया लेकिन कोई फायदा नहीं, वे और भी उबाऊ थे। एक लंबी कहानी को संक्षिप्त में बताऊँ तो कुल मिला कर मैंने फ़ॉलोअर्स की संख्या में कटौती कर उनकी संख्या 20 करने से पहले हर तरह का प्रयास किया था जिनमें से 15 रिश्तेदार और पांच करीबी दोस्त थे। इसका परिणाम पूरी तरह से सकारात्मक रहा - मैं हर दो मिनट में फोन की तरफ नहीं देखता - जिसे अर्थशास्त्री 'सकारात्मक बाह्यता' कहते हैं । अब मेरा ध्यान भटकने का कोई कारण नहीं रहा, इससे, विशेष रूप से मेरी पत्नी बहुत खुश थी क्योंकि वो आराम से मेरे गुस्से (ध्यान भटकने की वजह से आये) के बगैर अपने उपदेश सुना सकती थी।

पिछले दो सालों में धीरे-धीरे, मैंने ट्वीट करने की कला सीख ली है: कुछ ऐसा कहें जिसे कहने का चातुर्य किसी दूसरे में नहीं हो या फिर कहने की हिम्मत ना हो, आमतौर पर पहले वाले। उदाहरण के लिए, मेरी एक ट्वीट् थी कि 'हमें मूर्खतापूर्ण टिप्पणी का भी स्वागत करना चाहिए क्योंकि इससे हमें बेवकूफों की पहचान करने में सहायता मिलती है', आप मानेंगे, बीसियों लोगों ने इसे मलाइक मकियाफ; कुछ ने इसे फिर से ट्वीट किया; और इससे भी ऊपर, मुझे एक दर्जन नए फ़ॉलोअर मिल गए।

एक अन्य ट्वीट जिसे बहुत ज़्यादा 'लाइक' किया गया, जिसमें मैंने पूछा था कि खअड के हर सदस्य को अपने नाम के बाद उन तीन अक्षरों को जोड़ना जरूरी क्यों लगता है।

ऐसा ही एक ट्वीट और था कि किसी भी विषय जैसे अर्थशास्त्र, राजनीति, समाजशास्त्र, कानून इत्यादि पर राय व्यक्त करने के लिए ना तो उपयुक्त ज्ञान की आवश्यकता है ना ही पर्याप्त ज्ञान की। यही बात तब भी हुई जब मैंने एक ट्वीट में पूछा कि क्या बेहतर था: कपटी द्वारा शासित होना या मूर्खों द्वारा। एक अन्य ट्वीट में मैंने कहा था कि केवल मूर्ख ही GDP (सकल घरेलू उत्पाद) पर बहस करते हैं; बुद्धिमान इसे अनदेखा करते हैं। यह ट्वीट भी बहुत लोकप्रिय हुआ ।

एक अन्य ट्वीट जिसे बहुत ज़्यादा 'लाइक' किया गया, जिसमें मैंने पूछा था कि IAS के हर सदस्य को अपने नाम के बाद उन तीन अक्षरों को जोड़ना जरूरी क्यों लगता है। हाल ही में, जब रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया और सरकार में तना-तनी चल रही थी, मैंने 1931 में बैंक ऑफ इंग्लैंड के गवर्नर द्वारा दिया गया उत्तर ट्वीट किया था, जब उनसे पूछा गया कि सरकार और आरबीआई के बीच कैसे संबंध होने चाहियें। उनका उत्तर संक्षिप्त, स्पष्ट और गंभीर था: एक 'हिन्दू' पत्नी की तरह जो सलाह तो देती है लेकिन उस पर चलने के लिए बाध्य नहीं करती। यह ट्वीट भी बहुत बढ़िया गया।

स्पष्ट है, मैंने इसकी कला सीख ली है: संक्षिप्त रहें और बुद्धिमान लगें। दरअसल, अब तो मुझे आश्चर्य होता है कि लोग किताबें क्यों लिखते हैं जब वे अपना ज्ञान एक ट्वीट में ही कह सकते हैं। मुझे खुशी है, मेरे लगभग 3300 फ़ॉलोअर हैं - जो कम नहीं होते और फिर मैं रशीदा भगत जितना प्रसिद्ध भी तो नहीं हूं। ■

Regn. No. TN/CCN/359/2018-2020
Licensed to post WPP No.TN/PMG(CCR)/WPP-421/2018-2020
Total number of pages in this monthly issue, including cover, 84. Price: ₹35
Registered with Registrar of News Papers for India TNHIN/2001/05271 Rotary Samachar Published on 1st of every month

ADVT

Rotary District 3012

BE THE INSPIRATION R.I. THEME 2018-19

Subhash Jain AKS
District Governor 2018-19

DISTRICT 3012 FRIENDSHIP EXCHANGE 2018

Rotary Friendship Exchange programme between our Rotary District 3012 and Rotary District 3830 of Phillipines.

DISTRICT INTERCITY HEALTH TALK ON DIABETES

Saturday, 24th November 2018 • IMA Bhawan, Raj Nagar, Ghaziabad